ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विकास के लिए वोट कर मतदाताओं ने नरेन्द्र मोदी के हाथों को किया मजबूत... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 09 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-39

मोदी का करिश्मा बरकरार : 27 साल बाद दिल्ली फिर भाजपा के कब्जे में

यूपी में योगी का नहीं कोई सानी, मिल्कीपुर में दूध का दूध पानी का पानी

मोदी की युक्ति, आप-दा से मुक्ति

जनशक्ति सर्वोपरि... विकास जीता है, सुशासन जीता है : मोदी

भाजपा को मिली 48 सीटें, आपा 22 पर सिमटी, कांग्रेस शून्य

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा पूरे देश पर कायम है। आप-दा के नारे ने ऐसा असर किया कि दिल्ली के मतदाताओं ने आप-दा को ही आप-दा में डाल दिया। दिल्ली प्रदेश की सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी ने फिर से कब्जा जमा लिया है। दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी की धमाकेदार वापसी हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थीं। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से 48 सीटें भाजपा ने जीत ली हैं। आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर ठहर गई। कांग्रेस को एक सीट भी नहीं मिली। आम आदमी पार्टी के दोनों पुरोधा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोसिया चुनाव में बुरी तरह मार खाए। नई दिल्ली सीट से केजरीवाल और जंगपुरा सीट से सिसोदिया चुनाव हार गए। जबकि केजरीवाल के इस्तीफे के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी आतिशी मारलेना चुनाव जीत गईं। उधर, उत्तर प्रदेश में अयोध्या स्थित मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज कर यह साबित कर दिया कि योगी आदित्यनाथ का यूपी में कोई सानी नहीं है।दिल्ली की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जनशक्ति सर्वोपरि। विकास जीता, सुशासन जीता। दिल्ली के अपने सभी भाई-बहनों को भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए मेरा वंदन और अभिनंदन। आपने जो भरपूर आशीर्वाद और स्नेह दिया है, उसके लिए आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत आभार। प्रधानमंत्री ने वादा किया, दिल्ली के चौतरफा विकास और यहां के लोगों का जीवन उत्तम बनाने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे, यह हमारी गारंटी है। इसके साथ ही हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि विकसित भारत के निर्माण में दिल्ली की अहम भूमिका हो। मुझे भाजपा के अपने सभी कार्यकर्ताओं पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस प्रचंड जनादेश के लिए दिन-रात एक कर दिया। अब हम और भी अधिक मजबूती से अपने दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित रहेंगे।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 4,089 वोटों से पराजित किया। जंगपुरा सीट से आपा प्रत्याशी पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया 675 वोटों से हार गए। भाजपा के प्रत्याशी तरविंदर सिंह मारवाह ने यहां जीत दर्ज की।

दिल्ली की ग्रेटर कैलाश सीट से आम आदमी पार्टी (आपा) के प्रत्याशी एवं दिल्ली सरकार में ताकतवर मंत्री रहे सौरभ भारद्वाज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी शिखा रॉय से 3188 वोटों के अंतर से हार गए। करावल नगर विधानसभा सीट से भाजपा के कपिल मिश्रा ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। उन्होंने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मनोज त्यागी को 23355 वोटों से हराया। पटपड़गंज सीट पर भी भाजपा के रवींद्र सिंह नेगी ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। उन्होंने आपा के उम्मीदवार अवध ओझा 28072 को वोटों से हराया।कालकाजी सीट से आपा प्रत्याशी आतिशी चुनाव जीत गईं। उन्होंने 3521 वोटों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी को हराया। कालकाजी सीट सबसे चर्चित सीटों में से एक रही है। इस बार आम आदमी पार्टी ने कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना को टिकट दिया था। कांग्रेस ने पूर्व विधायक अलका लांबा को उतारा था। इन चेहरों के कारण कालकाजी सीट एक बार फिर हॉट सीट बन गई थी।

▶10 पर

मिल्कीपुर में चला योगी का सिक्का, अखिलेश का अहंकार टूटा

अयोध्या, 08 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर हुए उपचुनाव में योगी आदित्यनाथ का ही सिक्का चला। लोकसभा में अयोध्या की जीत से दंभ के शिकार हुए अखिलेश यादव का अहंकार टूटा। भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद को 61, 710 मतों से पराजित किया। भाजपा जितने अंतर से लोकसभा सीट हारी थी, उससे अधिक अंतर से उपचुनाव जीतने का संकल्प पूरा किया। इस तरह अयोध्या में एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करिश्मा सामने आया। मिल्कीपुर उप चुनाव में सिपहसलारों की मदद से भाजपा को भारी मतों से जिताकर योगी ने कुशल संगठनकर्ता होना साबित किया है।मिल्कीपुर उपचुनाव में अखिलेश यादव का पीडीए फार्मूला बिल्कुल बेअसर दिखा। न तो पिछड़ा, न दलित और न ही अल्पसंख्यक मतों को सहेजने में सपा को कामयाबी मिली। टीम योगी ने फैजाबाद लोकसभा सीट हारने की टीस मिटाने में कामयाबी पाई। जितने अंतर से लोकसभा सीट पर हार हुई थी, उससे अधिक अंतर से उप चुनाव जीतने का संकल्प भी पूरा करने में सफलता मिली है। पहले चक्र की मतगणना से ही भाजपा ने जो बढ़त बनानी शुरू की वह फिर रुकी नहीं।

दिल्ली के दिल में हैं मोदी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि दिल्ली के दिल में नरेंद्र मोदी बसते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में एक के बाद एक पार्टी ने जीत हासिल की है। मैं दिल्ली की जनता को बधाई देता हूं। दिन रात मेहनत करने वाले पार्टी के कार्यकर्ताओं को साधुवाद। यह चुनाव और इससे पहले लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया कि दिल्ली के दिल में मोदी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 साल में राजनीतिक संस्कृति में

▶10 पर

दिल्ली की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा मुख्यालय में बोले पीएम मोदी

जनता ने शॉर्ट-कट वाली राजनीति का शॉर्ट-सर्किट कर दिया

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करके भाजपा ने 27 साल का सूखा खत्म कर दिया है। भारी बहुमत से चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। भाजपा मुख्यालय में जीत के जश्न में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज दिल्ली के लोगों में उत्साह भी है और सुकून भी है। मैंने हर दिल्लीवासियों से प्रार्थना की थी भाजपा को सेवा का अवसर दीजिए। दिल्ली के हर परिवारीजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए मैं नमन करता हूं। दिल्ली की जनता ने दिल खोलकर प्यार दिया। दिल्ली के लोगों का यह प्यार और विश्वास हम पर कर्ज है। इसे अब दिल्ली की डबल इंजन सरकार तेजी से विकास करके चुकाएगी। आज की यह ऐतिहासिक विजय सामान्य विजय नहीं है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया। एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हुई। दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की

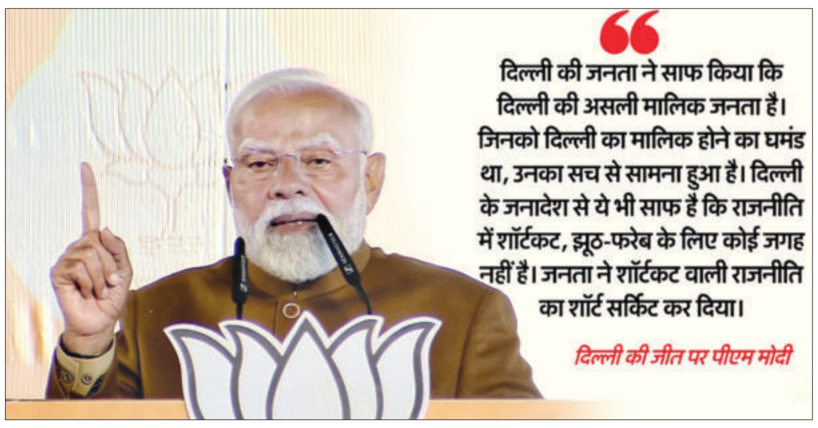

जीत हुई। आंडबर, अराजकता, अहंकार और आप-दा की हार हुई है। इस नतीजे में भाजपा कार्यकर्ताओं की दिन रात की मेहनत, परिश्रम विजय को चार चांद लगाता है। सभी कार्यकर्ता विजय के हकदार हैं। सभी को विजय की बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, दिल्ली की जनता ने साफ किया कि दिल्ली की असली मालिक जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हुआ है। दिल्ली के जनादेश से ये भी साफ है कि राजनीति में शॉर्टकट, झूठ-फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने शॉर्टकट वाली राजनीति का शॉर्ट सर्किट कर दिया। लोकसभा चुनाव में भी दिल्ली ने निराश नहीं किया। तीन चुनावों में दिल्ली लोगों ने भाजपा को सात सीटों पर विजयी बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के मन में दिल्ली की पूरी तरह से सेवा न कर पाने की टीस थी। आज वह टीस खत्म हुई। अब युवा पहली बार दिल्ली में भाजपा का सुशासन देखेंगे। नतीजों से साफ है कि लोगों में भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रति भरोसा है।

पहली विधानसभा बैठक में रखेंगे सीएजी की रिपोर्ट

पीएम मोदी ने कहा, हमने पहले हरियाणा, फिर महाराष्ट्र और अब दिल्ली में नया इतिहास रचा है। हमारा दिल्ली अब एक शहर नहीं है, ये दिल्ली मिनी हिंदुस्तान है, लघु भारत है। दिल्ली एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को जी जान से जीती है। दिल्ली में पूरे देश के लोग हैं। दिल्ली विविधताओं से भरे भारत का लघुरूप है। आज दिल्ली ने भाजपा को प्रचंड जनादेश का आशीर्वाद दिया है। दिल्ली में हर जगह कमल खिला है। हर भाषा और राज्य के लोगों ने कमल पर मुहर लगाई।

▶10 पर

शीशमहल नेस्तनाबूद हुआ : अमित शाह

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणामों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तनाबूद कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है। अमित शाह ने कहा, दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें,

▶10 पर

आम आदमी पार्टी के नैतिक स्खलन पर जनता ने दी सीख

आम आदमी की आंखों से गिर गई आम आदमी पार्टी

अन्ना आंदोलन से बड़ी उम्मीदों के साथ उभरी आम आदमी पार्टी अपनी चरित्रहीनता, अनैतिकता, झूठ, फरेब और मक्कारी के कारण डूब गई। अगर आम आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आभा नहीं खोती तो जीत की संभावनाओं पर कोई संशय नहीं होता। 2013 से दिल्ली की राजनीति में मिलने वाली अपार लोकप्रियता से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपराजेय होने का भ्रम पाल लिया था। उन्होंने जनता को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया था। केजरीवाल यह भूल गए थे कि जनता किसी व्यक्ति या दल के पीछे नहीं, बल्कि उन वादों, दावों और सपनों के साथ रहती है, जिन्हें नई राजनीति के नारे के साथ अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आपा) ने शुरू किया था। उन बोलियों, वादों और भाषणों में कट्टर ईमानदारी, सत्ता के तामझाम से दूर सादगी, आम जन से निकटता, राजनीति में शुचिता, सार्वजनिक नैतिकता की स्थापना, भ्रष्टाचार उन्मूलन और सर्व धर्म समभाव वगैरह शामिल थे। लेकिन उन सब नैतिक शब्दावलियों को दिल्ली और देश के लोगों ने धराशाई होते हुए देखा।

2013 में दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल में बहुत सारी संभावनाएं देखी थीं। 2015 में केजरीवाल को अपार बहुमत देकर बड़ा मौका दिया और 2020 में मुफ्त, बिजली, पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए उठाए गए कदमों पर मुहर लगाते हुए दोबारा भरोसा किया। 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक गई। 2022 में दिल्ली नगर निगम की जीत ने आपा और टीम केजरीवाल का मनोबल और बढ़ा दिया। इससे वो अति आत्मविश्वास के शिकार हुए, जो कालांतर में सत्ता के अहंकार में बदल गया क्योंकि दोनों के बीच की सीमा रेखा बेहद क्षीण होती है। इसी दौर में शराब घोटाला और शीशमहल जैसे कुकृत्यों ने आपा और केजरीवाल की नैतिक आभा को निस्तेज किया। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी और जेल यात्रा ने भाजपा को और ज्यादा हमलावर होने का मौका दे दिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन और विधानसभा चुनाव में उसी कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बताने से आपा की राजनीतिक साख पर भी बेहद खराब असर पड़ा। गिरफ्तार होने और जेल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र न देकर अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक नैतिकता और राजनीतिक शुचिता के सार्वभौमिक मूल्य के स्वघोषित संकल्प को तार-तार कर दिया।

इसके बाद रही सही कसर तब पूरी हो गई, जब केजरीवाल ने इस्तीफा देकर सिर्फ चुनाव तक आतिशी सिंह को मुख्यमंत्री बना दिया। इसकी जगह अगर केजरीवाल गिरफ्तार होते ही इस्तीफा देकर आतिशी को पूर्णकालिक मुख्यमंत्री बना देते तो उनकी नैतिक आभा भी बचती और तस्वीर भी कुछ और हो सकती थी, लेकिन केजरीवाल को लगा कि जनता उनके हर सही और हर गलत फैसले को झूमते हुए सिर माथे लगा लेगी। यही उनकी बड़ी भूल थी।

भाजपा ने इस बार पिछली बार की तरह चुनाव हिंदू-मुस्लिम पर नहीं, दिल्ली के मुद्दों पर लड़ा।

▶10 पर

वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 11 से

हमारा लक्ष्य इस साल के निवेश सम्मेलन में हुए 75 प्रतिशत समझौतों को लागू करना : एम.बी.पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के बड़े उद्योग मंत्री एम.बी.पाटिल ने कहा कि वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 11 से 14 फरवरी तक चार दिनों तक बेंगलूरु पैलेस में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। पूंजी निवेश की उम्मीद है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारा लक्ष्य इस साल के निवेश सम्मेलन में हुए 75 प्रतिशत समझौतों को लागू करना है, न कि केवल कागजों पर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 फरवरी को शाम 4 बजे राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मौजूदगी में निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे और उन्होंने राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले और उद्योग विभाग से जुड़े सभी मंत्रियों को सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। सभी ने भाग लेने का वादा भी किया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एच.डी. कुमारस्वामी उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी सम्मेलन में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, अश्विन वैष्णव और पीयूष गोयल को भी आमंत्रित किया गया है। कर्नाटक की प्रगति के लिए जिम्मेदार लोगों को 12 फरवरी को सम्मानित किया जाएगा। उस दिन केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के आने की उम्मीद है। समापन समारोह में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर, बसवराज होराट्टी, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री, स्थानीय विधायक, सांसद और दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेता वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें प्रसिद्ध व्यवसायी आनंद महिंद्रा, सज्जन जिंदल, किरण मजूमदार समेत कई व्यवसायी भाग लेंगे। निवेशक सम्मेलन के दौरान नई औद्योगिक नीति, सिंगल विंडो पोर्टल और स्वच्छ गतिशीलता नीति का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें 15 गोलमेज व्याख्यान होंगे और 60 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा भाषण दिए जाएंगे। एसएमई पुरस्कार 13 फरवरी को प्रदान किये जायेंगे। इस बार का नारा है प्रगति की पुनर्कल्पना। औद्योगिक नीति वर्तमान उद्योगों की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। रोजगार सृजन करने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने वाले उद्यमियों को और अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में 400 से अधिक कंपनियां अनुसंधान एवं विकास कार्य कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट सॉफ्टवेयर कंपनियों के सहयोग से एक एकल खिड़की पोर्टल विकसित किया गया है, जो देश में भूमि उपलब्धता के लिए मौजूदा और राज्य परमिट, कानून और प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य उद्यमियों के लिए स्वीकृति अवधि को 100 दिन से घटाकर 50 दिन करना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्योग विभाग के प्रधान सचिव सेल्वाकुमार और आयुक्त गुंजन कृष्णा मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री श्याम मन्दिर प्रांगण में एकादशी के पावन अवसर पर सायं 4.15 बजे से भजनों का कार्यक्रम हुआ। जिसमें स्थानीय गायकों द्वारा बाबा श्याम को रिझाया गया। भक्तों ने एकादशी पर बड़ी संख्या में दर्शन किये। इस मौके पर बाबा श्याम का मनमोहक फूलों से श्रृंगार किया गया। सायं आरती के साथ भजनों के कार्यक्रम का समापन हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचण्ड जीत पर बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापारी संघ ने खुशी का इजहार करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही दिल्ली की जनता का मोदी की गारंटी पर विश्वास जताने के लिए आभार जताया। इस मौके पर भूपेश कश्यप, प्रकाश सिह, भुण्डाराम, नणीगराम, बाबूलाल, अरुण शर्मा, जितेंद्र प्रजापत, प्रकाश भायल, राजू पटेल, अशोक बाकरा, छोटू गुर्जर, सुरेश पटेल, मदन सीरवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

हत्या के मामले में जमानत पर बाहर आए अभिनेता दर्शन ने तोड़ी चुप्पी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कन्नड़ स्टार दर्शन, जिन्हें अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी की कथित हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था, ने एक वीडियो संदेश में अपने भविष्य की परियोजनाओं के बारे में बताया है। 8 जून, 2024 को गिरफ्तार किए गए अभिनेता को 13 दिसंबर, 2024 को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी थी।

वीडियो में, दर्शन ने अपने प्रशंसकों से अनुरोध किया कि वे 16 फरवरी को उनके जन्मदिन पर उनके आवास के बाहर कतार में न लगें।

अभिनेता ने कहा कि उनकी मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति उन्हें अपने प्रशंसकों से मिलने की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा मैं पीठ दर्द का इलाज करवा रहा हूं और मैं लंबे समय तक खड़े होकर आप सभी का अभिवादन नहीं कर सकता। दर्शन ने केवीएन प्रोडक्शंस के साथ एक फिल्म साइन की थी, जो तमिल स्टार विजय अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन और केजीएफ स्टार यश द्वारा अभिनीत टॉक्सिक के पीछे का बैनर है। इस फिल्म का निर्देशन प्रेम करने वाले थे, जिनके साथ दर्शन ने ब्लॉकबस्टर फिल्म करिया (2003) दी थी। दर्शन ने कहा कि परियोजना फिलहाल रुकी हुई है। मैंने दिग्गज निर्माता सोरप्पा बाबू के साथ एक फिल्म करने का वादा किया है। मैंने इस परियोजना पर बहुत पहले सोरप्पा बाबू से चर्चा की थी और अब उस फिल्म को आगे बढ़ाना समझदारी है। मैं केवीएन प्रोडक्शंस के साथ उनकी मौजूदा फिल्में पूरी होने के बाद काम करूंगा। उन्होंने अपने प्रशंसकों को उनके कठिन समय के दौरान उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। 9 जून, 2024 को 33 वर्षीय रेणुकास्वामी के पार्थिव शरीर की खोज के बाद पुलिस ने दर्शन को गिरफ्तार कर लिया था। कथित तौर पर दर्शन के आदेश पर हमला किए जाने के बाद रेणुकास्वामी की चोटों के कारण मौत हो गई। अभिनेता ने कथित तौर पर अपने प्रशंसकों से अपने साथी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट करने के लिए रेणुकास्वामी को घेरने और उनका अपहरण करने का आग्रह किया।

माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश एक बार फिर राज्यपाल के दरबार में पहुंचा

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के सहकारिता मंत्री के.एन.राजन्ना ने कहा कि यह अध्यादेश इसलिए तैयार किया गया क्योंकि राज्य सरकार के पास माइक्रोफाइनेंस को नियंत्रित करने का अवसर नहीं था। राज्यपाल ने स्पष्टीकरण मांगने के बाद इसे वापस भेज दिया था और विधेयक को उचित स्पष्टीकरण के साथ राजभवन वापस भेज दिया गया है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान हैं जो माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे संगठन भी हैं जो बुरे काम करते हैं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ बैंकिंग समाधान अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं। राज्य सरकारों के पास इन्हें विनियमित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि आरबीआई को इसे सीधे विनियमित करने की जरूरत है। सहकारिता विभाग उच्च ब्याज दर वसूलने वाली संस्थाओं के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए धन शोधन अधिनियम का प्रयोग कर सकता है। 2004 में अधिनियम में संशोधन के माध्यम से इसकी अनुमति दी गई। वित्तीय संस्थाएं ऋण दे रही हैं और वसूली प्रक्रिया को आउटसोर्स कर रही हैं। ऋण वसूली करने वाले लोग अत्याचारी हैं। इसके कारण, प्रतिष्ठा के डर से प्रतिदिन आत्महत्या की खबरें आ रही हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने एक अध्यादेश पारित किया। गवर्नर ने माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश को अस्वीकार नहीं किया। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा कि यदि ऐसा है तो ऋण देने के लिए कौन आगे आएगा, क्योंकि इससे गरीबों के लिए समस्या पैदा होगी। इसे उचित स्पष्टीकरण के साथ दूसरी बार राजभवन भेजा गया है। उन्होंने कहा कि वह इंतजार करेंगे और देखेंगे कि राज्यपाल क्या निर्णय लेते हैं। सोने के आभूषणों के लिए ऋण को कृषि ऋण माना जाता है। इसके आधार पर, नाबार्ड द्वारा राज्य को दिए जाने वाले ऋण की राशि में कमी की गई है, क्योंकि केन्द्रीय वित्त विभाग और नाबार्ड द्वारा पहले ही कृषि क्षेत्र को अधिक ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है। परिणामस्वरूप किसानों को बैंकों से ऋण नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि वे निजी वित्त संस्थाओं की ओर रुख कर रहे हैं। डीसीसी बैंक नाबार्ड और शीर्ष बैंकों से उधार लेते हैं और देते हैं। इसके लिए कोई सरकारी धनराशि उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि ऋण राशि का भुगतान जमा राशि से किया जा रहा है तथा धनराशि की उपलब्धता के कारण ऋण उपलब्ध कराने में समस्या आ रही है। गृहलक्ष्मी योजना के तहत पैसा दिया जाएगा। इसमें कोई भ्रम नहीं है। तकनीकी कारणों से इसमें एक माह का विलंब हो सकता है। लेकिन गारंटी योजनाओं की पूरी राशि लाभार्थियों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी परियोजना बंद नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में जनहितैषी कांग्रेस सरकार चल रही है और बेलगावी में कांग्रेस महाधिवेशन समेत सभी कार्यक्रम डी.के. शिवकुमार की अध्यक्षता में बिना किसी चूक के आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष पद सहित किसी भी बदलाव पर निर्णय हाईकमान करेगा। उन्होंने कहा कि हम फिलहाल इस पर चर्चा नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा उठने पर ही केपीसीसी अध्यक्ष बदलने की चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे ने, जो कांग्रेस के सर्वोच्च अध्यक्ष हैं, मंत्रियों को अपना काम करने का निर्देश दिया है। उन्हें राजनीति पर बात न करने का निर्देश दिया गया है। इसलिए हममें से कोई भी बात नहीं करता। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि चार लोग कहीं इकट्ठा होते हैं, उसे अलग बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

जाली नोट चलाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आदुगोडी पुलिस ने जाली नोट चलाने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सुमन, गुलाल और पश्चिम बंगाल के एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 1.50 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे सुमन और गुलाल को 28 जनवरी को पश्चिम बंगाल से बेंगलूरु जाते समय ट्रेन से 1.5 लाख रुपये के 500 रुपये के नोट मिले। उन्होंने शहर पहुंचकर पैसे अपने गांव भेजने की योजना बनाई थी।

उन्होंने बताया कि सुमन ने कुमार से 70,000 रुपये मांगकर अपने खाते में ट्रांसफर करने को कहा था। जब नोटों की गिनती की गई तो सीरियल नंबर में अंतर था, इसलिए उसे संदेह हुआ और जांच करने पर पता चला कि वे नकली नोट थे। कुमार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने

मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर सुपारी किसानों के मुद्दों पर चर्चा की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ (डीके) में सुपारी किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और इस मुद्दे पर चर्चा की। विदेशों से बिना उचित निरीक्षण के सुपारी के अनियंत्रित आयात के कारण क्षेत्र के सुपारी किसान संघर्ष कर रहे हैं।

इससे अनुचित मूल्य प्रतिस्पर्धा पैदा हुई है, जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का उचित बाजार मूल्य मिलना मुश्किल हो गया है। चौटा ने मंत्री से घरेलू किसानों के लिए स्थिर बाजार दरें सुनिश्चित करने के लिए सुपारी के आयात पर सख्त नियंत्रण लगाने का आग्रह किया। सुपारी की फसलों में सड़न और पत्ती के धब्बे जैसी बीमारियों के बढ़ते प्रचलन के कारण, दक्षिण कन्नड़ के किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके मद्देनजर, चौटा ने मंत्री से जिले में वैकल्पिक फसल के रूप में कॉफी की खेती को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ में कॉफी की खेती के संबंध में हाल ही में कॉफी बोर्ड के सर्वेक्षण पर भी प्रकाश डाला और मंत्री को बताया कि उन्होंने संसद में इस बारे में सवाल उठाए हैं। कॉफी किसानों को और अधिक सहायता देने तथा फसल की क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्होंने मंत्री से कॉफी बोर्ड को मेंगलूरु में एक कार्यालय स्थापित करने का निर्देश देने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चौटा को दक्षिण कन्नड़ में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से बैक टू विलेज अभियान सहित उनकी पहलों के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। मंत्री ने किसानों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने वाले अभिनव विचारों को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्रालय ने किया स्पष्ट

राज्य सरकार रनवे सुरक्षा बुनियादी पट्टी के लिए अतिरिक्त 32.97 एकड़ जमीन सौंपने में विफल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) पर रनवे सुरक्षा बुनियादी पट्टी और रनवे अंत सुरक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक 32.97 एकड़ अतिरिक्त भूमि सौंपने पर सहमति नहीं जताई है। लोकसभा में डीके सांसद कैप्टन बृजेश चौटा द्वारा एक अतारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत बेहतर प्रबंधन और विकास के लिए एमआईए को मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमएआईएएल) को पट्टे पर दिया था।

एमएआईएएल ने रनवे सुरक्षा बुनियादी पट्टी और रनवे अंत सुरक्षा क्षेत्र के लिए 32.97 एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता का अनुमान लगाया था।

मंत्री ने कहा जब कर्नाटक सरकार ने एएआई को मुफ्त में भूमि सौंपने के लिए एमओसीए की अपील का जवाब नहीं दिया, तो एएआई को भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार मामले को संबोधित करने के लिए कहा गया, ताकि उपयोगकर्ता शुल्कों पर किसी भी संभावित प्रतिकूल प्रभाव को कम करते हुए हवाई अड्डे की परिचालन सुरक्षा और दक्षता को बनाए रखा जा सके। सांसद द्वारा मेंगलूरु से अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइनों को संचालित करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए एमआईए को पॉइंट ऑफ कॉल (पीओसी) का दर्जा देने के बारे में पूछे गए एक अन्य प्रश्न पर, मंत्री ने कहा वर्तमान में, भारत सरकार भारतीय वाहकों द्वारा गैर-मेट्रो बिंदुओं से या तो सीधे या अपने घरेलू परिचालन के माध्यम से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संचालन को बढ़ावा देती है।

तदनुसार, मेंगलूरु सहित नए गैर-मेट्रो बिंदुओं को किसी भी विदेशी देश को हवाई सेवा समझौते में पीओसी के रूप में नहीं दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि एयरलाइनों के अंतर्राष्ट्रीय परिचालन भारत और संबंधित देश के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) द्वारा शासित होते हैं। एएसए के अनुसार, भारतीय नामित वाहक पारस्परिक रूप से सहमत क्षमता सीमाओं के अनुसार मेंगलूरु सहित भारत में किसी भी बिंदु से विदेशी गंतव्यों तक परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, जबकि कोई भी नामित विदेशी एयरलाइन भारत में किसी बिंदु से परिचालन कर सकती है, यदि उसे एएसए में पॉइंट ऑफ कॉल (पीओसी) के रूप में नामित किया गया हो।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक स्टेट लेबर काउंसिल द्वारा राज-ाजीनगर में स्थित इएसआई हॉस्पिटल के निकट 5वां अन्नमा उत्सव मनाया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। काउंसिल के प्रमुख रवि शेट्टी एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पुलिस ने 400 उपद्रवियों और आरोपियों के घरों पर छापेमारी की, 11 एफआईआर दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर डिवीजन पुलिस ने करीब 400 उपद्रवियों और पुराने आरोपियों के घरों पर छापेमारी की है, 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और जांच कर रही है। डीसीपी सैदुलु अदावत के नेतृत्व में एसीपी, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और उत्तरी डिवीजन के कर्मचारियों द्वारा रात 12 बजे से सुबह तक छापेमारी की गई। वारंट जारी होने के बावजूद कोर्ट में पेश न होने वाले 15 लोगों को भी हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया गया। छापेमारी के दौरान कुछ उपद्रवियों के घरों से आग्नेयास्त्र बरामद हुए। बाद में पुलिस को उपद्रवियों के बारे में सूचना मिली। पुलिस अधिकारियों ने उपद्रवियों को चेतावनी दी है।

केजरीवाल का मुखौटा उतरा

विकास के लिए वोट कर मतदाताओं ने नरेन्द्र मोदी के हाथों को किया मजबूत: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि परिपक्व मतदाताओं ने विकास के उद्देश्य से दिल्ली में भाजपा को जीत दिलाई है। मतदाताओं ने एक बार फिर हमें नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने का आशीर्वाद दिया है। उन्होंने मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद भाजपा की जीत के जश्न के बाद मीडिया से बात की।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भाजपा ने 27 वर्षों के बाद दिल्ली राज्य में अभूतपूर्व जीत हासिल की है। दिल्ली में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाकर दिल्ली की सत्ता में आए आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल का मुखौटा उतर गया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को भी असफलताएं मिल रही हैं। मनीष सिसोदिया भी हार गए हैं। दिल्ली में शराब और शीश महल कांड के बाद आप का चेहरा उजागर हो गया है। दिल्ली के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई। कांग्रेस पार्टी को लगातार तीसरी बार दिल्ली में शून्य परिणाम प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस को शून्य परिणाम प्राप्त हुए थे तथा हरियाणा और महाराष्ट्र में भी कांग्रेस को झटका लगा था।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि सभी गारंटी अस्थायी होती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विकास केवल नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से ही संभव है, जो अस्थायी गारंटी के बजाय मजबूत नेतृत्व प्रदान करती है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि दिल्ली चुनाव परिणाम कर्नाटक और तेलंगाना में आगामी चुनावों के लिए एक संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि यह देश की जीत है। पांच गारंटी देने के बावजूद कर्नाटक में कोई विकास नहीं हुआ। कानून और व्यवस्था बिगड़ गई है। इसी केजरीवाल ने 25 मुफ्त चीजें बांटी थीं। उनकी हालत क्या है?

उन्होंने कहा कि यह देश के लिए दिशा-निर्देश है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार का शिकार हो गई है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में भाजपा पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की, जिसने कर्नाटक में हमारे खिलाफ चुनावी रणनीति बनाई थी, जिसमें 40 प्रतिशत कमीशन और अन्य आरोप लगाए गए थे, जबकि दिल्ली में हमारी कमाई शून्य थी। अब उन्होंने खाता नहीं खोला है। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा केजरीवाल ईमानदार नहीं हैं। लोगों को यकीन है कि यह भ्रष्ट है। उन्होंने कहा कि झूठ का मुखौटा उतर चुका है। कांग्रेस को इस पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल नकारात्मक प्रचार से चुनाव जीतना असंभव है। उन्होंने विश्लेषण किया कि अंबेडकर का संविधान, जनता का संविधान, जीत गया है।

पुलिसकर्मी ने पिता के पार्थिव शरीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया

मौत में एसआई की भूमिका का आरोप लगाया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पुलिस इंस्पेक्टर ने अपने पिता के शव को पुलिस स्टेशन के सामने रखकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) की मनमानी की वजह से उनके पिता की मौत हुई। यह घटना शनिवार तड़के रायबाग तालुक के हरोगेरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। विजयपुरा जिले के देवदुर्गा पुलिस स्टेशन से जुड़े इंस्पेक्टर अशोक सदालगी ने हरोगेरी पुलिस सब-इंस्पेक्टर मलप्पा पुजारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि पुलिस इंस्पेक्टर अशोक सदालगी के पिता अन्नप्पा पर हमला करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में विफल रही। इसके अलावा, उनके पिता अन्नप्पा को कथित तौर पर पूरे दिन पुलिस स्टेशन में हिरासत में रखा गया और परेशान किया गया। शाम तक अन्नप्पा बीमार पड़ गए और उनका रक्तचाप और शुगर लेवल गिर गया। उनके दूसरे बेटे ने उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शनिवार को उनकी मौत हो गई। घटना से गुस्साए इंस्पेक्टर सदालगी ने अपने पिता का शव हरोगेरी पुलिस स्टेशन के सामने रखकर विरोध प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की तथा एसआई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। परिवार ने बेलगावी जिले के पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर गुलेड़ से घटनास्थल का दौरा करने पर भी जोर दिया। हालांकि, चिक्कोडी के डिप्टी एसपी मौके पर पहुंचे और इंस्पेक्टर सदालगी को अपना विरोध वापस लेने के लिए राजी किया। रिपोर्ट बताती है कि 10 जनवरी को तीन व्यक्तियों ने कथित तौर पर अन्नप्पा के खेत पर अतिक्रमण किया। जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की। इसके बाद अन्नप्पा ने आपातकालीन हेल्पलाइन पर फोन करके पुलिस की मदद मांगी। पुलिस आरोपी और अन्नप्पा दोनों को थाने ले गई। आरोप है कि हिरासत में रहते हुए अन्नप्पा को प्रताड़ित किया गया। इंस्पेक्टर सदालगी ने हरोगेरी पुलिस स्टेशन के एसआई, सीपीआई और अथानी के डिप्टी एसपी से संपर्क कर कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि, पुलिस ने कथित तौर पर शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह भी आरोप लगाया गया है कि हरोगेरी पुलिस स्टेशन के एसआई ने आरोपी व्यक्तियों की जवाबी शिकायत के बाद 2 फरवरी को इंस्पेक्टर सदालगी के भाई के खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज किया था। पुलिस विभाग ने अभी तक इस घटनाक्रम के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

शहर में अवैध रूप से चल रहे बूचड़खाने पर अचानक छापा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले चार वर्षों से कुद्रोली बूचड़खाने के संचालन पर रोक लगाने के न्यायालय के आदेश के बावजूद, यह पाया गया कि सुविधा से सटे निजी संपत्ति पर अवैध रूप से पशुओं का वध बेरोकटोक जारी था। क्षेत्र में अवैध पशु वध के बारे में एक फोन-इन कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सार्वजनिक शिकायतों के बाद यह छापा मारा गया। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, महापौर मनोज कुमार ने अपनी टीम के साथ शुक्रवार दोपहर परिसर का निरीक्षण किया और जिम्मेदार अधिकारियों से पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान, महापौर को मुख्य सुविधा में वध के कोई संकेत नहीं मिले।

हालांकि, बगल की एक निजी इमारत की जाँच करने पर, टीम को परिसर में बिखरे सैकड़ों जानवरों के सिर और शरीर के अंग मिले। जबकि निजी संपत्ति का अगला भाग खुला था, पिछला भाग बंद था। जब महापौर ने अधिकारियों को इसे खोलने का निर्देश दिया, तो किसी ने भी जवाब नहीं दिया। मामले को अपने हाथों में लेते हुए, महापौर मनोज कुमार और स्थायी समिति के अध्यक्ष मनोहर शेट्टी ने एक पत्थर का उपयोग करके ताला तोड़ दिया और परिसर में प्रवेश किया।

अंदर जाकर उन्हें वजन तौलने के लिए तराजू के साथ एक पूरी तरह से काम करने वाला वध क्षेत्र मिला। साइट पर बदबू फैली हुई थी, जो अवैध वध गतिविधियों के जारी रहने की पुष्टि करती है। अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों से इतने लंबे समय से अवैध गतिविधियों के जारी रहने के बावजूद उनकी निष्क्रियता के बारे में पूछा। पत्रकारों से बात करते हुए महापौर मनोज कुमार ने कहा कुद्रोली के पास एक अवैध बूचड़खाना मिला है। मवेशियों और भेड़ों के वध की पुष्टि हुई है। मैंने अधिकारियों को अनधिकृत संरचना को ध्वस्त करने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कुद्रोली बूचड़खाने को बंद करने के बाद, पुरानी इमारत में वध की अनुमति नहीं थी। ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों के अनुसार एक नई संरचना का निर्माण किया जा रहा है। डिप्टी मेयर भानुमति, टाउन प्लानिंग स्टैंडिंग कमेटी की चेयरपर्सन वीना मंगला, हेल्थ स्टैंडिंग कमेटी की चेयरपर्सन सुमित्रा करिया और काउंसिल के सदस्य कादरी मनोहर शेट्टी और जयलक्ष्मी शेट्टी की मौजूदगी में छापेमारी की गई।

एमएफआई अध्यादेश विवाद

बेवजह चुटकुले बनाना बंद करें और अपना विभाग संभालें कृषि मंत्री: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

किसानों को परेशान करने वाले माइक्रोफाइनेंसिंग संस्थानों (एमएफआई) को विनियमित करने के अध्यादेश पर हस्ताक्षर न करने के लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक भाजपा ने शनिवार को कहा कि बेबुनियाद बयान देने के बजाय उन्हें अपने विभागों के प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए। कृषि मंत्री एन. चेलुवरयास्वामी ने कहा था कि संवैधानिक पद पर होने के बावजूद राज्यपाल गहलोत भाजपा के प्रवक्ता की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने मांग की थी कि राज्यपाल को एमएफआई की मनमानी को रोकने और लोगों को न्याय दिलाने के लिए जारी अध्यादेश के संबंध में राजनीतिक रूप से प्रभावित नहीं होना चाहिए। राज्यपाल ने कर्नाटक माइक्रो लोन और स्मॉल लोन (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश, 2025 को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, विधानसभा में विपक्ष

के नेता आर. अशोक ने राज्यपाल के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के लिए मंत्री चेलुवरयास्वामी की खिंचाई की और कहा कि जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, पिछले 20 महीनों में राज्य में 3,000 से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है, फिर भी आपने कोई चिंता नहीं दिखाई।

राज्यपाल ने सही कहा है कि मौजूदा कानूनी ढांचे का इस्तेमाल माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को विनियमित करने के लिए किया जा सकता है। इसमें क्या गलत है? अगर आपकी सरकार को राज्यपाल की टिप्पणियों के बारे में चिंता है, तो आपको अपना रुख स्पष्ट करने के लिए उन्हें लिखना चाहिए या उनसे मिलना चाहिए। इसके बजाय, अनावश्यक राजनीतिक हमले करना और उन पर भाजपा प्रवक्ता होने का आरोप लगाना पूरी तरह से अनुचित है।

पूरा देश इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तो राज्यपाल कैसे काम करते थे। ऐसे बेमतलब के बयान देने और समय बरबाद करने के बजाय, अपने विभाग को कुशलतापूर्वक चलाने पर ध्यान दें। किसानों की समस्याओं का समाधान करें और अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से पूरा करें। इसी तरह आप मतदाताओं के विश्वास को चुका सकते हैं। मीडिया के सामने बेतहाशा बयान देने के बजाय, कृपया अपने विभाग को चलाने पर थोड़ा ध्यान दें। क्या आपको याद है कि आप किस विभाग के प्रभारी हैं? आप दुविधा में लग रहे हैं- क्या खुद को सीएम सिद्धरामैया के खेमे से जोड़ें या डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के साथ। कैबिनेट फेरबदल या मुख्यमंत्री में बदलाव की स्थिति में अपने पद को बनाए रखने के बारे में आपकी अनिश्चितता को देखते हुए, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आप अपने विभाग और जिम्मेदारियों को भूल गए हैं। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न के कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं। उनकी शिकायतों को दूर करने के बजाय, आपने अपने गृह जिले में पीड़ित परिवारों से मिलने का बुनियादी शिष्टाचार भी नहीं दिखाया। अभी हाल ही में, मैं व्यक्तिगत रूप से प्रेमा और उसके बेटे रंजीत के घर गया, जिन्होंने मांड्या जिले के मालवल्ली तालुक के कोन्नापुरा गांव में दुखद रूप से अपनी जान ले ली। मैंने संवेदना व्यक्त की और 1 लाख रुपये की व्यक्तिगत वित्तीय सहायता प्रदान की। इसके बाद ही आपने इस मुद्दे को स्वीकार किया।

सीएम सिद्धरामैया ने विभिन्न विभागों के साथ बजट पूर्व बैठक की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने तीसरे दिन भी बजट पूर्व बैठक की और विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की। उच्च न्यायालय द्वारा मुडा मामले की जांच सीबीआई को न सौंपे जाने के फैसले से राहत महसूस करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सुबह उत्साहपूर्वक प्रगति समीक्षा बैठकें कीं तथा दोपहर में उन्होंने उच्च शिक्षा, मुजराई, परिवहन, शहरी विकास, शहरी नियोजन, नगर प्रशासन, हज, लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मत्स्य पालन, बंदरगाह, अंतर्देशीय जल परिवहन, ग्रामीण विकास, पंचायत राज, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वन, पर्यावरण और जीवविज्ञान विभागों की बजट पूर्व बैठकें कीं। बैठक में पिछले बजट में उपलब्ध कराई गई धनराशि और

उसके उपयोग के संबंध में चर्चा की गई। अगले बजट के लिए प्रस्ताव प्राप्त हो गए हैं। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को राहत दी। अदालत ने आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका खारिज कर दी, जिसमें मुडा साइट आवंटन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई थी। इस बात पर सीएम सिद्धरामैया ने खुशी जताई है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया पालन करने की बात कही है। कांग्रेस विधायक, वरिष्ठ अधिवक्ता और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए. एस. पोन्ना ने कहा कि उन्होंने अदालत के फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दी, जिन्होंने खुशी जताई और कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता के समर्थन और कानून की वजह से ऐसे प्रयास विफल हो रहे हैं। पोन्ना ने आगे कहा कि वे सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग के खिलाफ हैं, लेकिन अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे, तो पोन्ना ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीतिक मामला है और सरकार को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन वे असफल हो रहे हैं। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की जांच पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला विपक्ष के लिए एक झटका है, जो मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा था।

केजरीवाल ने चुनाव प्रणाली को बर्बाद कर दिया: गोविन्द करजोल

केजरीवाल को मिली करारी शिकस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद गोविंद करजोल ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने गरीबों के वोट चुराने वाले और मुफ्त योजनाओं और झूठे वादों के जरिए चुनावी व्यवस्था को तहस-नहस करने वाले गद्दार अरविंद केजरीवाल को करारी शिकस्त दी है। शहर में शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन-शासन की वजह से भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता है। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली को

जीत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना चाहते हैं। केजरीवाल ने 10 साल तक दिल्ली पर गलत शासन किया। उन पर संविधान के गद्दार होने का आरोप लगाया गया, जिन्होंने जेल जाने के बाद भी बेशर्मी से शासन किया। दिल्ली एक विशाल महानगरीय शहर प्रशासन की तरह है। यह अन्य राज्यों की तरह बिना जवाबदेही वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि वह एक गंदे राजनेता हैं, जिन्होंने दिल्ली में सरकारी खजाने को लूटा, जहां सबसे ज्यादा राजस्व एकत्र होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब ने मुफ्त योजनाओं के जरिए जीत हासिल की, जिससे देश के लिए एक खराब चुनावी मॉडल स्थापित हुआ। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को एक बार फिर अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब तक कांग्रेस राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तानाशाही के अधीन रहेगी, पार्टी खत्म होती रहेगी।

क्या हमें कुमारस्वामी के घर पर याचिका लेकर खड़ा होना चाहिए: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा है कि कर्नाटक सरकार औद्योगिक विकास के मामले में उनका दूसरे राज्यों की तरह इस्तेमाल नहीं कर रही है। क्या मुझे उनके घर पर याचिका लेकर खड़ा होना चाहिए? क्या राज्य की जनता ने उन्हें नहीं जिताया? शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के समर्थन के बिना नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। इसलिए उन्होंने उनके राज्यों के विकास के लिए पहल की है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामला राजनीति से प्रेरित है। लोकायुक्त जांच कर रहे हैं। न्याय देने के लिए अदालत का धन्यवाद। उन्होंने शिकायत करते हुए कहा राज्यपाल राज्य सरकार के सभी फैसलों को खारिज कर देते हैं। कई मुद्दे उनके हस्ताक्षर के बिना सालों से लंबित हैं। हालांकि, सबसे पहले उन्होंने

सिद्धरामैया के खिलाफ जांच की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के उत्पीड़न पर सरकार का रुख स्पष्ट है। राज्यपाल, जो संवैधानिक पद पर हैं, को न्याय करना चाहिए। लेकिन भाजपा प्रवक्ता के तौर पर ऐसा कर रहे हैं। लेकिन वह समय आएगा जब उत्पीड़न से थक चुके सभी लोग विरोध करेंगे। चूंकि आर. अशोक विपक्ष के नेता के तौर पर काम कर रहे हैं, इसलिए मैं उनके बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता। वह पार्टी द्वारा उन्हें दिए गए पद को बनाए रखने के लिए बोलते हैं। अगर वह राज्य सरकार पर हमला नहीं करते हैं, तो वे उन्हें बदल देंगे। इससे पहले कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को उस अध्यादेश को खारिज कर दिया जिसे सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार माइक्रोफाइनेंस को विनियमित करने के लिए लागू करना चाहती थी। राज्यपाल ने अस्वीकृति के लिए कई कारण बताए, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि 10 साल की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा मौजूदा कानूनों का इस्तेमाल किया जा सकता था और इस अध्यादेश का माइक्रोफाइनेंस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है और इसका असर गरीबों पर पड़ेगा। इससे पहले गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा था कि राज्यपाल द्वारा माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को विनियमित करने के लिए अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही विधेयक राज्यपाल के पास भेज चुकी है। कानूनी विशेषज्ञों ने भी इस मामले पर राज्यपाल से चर्चा की है। हमने सोचा था कि इस पर आज ही हस्ताक्षर हो जायेंगे। यह ज्ञात नहीं है कि मंजूरी मिलने के बाद अध्यादेश कब लागू होगा। यदि राज्यपाल अध्यादेश में संशोधन का सुझाव देते हैं तो हम ऐसा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे इस पर सहमत भी हो जाएं तो भी विधेयक लागू किया जाएगा। माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा उधारकर्ताओं को उत्पीड़न से बचाने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने एक अध्यादेश का मसौदा तैयार किया है, जिसमें उल्लंघन के लिए दस साल तक की जेल की सजा और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने सहित दंडात्मक प्रावधान हैं। इसकी पुष्टि करते हुए, राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कर्नाटक माइक्रो फाइनेंस (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश 2025 को राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है। परमेश्वर ने कहा यह तीन साल (शुरुआती मसौदे में) था, अब हमने इसे बढ़ा दिया है। जुर्माना भी बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कानून की मार (उल्लंघन करने वालों को) महसूस हो। अगर कानून को ऐसे ही ला-परवाही से बनाया जाता है, तो ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी।

अन्य इकाइयों में कर्मचारियों की तैनाती पर अस्थायी रोक: दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि शहर से अन्य इकाइयों में कर्मियों को भेजने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। वह थनिसांद्रा के सीएआर नॉर्थ परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड की सलामी लेने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा शहर में 25 से 30 प्रतिशत स्टाफ की कमी है। इसलिए, अन्य इकाइयों में कार्मिकों को भेजने से यहां के कार्मिकों पर अधिक बोझ पड़ेगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया है। यदि हम अपने कर्मचारियों को अन्य इकाइयों में भेजेंगे तो हमारा काम बाधित होगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी को भी किसी अन्य यूनिट में जाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। कर्मियों की भर्ती पहले ही हो चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके आगमन के बाद उन्हें उनके संबंधित स्थानों पर नियुक्त कर दिया जाएगा। कुछ कर्मचारी स्थानांतरण के लिए सीधे आयुक्त कार्यालय आ रहे हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं है और मैंने देखा है कि इस बारे में पहले से ही

चेतावनी दिए जाने के बावजूद ऐसा हो रहा है। आयुक्त ने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति सीधे आयुक्त कार्यालय न आए। मैंने यह भी देखा है कि लोग, या तो अन्य लोगों के साथ या व्यक्तिगत रूप से, आयुक्त कार्यालय में आते हैं और सुबह से शाम तक इंतजार करते हैं। यदि आपको कोई व्यक्तिगत समस्या है या आपके बच्चों की शिक्षा, माता-पिता की समस्या या स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, तो कृपया संबंधित डीसीपी के माध्यम से रिपोर्ट भेजें। आयुक्त ने कहा कि वे इसकी जांच कर आगे की कार्रवाई करेंगे। आयुक्त ने स्टाफ को निर्देश दिया कि वे थाने में आने वाले शिकायतकर्ताओं, पीड़ितों और निर्दोष लोगों का ध्यान रखें, उनकी समस्याओं का समाधान करें और उन्हें न्याय दिलाएं। इस सप्ताह शहर में एक एयर शो और वैश्विक निवेश कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित पुलिस व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात एवं कानून व्यवस्था विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी इस संबंध में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

उडुपी में दो महिलाओं समेत तीन लोग लापता

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी जिले के अलग-अलग स्थानों से दो महिलाओं समेत तीन लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। बेलगावी के एक होटल में काम करने वाले रमेश पुजारी (45) 30 जनवरी को लापता हो गए थे। वे उस सुबह बिजूर गांव के बावलदी नवोदय कॉलोनी में अपने घर लौटे थे। उन्होंने अपना बैग दरवाजे पर छोड़ दिया और कहा कि एक रिक्शा चालक का किराया चुकाने के बाद वापस आ जाएंगे, लेकिन वे कभी वापस नहीं लौटे। मणिपाल के एक अपार्टमेंट में रहने वाली चंद्रिका मड्डेप्पा (32) पिछले साल से लापता हैं। वे काम के लिए घर से निकली थीं, लेकिन कभी वापस नहीं लौटीं। पुलिस ने कहा कोई भी व्यक्ति जिसके पास जानकारी हो, वे मणिपाल पुलिस स्टेशन में 0820-2570328 पर संपर्क कर सकते हैं। मंचिकोडी की रहने वाली जयलक्ष्मी (65) पिछले साल अगस्त से लापता हैं। पिछले चार सालों से मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के कारण उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था। 30 अगस्त को रात का खाना खाने के बाद वह घर में सो गईं, लेकिन अगली सुबह वह गायब मिलीं। मणिपाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मोबाइल ऐप के जरिए आवारा कुत्तों का किया जाएगा सर्वेक्षण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पहली बार, मंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) शहर में आवारा कुत्तों का व्यापक सर्वेक्षण करेगा। हालांकि कानून में आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए इस तरह के सर्वेक्षण को अनिवार्य बनाया गया है, लेकिन अब तक इसे मंगलूरु में लागू नहीं किया गया था। इस समस्या से निपटने के लिए, निगम ने सर्वेक्षण शुरू करने का फैसला किया है। सर्वेक्षण एनिमल केयर ट्रस्ट, शक्तिनगर और वर्ल्डवाइड वेटनरी सर्विस के सहयोग से किया जाएगा। सर्वेक्षण की तैयारी के लिए सभी 60 वार्डों की मैपिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। शहर के सभी 60 वार्डों में मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके

सर्वेक्षण किया जाएगा। इस पहल के लिए कम से कम 120 स्वयंसेवकों की आवश्यकता होगी, और पंजीकरण प्रक्रिया अभी चल रही है। प्रत्येक टीम में दो सदस्य होंगे - एक वाहन चलाने के लिए और दूसरा आवारा कुत्तों से संबंधित डेटा की पहचान करने और अपलोड करने के लिए। प्रत्येक टीम तीन दिनों में एक वार्ड को कवर करेगी। एकत्र किए गए डेटा में आवारा कुत्तों की जियो-टैग की गई छवियां, लिंग पहचान, नसबंदी की स्थिति का विवरण और पिल्लों की संख्या शामिल होगी। प्रत्येक टीम को प्रतिदिन एक निश्चित दूरी तय करनी होगी। सटीकता सुनिश्चित करने के लिए, सर्वेक्षण सुबह 5:30 से 8 बजे के बीच किया जाएगा, जब आवारा कुत्ते सबसे अधिक दिखाई देते हैं। विश्वव्यापी पशु चिकित्सा सेवा एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण करेगी और मार्च के अंत तक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। जिन क्षेत्रों में दोपहिया वाहन नहीं पहुंच सकते, वहां सर्वेक्षण करने के लिए एक अलग टीम तैनात की जाएगी। ये सर्वेक्षणकर्ता पैदल यात्रा करके डेटा एकत्र करेंगे। एनिमल केयर ट्रस्ट की सुमा नायक ने कहा चूंकि सर्वेक्षण के लिए 120 से अधिक स्वयंसेवकों की आवश्यकता होती है, इसलिए हमने इस पहल में छात्रों को शामिल करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों से संपर्क किया है। अब तक, लगभग 60 स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कराया है, और जनता को भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्वयंसेवकों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र 9 फरवरी को निर्धारित किया गया है। सर्वेक्षण 10 से 13 फरवरी तक सुबह 5:30 से 8 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। बाइक चलाने वाले स्वयंसेवकों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। मेयर मनोज कुमार ने पुष्टि की कि सर्वेक्षण की तैयारियां जोरों पर हैं, और एमसीसी, एनिमल केयर ट्रस्ट और वर्ल्डवाइड वेटरनरी सर्विस इस पहल को क्रियान्वित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

मंत्री सोमन्ना ने तुमकुरु जिले में चल रही रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर दिया जोर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को तुमकुरु जिले में चल रही रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए तुमकुरु जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया। सोमन्ना ने डी रामपुरा गेट, बडेनहल्ली गेट, डोनगेरे आदि पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण सहित विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने म्याडाला गेट, बद्दीहल्ली गेट, बटावदी गेट, पंडितनहल्ली गेट, हेगेरे गेट, गुब्बी आदि पर लाइट आरओबी कार्यों के साथ-साथ स्काईवॉक और अंडरपास जैसी

पैदल यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की। मंत्री ने यातायात की भीड़ को कम करने और स्थानीय परिवहन को बढ़ाने के लिए इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तुमकुरु-रायदुर्गा नई लाइन परियोजना पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय संपर्क के लिए इसके महत्व को रेखांकित किया। बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोमन्ना ने वर्तमान केंद्रीय बजट में रेलवे क्षेत्र के लिए पर्याप्त धन आवंटन पर प्रकाश डाला, जिसमें विकास के लिए 2.65 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि देश भर में 10,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक को कवच नामक सुरक्षा प्रणाली से लैस किया जाएगा, जिसमें कर्नाटक के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की योजना बनाई गई है। रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण 100 प्रतिशत पूरा करने के लिए तैयार है, और नए वंदे भारत स्लीपर कोच आने की उम्मीद है। इसके अलावा, देश भर में 1,300 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण में योगदान देगा। मंत्री ने यह भी कहा कि वर्तमान केंद्रीय बजट में रेलवे को 2.65 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 12,000 करोड़ रुपये विशेष रूप से यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। वर्तमान बजट में कर्नाटक को कुल 7,564 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 2014 से अब तक 1,652 किमी नई पटरियां बिछाई जा चुकी हैं। तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे (549 करोड़), रायदुर्गा-तुमकुरु वाया कल्याणदुर्ग (434 करोड़), और शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-राणेबेन्नूर (64 करोड़) जैसी चल रही नई लाइन परियोजनाओं के लिए भी धन आवंटित किया गया है। बैयप्पनहल्ली-होसूर (223 करोड़) और यशवंतपुर-चन्नासंद्रा (178 करोड़) जैसी लाइनों के दोहरीकरण के लिए भी आवंटन किया गया है।

इनकी रही उपस्थिति

व्हाइटफील्ड-कृष्णराजपुरम-बेंगलूरु कैंटोनमेंट खंड पर लाइनों को चौगुना करने का काम किया जा रहा है। सोमन्ना ने रेलवे अधिकारियों को इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिससे परिवहन बुनियादी ढांचे में काफी सुधार होगा और यात्रियों को लाभ होगा। इस मौके पर तुमकुरु शहर के विधायक ज्योति गणेश, तुमकुरु ग्रामीण के विधायक सुरेश गौड़ा, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक अमितेश कुमार सिन्हा, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर, मुख्य अभियंता (निर्माण), सरोज कुमार बरनवाल, तुमकुरु की डीसी शुभा कल्याण, दावणगेरे के डीसी गंगाधर स्वामी, तुमकुरु सिटी कॉर्पोरेशन की आयुक्त अश्विनी बीवी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ विपक्ष की राजनीतिक साजिश नाकाम: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसराजु ने कहा कि मुडा मामले में आरोप गढ़कर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की प्रतिष्ठा धूमिल करने और जनहितैषी सरकार को बदनाम करने का विपक्ष का प्रयास विफल हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकायुक्त कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार निष्पक्ष जांच करेंगे और जल्द ही सच्चाई सामने आ जाएगी। मंत्री बोसराजु ने अपने बयान में उच्च न्यायालय के फैसले के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल करने की भाजपा की रणनीति के लिए एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देरी के बावजूद आखिरकार सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने

भाजपा और जेडीएस नेताओं की आलोचना करते हुए उन पर पांच गारंटी योजनाओं की सफलता को स्वीकार करने में असमर्थ होने का आरोप लगाया, जिन्हें उन्होंने शुरू में अवास्तविक बताकर खारिज कर दिया था। गरीबों और मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने वाले सरकार के प्रभावी शासन से निराश होकर वे अब सीएम सिद्धरामैया की छवि खराब करने के लिए निराधार आरोपों का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुडा मामला राजनीति से प्रेरित एक और प्रयास है। मंत्री बोसराजू ने यह भी सवाल उठाया कि ईडी ने बसवराज बोम्मई को नोटिस क्यों नहीं जारी किया, जिन्होंने 2021 में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान सिद्धरामैया के परिवार को 14 साइटें आवंटित की थीं। उन्होंने बताया कि भूमि पंजीकरण, 50:50 आवंटन नियम और मुडा साइट आवंटन सभी भाजपा के प्रशासन के तहत निष्पादित किए गए थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सिद्धरामैया को निशाना बनाना राजनीतिक प्रतिशोध के अलावा और कुछ नहीं है। कर्नाटक में भाजपा आंतरिक संघर्षों से जूझ रही है और निराधार आरोप लगाकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उन्होंने पुष्टि की कि इस तरह की भ्रामक रणनीति लोगों को धोखा देने में सफल नहीं होगी।

सांसद यदुवीर का केंद्रीय मंत्री से आग्रह

बिना लाइसेंस वाले तंबाकू किसानों को बिना दंड के उपज बेचने की मिले अनुमति

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से बिना लाइसेंस वाले तंबाकू किसानों को अपनी उपज बेचने की अनुमति देने और उन पर लगाए गए दंड को माफ करने का आग्रह किया है। यदुवीर ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और तंबाकू किसानों की ओर से इस संबंध में उन्हें एक औपचारिक अपील सौंपी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और उन्हें आश्वासन दिया है कि बिना लाइसेंस वाले तंबाकू उत्पादकों द्वारा उगाए गए तंबाकू की बिक्री को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। गोयल ने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि तंबाकू बोर्ड को ऐसे किसानों पर लगाए गए दंड को माफ करने पर विचार करने का निर्देश दिया जाएगा। अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसानों के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, यदुवीर ने उम्मीद जताई कि उनके अनुरोध के संबंध में केंद्र द्वारा जल्द ही निर्णय की घोषणा की जाएगी। चूंकि तम्बाकू एक नियंत्रित फसल है, इसलिए तम्बाकू बोर्ड ने वर्ष 2024-25 के लिए राज्य में 100 मिलियन किलोग्राम की फसल की अनुमति दी है और प्रत्येक खलिहान मालिक के लिए कोटा तय किया है। यदि लाइसेंस प्राप्त तम्बाकू उत्पादक और बिना लाइसेंस वाले किसान अनुमत कोटे से अधिक खेती करते हैं, तो इसे अनधिकृत तम्बाकू माना जाता है। तम्बाकू बोर्ड को अनधिकृत तम्बाकू की खेती पर जुर्माना लगाने का अधिकार है। हालांकि, केंद्र ने पहले भी अधिक और अनधिकृत तम्बाकू के लिए जुर्माना माफ किया है। वर्ष 2023-24 के फसल सीजन के दौरान भी केंद्र ने तम्बाकू किसानों को जुर्माना माफ करने के बाद अनधिकृत तम्बाकू बेचने की अनुमति दी है।

भाजपा पर लोगों का भरोसा बढ़ा है: सुधाकर रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी जताई है। दिल्ली की जनता को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया है, जिन्होंने सबका साथ-सबका विकास को अपना आदर्श वाक्य बनाया है। भाजपा-मोदी देश में जो कहते हैं, वही करके दिखा रहे हैं। इससे लोगों का भाजपा पर भरोसा और विश्वास बढ़ा है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजों से यह बात साबित हो गई है। आम आदमी पार्टी हर मोड़ पर झूठ बोल रही है। आप नेता भ्रष्ट सरकार चला रहे थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिन दिल्ली के लोगों के लिए अच्छी चीजें लेकर आएंगे। उन्होंने मतदाताओं, पार्टी के परिश्रमी कार्यकर्ताओं और चुनावी जीत के लिए जिम्मेदार नेताओं को बधाई दी।

विज्ञापन और अन्य खर्चों का ब्यौरा न देने पर हाईकोर्ट ने फटकारा

चंडीगढ़, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब की आपा सरकार को लताड़ा है। हाईकोर्ट ने कहा है कि आपा सरकार खर्चों के बारे में पूछी गई जानकारी नहीं देना चाहती।

हाईकोर्ट ने आपा सरकार से विज्ञापन और गाड़ियों समेत कई कामों का खर्च मांगा था। हाईकोर्ट ने इस मामले में पंजाब सरकार के कोर्ट की अवमानना करने की बात कही थी।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस कुलदीप तिवारी ने इस मामले में दाखिल किए गए पंजाब सरकार के हलफनामे पर कहा, हलफनामे में दिए गए कारणों से तो लगता है कि सरकार का हमारे निर्देश का पालन करने का कोई इरादा नहीं है। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा है कि क्या वह सही में अपने खर्च बताने की इच्छा भी रखती है या नहीं। हाईकोर्ट ने इस बात को लेकर नया हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इस मामले की सुनवाई अब 14 फरवरी 2025 को होने वाली है। हाईकोर्ट ने सितंबर 2024 में आदेश दिया था कि पंजाब सरकार अपने विज्ञापनों, नई गाड़ियों, मंत्री-विधायकों के आवास पर होने वाले खर्च और दिल्ली की अदालतों में केस मुकदमे लड़ने के लिए खर्च का ब्योरा दे।

हाईकोर्ट ने यह ब्यौरा कई अस्पतालों की याचिकाओं की सुनवाई पर मांगा था। अस्पतालों ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार के पैसा देने के बावजूद पंजाब की भगवंत मान की सरकार उनका 500 करोड़ का बकाया भुगतान नहीं कर रही है। यह पैसा आयुष्मान योजना का था और अस्पतालों को मरीजों के इलाज के एवज में मिलना था। हाईकोर्ट में पंजाब सरकार पैसा ना देने के मामले पर साफ जवाब नहीं दे पाई थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि सारे खर्चों का एक विस्तृत ब्यौरा उसे दिया जाए। पंजाब सरकार ने यह दाखिल नहीं किया। इस मामले में जब 23 जनवरी, 2025 को सुनवाई हुई तो कोर्ट ने कहा कि पंजाब सरकार ने रिकॉर्ड न देकर अवमानना की है। इसके बाद हुई सुनवाई में उसने पंजाब सरकार की मंशा पर ही प्रश्न उठा दिए। यह पहली बार नहीं है, जब पंजाब सरकार से उसके विज्ञापन जैसे खर्चों का रिकॉर्ड मांगा गया हो। इससे पहले हाल ही में फॉरेंसिक सुविधाओं के लिए जब पंजाब ने पैसा ना होने की बात कही थी, तब भी हाईकोर्ट ने यही जानकारी मांगी थी।

इंडी में बदलाव की मांग तेज : सपा और तृणमूल आगे आए

नेतृत्व पर गंभीरता से विचार की जरूरत

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही विपक्षी इंडी ब्लॉक में नेतृत्व परिवर्तनस को लेकर बहस तेज हो गई है। कांग्रेस एक बार फिर से अपने सहयोगियों के निशाने पर है। दो अहम सहयोगियों सपा और तृणमूल कांग्रेस ने बेहतर संभावनाओं के लिए कांग्रेस की जगह किसी अन्य सहयोगी को गठबंधन का नेतृत्व करने देने की मांग की है।

सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भाजपा की लगातार हो रही जीत के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि अब इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि इंडी ब्लॉक का नेतृत्व कांग्रेस के पास रहना चाहिए या नहीं। इस बारे में गठबंधन के सभी सहयोगियों को सोचना होगा। भाजपा को हराने में कांग्रेस मुख्य कमजोरी बनती जा रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि कांग्रेस भाजपा की भाषा बोल रही है, उसमें अहंकार आ गया है। अहंकार उसे विनाश की ओर ले जा रहा है। उत्तर प्रदेश में गठबंधन के बेहतर प्रदर्शन का कारण यह था कि सपा ने कांग्रेस को कुछ उम्मीदवार दिए। कांग्रेस न तो सहयोगियों का सम्मान कर रही है और न ही गठबंधन धर्म का पालन कर रही है। ऐसे में एक बार गठबंधन का नेतृत्व बदल कर देख लेना चाहिए।

दिल्ली चुनाव में लोकसभा चुनाव की तरह कांग्रेस और आप में गठबंधन नहीं हो पाया। दोनों दलों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए।

खासतौर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल का एक दूसरे पर साधा गया निशाना चर्चा में रहा। इस दौरान सपा और टीएमसी आपा के साथ खड़ी रही। लेकिन इसका भी नतीजा बेहतर नहीं निकला।

बिहार पुलिस ने मोस्टवांटेड अपराधी को मार गिराया

गोपालगंज, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

गोपालगंज में पुलिस और अपराधियों की बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात इनामी अपराधी मनीष यादव मारा गया। एसटीएफ और बिहार पुलिस की साझा कार्रवाई में फरार अपराधी ढेर हुआ। मुठभेड़ में एसटीफ के एक जवान को भी गोली लगी, जिसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर खुर्द गांव में हुई।

पुलिस के अनुसार, कुख्यात मनीष यादव पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। कई मामलों में पुलिस को उसकी तलाश थी। पूर्व मुखिया अरविंद यादव हत्याकांड का वह नामजद आरोपी था। उस पर गोपालगंज जिले में कई हत्या के मामले दर्ज थे। अपराधी मनीष यादव गोपालगंज जिले के ऊंचकागाव थाना क्षेत्र के भगवान टोला गांव का निवासी था ।

मनीष यादव ने लूट और डकैती जैसे संगीन अपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए बाबू गैंग के नाम से गैंग खड़ा किया है। बाबू गैंग में शामिल कई सदस्यों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस को बाबू गैंग के लीडर की लंबे समय से तलाश चल रही थी। हर बार पुलिस टीम को चकमा देकर भाग जाता था। पुलिस को इस बार बाबू गैंग के लीडर मनीष यादव के पहुंचने की पुख्ता जानकारी मिली, जिसके बाद इलाके में नाकेबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन मुठभेड़ में कुख्यात मनीष यादव मारा गया।

द्रमुक ने जीती इरोड ईस्ट विधानसभा सीट

चेन्नई, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) उम्मीदवार वी सी चंद्रकुमार ने इरोड ईस्ट विधानसभा उप चुनाव में 90,629 मतों के भारी अंतर से जीत दर्ज की है।

पांच फरवरी को हुए उपचुनाव की शनिवार को हुई मतगणना के 17वें और अंतिम दौर के अंत में श्री चंद्रकुमार ने अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी नाम तमिलर काची (एनटीके) की सुश्री एम के सीतालक्ष्मी के खिलाफ 1,14,439 मत हासिल किए। सुश्री सीतालक्ष्मी को 23,810 मत मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई। श्री चंद्रकुमार को 90,629 मतों के अंतर से विजेता घोषित किया गया।

तीसरे सबसे अधिक मत नोटा के लिए पड़े। लगभग 6,000 मतदाताओं ने नोटा के लिए मतदान किया। इस उपचुनाव में कुल 46 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। पिछले दो वर्षों में इस निर्वाचन क्षेत्र में यह दूसरा उपचुनाव था।

मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक , उसकी सहयोगी डीएमडीके, भाजपा के नेतृत्व वाली राजग और उसके सहयोगी पीएमके तथा कॉलीवुड अभिनेता विजय की तमिलर वेत्री कझगम सहित सभी प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव का बहिष्कार किए जाने के कारण उपचुनाव का परिणाम पहले से ही तय था।

श्री चंद्रकुमार ने जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि वह इस जीत को द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को समर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें 75 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल इरोड ईस्ट की जीत नहीं है बल्कि 2026 के विधानसभा चुनावों की प्रस्तावना है, जिसमें द्रमुक भारी बहुमत से जीतेगी और लगातार दूसरी बार सत्ता में आएगी।

उन्होंने राज्य मंत्री एस मुथुसामी और अन्य मंत्रियों का उपचुनाव में उनके लिए प्रचार करने पर आभार व्यक्त किया और द्रमुक के सहयोगी दल के नेताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

इससे पहले श्री चंद्रकुमार को भारी जीत मिलने के बाद द्रमुक कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे लेकर निर्वाचन क्षेत्र में पटाखे फोड़कर, मिठाइयां बांटकर और ढोल की थाप पर नाचकर जश्न मनाया। चेन्नई में द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवलयम' में भी जश्न का माहौल था जहां उत्साही पार्टी कार्यकर्ताओं ने उप-चुनाव की सफलता का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ें और मिठाइयां बांटी।

बुधवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए निर्वाचन क्षेत्र के 237 बूथों पर मतदान के दौरान कुल 2.27 लाख मतदाताओं में से लगभग 70 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

इस उपचुनाव में हालांकि प्रमुख राजनीतिक दलों के मुकाबले से दूर रहने के बावजूद 46 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे लेकिन मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रमुक के वी सी चंद्रकुमार और एनटीके की एम के सीतालक्ष्मी के बीच था।

पिछले साल दिसंबर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मौजूदा विधायक ईवीकेएस एलंगोवन के निधन के बाद दो साल में दूसरा उपचुनाव कराना पड़ा था। 2021 के बाद से इस सीट पर यह तीसरा चुनाव है जिसमें श्री एलंगोवन के बेटे थिरु महान ई.वी.रा पहली बार 8,904 मतों के अंतर से विधानसभा के लिए चुने गए थे।

द्रमुक के सहायक प्रचार सचिव वी सी चंद्रकुमार अभिनेता-राजनेता विजयकांत के नेतृत्व वाली डीएमडीके छोड़ने के बाद 2016 में पार्टी में शामिल हुए थे।

कनाडियन असम में लोगों को बना रहा था मुसलमान

गुवाहाटी, 08 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने कनाडा के एक नागरिक को वापस भेजा है। कनाडा वापस भेजे जाने वाले नागरिक का नाम ब्रैंडन जोएल डेविल्ट है। वह असम में अपना टूरिस्ट वीजा खत्म होने के बाद बाद भी रह रहा था। यहां रह कर वह इस्लाम का प्रचार कर रहा था और लोगों को धर्मांतरित कर रहा था। उसने अपने वीजा को रिन्यू करवाने के लिए आवेदन दिया था। पुलिस ने पाया कि वह अवैध रूप से रह रहा है। इसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अंत में उसे कनाडा डिपोर्ट किया गया। उसकी असम के जोरहाट जिले में गतिविधि सबसे ज्यादा थी। वह 2021 से ही यहां आया करता था। उसे पहले नोटिस भी दिया गया था।

एलओसी पर संदिग्ध आतंकियों ने

सेना के गश्ती दल पर की फायरिंग, सेना ने की जवाबी कार्रवाई

जम्मू, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर शनिवार को भारतीय जवानों ने संदिग्ध आतंकवादियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकियों ने राजौरी में एलओसी पर गश्ती दल पर कुछ राउंड फायरिंग की।

उन्होंने कहा, 'भारतीय सेना के जवानों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।' उन्होंने बताया कि अपनी तरफ से किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

गौरतलब है कि 4-5 फरवरी की दरमियानी रात को एक बड़ी घुसपैठ को नाकाम कर दिया गया था, जब पुंछ जिले के मेंढर इलाके में कृष्णा घाटी सेक्टर के बट्टल इलाके में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में संदिग्ध आतंकवादियों के एक समूह के मारे जाने की आशंका थी।

दिल्ली में भाजपा की जीत पर बिहार में मन रहा उत्सव

पटना, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को 27 साल बाद जीत हुई है । दिल्ली में 27 साल बाद कमल खिला है। इसको लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। भाजपा को मिली विराट जीत पर पूरे बिहार में जश्न मनाया जा रहा है। पटना सहित बिहार के हर जिले में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ता झंडे और ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमकर जीत का जश्न मना रहे हैं। उत्साहित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। एक दूसरे के गालों पर गुलाल लगाए। भाजपा मेन विंग के अलावा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और भाजयुमो के कार्यकर्ता जश्न में डूबे नजर आए। बड़ी तादाद में भाजपा महिला मोर्चा की महिलाएं मौजूद रहीं। हाथों में पार्टी के झंडे लिए ढोल नगाड़े पर जमकर थिरकी। गुलाल लगाकर और मुंह मीठा कराकर जीत की बधाइयां दी। पूर्णिया में भाजपा की जीत पर जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। वहीं भाजपा नेता डॉ अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के झूठे वादों को पूरी तरह नकार दिया है। ये जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी गारंटी पर जनता के विश्वास को दर्शाती है। इस चुनाव में जनता ने अहंकार और अराजकता को नकारते हुए भाजपा के सुशासन को चुना है।

दिल्ली विधान सभा चुनाव में भाजपा की जीत पर जश्न मनाने के दौरान बिहार सरकार में पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठों की पार्टी हैं और यह अरविन्द केजरीवाल झूठ के सरदार हैं। इनके द्वारा दिल्ली को बर्बाद किया। दिल्ली की विकास रुक गई थी।अब वहाँ की जनता ने यह साबित कर दिया कि देश में एनडीए की सरकार ही रहेगी। वहीं कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अब कांग्रेस मुक्त भारत बनेगा। इस दौरान में बोचहा के पूर्व विधायक बेबी कुमारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अपने किए हुए वादे पर खड़ा नहीं उतरे। दिल्ली के जनता का विश्वास मोदी जी पर है। इसी विश्वास को लेकर दिल्ली की जनता ने भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया है।अब दिल्ली का रिजल्ट पूरे देश के लिए मैसेज है इस बार बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी और राजधानी का यह परिणाम विरोधी के लिए एक संदेश है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बहुमत पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने अपना प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि निश्चित तौर पर यह जीत एनडीए की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर लोगों का विश्वास है। दिल्ली में जिस तरह के केजरीवाल ने झूठे वादे किए थे और करप्शन के विरोध में लोगों वोट किया था, उस करप्शन में लिप्त हो गए और जेल भी गए। जनता यह समझ चुकी है कि खोखलापन है, वह सिर्फ बात करते है काम नही करते है। एक तरफ सिर्फ रेबड़ी बांटने का काम करते है। जनता को कहते है कि हम ये देंगे वो देंगे, मुफ्त में देंगे। जनता भी सब समझती है। अगर आप काम नही करेंगे, विकास के काम नही करेंगे, कुछ लोक लोभवने देकर के वोट लाएंगे तो ज्यादा दिन नही चलता है। उसका प्रत्यक्ष उदाहरण दिल्ली में देखने को मिला रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रचंड बहुमत से वहां आ रही है। यह शुभ संकेत है। आने वाले भविष्य के लिए बिहार के लिए और जिस तरह से पूरे देश मे एनडीए मजबूत हो रहा है। बिहार में भी एनडीए मिलकर के पूरी तैयारी कर रहे है। हम समझते है कि आने वाला समय मे जो एनडीए की तैयारी है और नारा है हम 225 सीटों की बात कर रहे है। निश्चित तौर पर 225 सीट जीतकर के एक बेहतर सरकार बनाएंगे।

काबा मस्जिद के नाम पर बनाए गए ढांचे को मुस्लिमों ने किया ध्वस्त

बारामुला, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

बारामुला का रहने वाला अब्दुल रज्जाक खुद को पैगंबर बताने लगा था। उसने दावा किया था कि अल्लाह ने उसे बारामुला में ही खानकाह ए काबा बनवाने का हुक्म दिया है। काबा वही मस्जिद है जहां हर साल करोड़ों मुस्लिम हज और उमरा के लिए जानते हैं। उस ढोंगी पीर को पकड़ लिया गया है। उसने अपने खेत में एक इमारत बनवा रखी थी जहां वह गांजा-चरस पीता था। उसकी मुरीदों में महिलाओं की बड़ी संख्या थी। अब्दुल रज्जाक खुद को जम्मू कश्मीर के सूफी संत नूरदीन नूरानी का अवतार बताता था।

अब्दुल रज्जाक ने दावा किया था कि अल्लाह ने उसे बारामुला में ही काबा जैसी मस्जिद बनवाने का हुक्म दिया है। काबा वही मस्जिद है जहां हर साल करोड़ों मुस्लिम हज और उमरा के लिए जानते हैं।

अब्दुल रज्जाक बताता था कि वह डुप्लीकेट काबा मस्जिद गरीबों के लिए बनवा रहा है, जो सऊदी अरब नहीं पहुंच पाते। उसने इसका निर्माण चालू भी कर दिया था। कुछ ही दिनों में वह इसका उद्घाटन करने वाला था। इसी बीच इस पूरे कारनामे की खबर किसी ने स्थानीय पत्रकारों को दे दी। वह उसके यहां उसके मुरीद बन कर गए और उसकी हरकतों के बारे में जानकारी हासिल की। इस कथित पैगंबर का उन्होंने वीडियो भी बना लिया और उसकी सच्चाई सोशल मीडिया पर डाल दी। वीडियो वायरल होने पर उसके बारे में लोग जान गए और फिर पुलिस को भी यह सूचना दी गई। उसको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी फर्जी काबा मस्जिद भी लोगों ने ध्वस्त कर दी और आग लगा दी। इसके वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इस मस्जिद को कश्मीर के एक मौलाना ने गैर इस्लामी बताया और कहा कि शरिया में इसकी कोई जगह नहीं है।

राजस्थान के सीएम ने कैबिनेट संग संगम में लगाई पावन डुबकी

महाकुंभ हमारी विरासत और संस्कृति का प्रतीक : भजनलाल शर्मा

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भी लगाई संगम में डुबकी

महाकुंभ नगर, 08 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने महाकुंभ 2025 के दौरान गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान राजस्थान सरकार के मंत्रिगण भी महाकुंभ में स्नान किया। भजनलाल शर्मा ने इसे भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक बताया। वहीं इसके उपरांत राजस्थान भवन में सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह महाकुंभ में योगी कैबिनेट के बाद किसी राज्य सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक है। सीएम भजनलाल शर्मा पहले भी महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, महाकुंभ हमारी विरासत और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारे पूर्वजों और संतों की धरोहर है, जो खगोलीय गणनाओं के आधार पर आता है।

हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का यहां आना, यह केवल भारत में ही संभव है। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस भव्य आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां आ रहे हैं, यह भारत की आस्था और आध्यात्मिक शक्ति को दर्शाता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में प्रयागराज में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई, जिसमें देवस्थान विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें मंदिरों की भोगराग की राशि दोगुनी की गई। अंशकालीन पुजारियों का मानदेय बढ़ाकर 7500 रुपए प्रतिमाह किया साथ ही राज्य में और राज्य से बाहर स्थित देवस्थान विभाग के मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए राशि स्वीकृत की गई। दिल्ली चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर विश्वास है। दिल्ली की जनता ने भरोसा किया कि उनका विकास केवल डबल इंजन सरकार ही सुनिश्चित कर सकती है, इसलिए उन्होंने ऐतिहासिक बहुमत के साथ बीजेपी सरकार बनाई। इस दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिगण, सांसदगण, विधायकगण सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मिल्कीपुर ने चुना योगी का विकास सपा प्रत्याशी अपना बूथ भी हार गए

अयोध्या, 08 फरवरी (एजेंसियां)। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना में भाजपा की बड़ी जीत हुई है। भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा प्रत्याशी अजित प्रसाद को भारी मतों से हरा दिया। भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने 61,710 वोट के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। भाजपा के चंद्रभानु को 1,46,397 वोट मिले, जबकि सपा के अजित प्रसाद ने 84,687 मत प्राप्त किए। हालात यह रहे कि सपा पत्याशी अपना बूथ भी हार गए। जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी ने मतगणना स्थल पहुंच कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। भाजपा कार्यालय में पुष्प वर्षा के साथ ढोल नगाड़े बजाए जा रहे हैं। जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सभी को जीत की बधाई दी।

शनिवार को सुबह से कड़ी सुरक्षा के बीच मिल्कीपुर विधानसभा की राजकीय इंटर कॉलेज में मतगणना शुरू हुई। दोपहर बाद जैसे ही भाजपा उम्मीदवार की जीत 61,710 मतों से निश्चित हुई तो भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी। चारों तरफ ढोल नगाड़े बजने लगे। सुबह मतगणना शुरू होते ही भाजपा उम्मीदवार ने बढ़त कायम कर ली थी। इसके बाद लगातार बढ़त बनाये रहे। उधर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की निराशा बढ़ती गयी। स्थिति यह रही कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद अपना बूथ भी हार गए। जीतने के बाद चंद्रभानु पासवान ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीत है। अब मिल्कीपुर की जनता के विकास के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि प्रभु की इच्छा से सम्मानित जनता के आशीर्वाद से इतनी बड़ी जीत मिली है। विपक्ष के पास आरोप लगाने के सिवा और कोई काम बचा नहीं है। आप सब जानते हैं, चुनाव एकदम निष्पक्ष हुआ है। एक बार सपा लोगों को बरगला ले गई थी। अब ऐसा कभी नहीं होगा। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी कि यह अभूतपूर्व विजय मिल्कीपुर की जनता जनार्दन के आशीर्वाद, पार्टी के बड़े नेताओं के कुशल रणनीति व नेतृत्व और समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय के लिए सभी समर्पित पार्टी पदाधिकारियों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विजय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों एवं सेवा, सुरक्षा और सुशासन को समर्पित उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आमजन के अटूट विश्वास का प्रतीक है। विजयी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान को बधाई एवं उत्तर प्रदेश की विकास-यात्रा और सुशासन को अपना मत प्रदान करने वाली मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता-जनार्दन का हार्दिक अभिनंदन है। जय श्री राम।

कुंभ स्नान से पहले परिवार हुआ हादसे का शिकार

पति-पत्नी और बहन की दर्दनाक मौत, कई गंभीर

भदोही, 08 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ जाने के दौरान फिर सड़क हादसा हुआ है, जिसमें बिहार के गया जिले के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी जख्मी लोगों का इलाज पास के अस्पताल में चल रहा है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि गया से प्रयागराज जाते समय उत्तर प्रदेश के भदोही के निकट उनकी गाड़ी पंचर हो गई। वाहन में सवार लोगों में पंचर बनवाने के लिए एक दुकान पर खड़े थे। ठीक उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने वाहन के पास खड़े लोगों को रौंद डाला। उक्त वारदात में परिवार के तीन सदस्य जिसमें आशा पांडे (43), दिलीप कुमार पांडे (38) और अंजली पांडे की मौत मौके पर हो गई। वहीं, साथ रहे नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना में एक युवती की हालत गंभीर है। सभी घायलों को वाराणसी के बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना के बाद भी गया जिले के भाजपा समर्थित लोगों ने

दिल्ली की जीत पर किसी प्रकार की खुशी का इजहार नहीं किया। जश्न की तैयारी को रद्द कर घटना की जानकारी लेने से जुट गए।

घटना के संबंध में लोगों का कहना है कि शनिवार को गया जिले के शेरघाटी क्षेत्र अंतर्गत मिश्रा टोली मोहल्ला निवासी सुजीत पांडे का पूरा परिवार प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के लिए शुक्रवार को रवाना हुए थे। लगभग 12 सदस्य तीन वाहनों पर सवार होकर गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र से रवाना हुए थे। रास्ते में उन लोगों को घंटों जाम का सामना करना पड़ा। वहीं शनिवार सुबह जब वे लोग यूपी के भदोही के औराई के पास पहुंचे, तो उनके एक गाड़ी का टायर पंचर हो गया। उसके बाद सभी वाहन पर सवार लोगों ने सड़क किनारे एक दुकान पर पंचर बनवाने लगे। इस दौरान सभी दूकान के पास खड़े थे। उसी समय अचानक तेज रफ्तार ट्रक विपरीत दिशा से आया और सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए खड़ी वाहन में टकरा गया। उक्त घटना में सुजीत पांडे के भाई दिलीप पांडे और उनकी भाभी आशा पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दिलीप की बहन अंजली इलाज के क्रम में अस्पताल में ही दम तोड़ दी। घटना में शामिल दिलीप पांडे की पत्नी की मौत कोरोना के दौरान हो गई थी। उनका 17 वर्षीय बेटा भी इस हादसे में जख्मी हो गया। आशा पांडे की बेटी की भी हालत गंभीर है।

उक्त वारदात की जानकारी मिलते ही गया जिले में मातम छा गया।

तेज धमाका... 20 फुट दूर तक फैले लाशों के चीथड़े, बटोरने पड़े अंग

तीन किमी दूर तक सुनी गई ब्लास्ट की गूंज

बरेली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला बाकरगंज में मांझा बनाने की अवैध फैक्टरी में धमाका हो गया। इससे फैक्टरी मालिक और दो कारीगरों के चीथड़े उड़ गए। पतंगबाजी के लिए मजबूत मांझा बनाने के लिए गंधक, पोटाश, कांच और लोहे के बुरादे का मिश्रण तैयार करने के दौरान यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, अतीक का घर तीन मंजिला बना हुआ है। घर के बाहर गली में निगरानी के लिए भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रथम तल पर अतीक एक कमरे में मांझा और कच्चे माल का स्टॉक रखता था। प्लॉट में मांझा बनाया जाता था। मांझा बनाने से पहले बरामदे में कच्चा माल तैयार किया जाता था। जिस स्थान पर धमाका हुआ, अतीक और फैजान के शव के चीथड़े उसके 15 से 20 फुट दूर तक फैले मिले। पोस्टमॉर्टम के लिए उनको एकत्र करना पड़ा। धमाके में सरताज के शरीर के नीचे का

हिस्सा और एक हाथ अलग हो गया था। अतीक के घर की कांच की खिड़कियां भी चटक गईं।

बरामदे के पास ही एक कमरे में अतीक ने ऑफिस भी बना रखा था। यहीं सीसी कैमरों के मॉनीटर भी लगे थे। एक कमरे में मांझा और कच्चे माल का स्टॉक रखा था। इसे पुलिस ने सीज कर दिया है। अब पुलिस सीज किए गए स्टॉक की जांच करेगी। बात करने पर मांझा बनाने वाले कारीगरों ने बताया कि मिश्रण में गंधक और पोटाश की मात्रा ज्यादा होने के कारण ही इतना जबरदस्त धमाका हो सकता है। शुक्रवार देर रात तक मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी थी। पुलिस ने सीसी कैमरों के डीवीआर को कब्जे में ले लिया है। इनकी जांच के बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, धमाके की गूंज तीन किलोमीटर दूर तक सुनी गई। फॉरेंसिक टीम ने मौके से नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद धमाके का राज सामने आएगा। बाकरगंज निवासी अतीक रजा खां (51) मांझा बनाने की अवैध फैक्टरी चलाते थे। मोहल्ले के ही फैजान (26) और सरताज (24) उनकी फैक्टरी में कारीगर थे। अतीक ने अपने घर से सटे स्थित भूखंड पर मांझा बनाने का अड्डा बना रखा था। शुक्रवार सुबह 10 बजे अतीक, फैजान और सरताज मांझा बनाने के लिए मसाला तैयार कर रहे थे। इसके लिए गंधक, पोटाश के साथ कांच और लोहे के बारीक बुरादे को मिलाकर लुगदी तैयार की जानी थी। बताते हैं कि इन घातक पदार्थों का मिश्रण तैयार करने के दौरान ही धमाका हो गया।

धमाके की सूचना पर कई थानों की पुलिस, फायर ब्रिगेड और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंच गईं। डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी अनुराग आर्य ने भी मौके का जायजा लिया। अतीक और फैजान के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद आसपास के इलाके को खंगाला गया। पुलिस विस्फोटक की मौजूदगी की आशंका की भी पड़ताल कर रही है। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, पर ऐन मौके पर बिजली गुल होने की वजह से धमाका सीसीटीवी में कैद नहीं हो सका।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत पर गूंजा नारा

योगी का काम, मिल्कीपुर बोला जय श्रीराम

अयोध्या, 08 फरवरी (एजेंसियां)। मिल्कीपुर के लोगों ने जयश्रीराम का उद्घोष कर कमल का फूल खिलाया। भाजपा उम्मीदवार चंद्रभानु पासवान 61710 वोट से जीतने में सफल हुए। महाकुंभ, शासनिक दायित्व, उत्तर प्रदेश दिवस समेत अनेक व्यस्तताओं के बीच भी योगी आदित्यनाथ दो बार चंद्रभानु पासवान के लिए जनता से संवाद करने पहुंचे। वहीं अपने प्रत्याशी के लिए पहुंचे अखिलेश यादव के प्रयास व्यर्थ ही साबित हुए। अयोध्या पहुंचकर भी अखिलेश ने रामलला के दर्शन नहीं किए।

अपने रैलियों में योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रवाद को जिताने और परिवारवाद को हराने की अपील की। योगी की इस अपील का मिल्कीपुरवासियों पर असर हुआ। भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान को कुल 146397 वोट मिले, उन्हें 60.17 फीसदी वोट प्राप्त हुए। उन्हें ईवीएम से 146291 और पोस्टल से 106 वोट मिले। जबकि समाजवादी पार्टी के परिवारवाद को जनता ने खारिज कर दिया। सपा सांसद के बेटे व उपचुनाव से सपा प्रत्याशी 84655 वोट ही प्राप्त कर सके। पोस्टल बैलेट में भी वे दहाई के आंकड़े में ही रहे। उन्हें महज 32 वोट मिले। उन्हें कुल 64687 वोट ही मिले। कुल 34.81 फीसदी वोट पाने में सफल रहे।

आदित्यनाथ ने पार्टी से मिले

दायित्वों को खूब निभाया। महाराष्ट्र, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली में भी उनकी रैलियां खूब सफल रहीं। हाल में संपन्न हुए यूपी के उपचुनावों में नौ में से सात सीटों पर योगी के विकास पर जनता ने मुहर लगाई। वहीं दसवीं सीट (मिल्कीपुर) पर हुए उपचुनाव में भी योगी की अपील ही जनता ने सुनी। योगी के सामने अखिलेश-अवधेश की रंगत फीकी हुई। 2012-2022 में मिल्कीपुर व 2024 में अयोध्या से सांसद बने अवधेश प्रसाद को जनता ने खारिज कर दिया। वे अपने बेटे को जिता न सके। योगी के सामने अखिलेश-अवधेश की जोड़ी को जनता ने नकार दिया। एक तरफ योगी आदित्यनाथ की संवाद शैली तो दूसरी तरफ उनकी सख्त छवि की बदौलत यूपी के प्रति बदली सकारात्मक धारणा ने इस जीत में काफी अहम भूमिका निभाई। यही नहीं, स्थानीय मुद्दों को उठाकर एक तरफ जहां उन्होंने आमजन के नब्ज को टटोला तो वहीं अयोध्या के चतुर्दिक विकास कराकर जनता के दिल में अपनी जगह बनाई। अयोध्या में हुई घटनाओं पर माफिया के खिलाफ उनकी कार्रवाई को भी जनता ने नजीर माना। भ्रष्टाचार पर उनका प्रहार और स्थानीय मुद्दों को उठाकर नब्ज पकड़ना मतदाताओं को भा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दोनों रैलियों में जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। योगी के इस आह्वान के साथ समूचा समाज भी जुड़ रहा है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर भाजपा नेता व कार्यकर्ता चंद्रभानु की जीत में जुट गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में दो रैली की। उनकी पहली रैली 24 जनवरी को हुई। महाकुंभ में तीन फरवरी को बसंत पंचमी का अमृत स्नान था, लिहाजा उनकी दूसरी रैली चुनाव प्रचार समाप्त होने के एक दिन पहले दो फरवरी को हुई। इस रैली में भी योगी आदित्यनाथ को सुनने बड़ी संख्या में मतदाता पहुंचे थे।

गेम डिजाइनिंग में है करियर की नई संभावनाएं

आज का समय जिस तेजी के साथ बदल रहा है, उस समय में जरुरी नहीं है कि वहीं पुरानी पढ़ाई आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस पढ़ी जाये, जमाना बदल रहा है। अलग अलग फील्ड में करियर बनाने के नए-नए मौके और विकल्प मौजूद हैं। करियर के कई सारे ऑप्शन मारे सामने मौजूद है। उनमें से ही एक है गेम डेवलपर या गेम डिजाइनर। अगर आपको भी कप्यूटर्स, मोबाइल्स और लैपटॉप्स पर गेम खेलना पसंद है तो इस इंडस्ट्री में करियर बनाना आपके लिये एक सही विकल्प हो सकता है।

अगर आप भी क्रीएटिविटी के साथ अपनी टेक्निकल स्किल्स को शार्प करना चाहते हैं, तो गेम डेवलपमेंट में करियर बना सकते हैं। आज के युवाओं का गेम में काफी इंटरेस्ट होता है। वह हर ऑनलाइन खेले जाने वाले खेल को काफी मजे से खेलते है। साथ ही उस गेम को लेकर अपनी सोच भी जाहिर करते है कि किस तरह से उस गेम को और क्रिएटिव बनाया जा सकता है।

क्या है गेम डिजाइनिंग?

गेम डिजाइन करना एक लंबी और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें टीम के प्रोफेशनल्स अपनी क्रिएटिव और टेक्निकल स्किल्स के जरिए गेमिंग सॉफ्टवेयर तैयार करते हैं। गेम डेवलपमेंट में कई प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, जैसे कॉन्सेप्ट की आउटलाइनिंग करना, रूल्स और प्रिंसिपल्स का डॉक्यूमेंटेशन, ग्राफिक्स डेवलपमेंट आदि। अब नई तकनीक के चलते वीडियो गेम्स भी 3डी प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किए जाने लगे हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में कैरियर बनाने के लिए इंटर में कम्प्यूटर विषय लें। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के लिए बीसीए, एमसीए या इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक या बीई करें। ग्रेजुएशन के बाद आप डिप्लोमा इन गेम डिजाइन एंड गेमिंग, वीडियो गेम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सर्टिफिकेशन, एडवांस्ड डिप्लोमा इन गेम डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं। आप 2डी और 3डी दोनों में से कोई भी एक प्लेटफॉर्म चुन सकते हैं और उसके बाद उससे जुड़ी एप्लिकेशंस पर काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- » इंडियन स्कूल ऑफ गेमिंग
- » जी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स
- » एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गेमिंग एंड एनिमेशन
- » माया अकेडमी ऑफ एडवांस्ड सिनेमेटिक्स
- » ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ गेमिंग एंड एनिमेशन
- » आईसीएटी डिजाइन एंड मीडिया कॉलेज
- » पिकासो एनिमेशन कॉलेज

वर्क प्रोफाइल

गेम डिजाइनिंग में कई स्टेप्स पर काम होता है। इसके शुरुआती चरण में आर्ट्स डिजाइनिंग व क्रिएशन पर काम किया जाता है। इसके बाद कॉम्प्रिहेन्सिव स्टोरी लाइन तैयार की जाती है, जिसमें स्क्रिप्टिंग, कैरेक्टर स्केचिंग ऑब्जेक्ट्स, लेवल्स और बैकग्राउंड डिजाइनिंग शामिल हैं। इसके बाद कम्प्यूटर पर इसकी त्रि-आयामी (3 डी) डिजाइन तैयार की जाती है। इस स्टेज में डिजाइनर्स को कैरेक्टर्स के फेशियल एक्सप्रेशंस व फीचर्स पर खास ध्यान देना होता है। इसके बाद साउंड इफेक्ट्स, वीडियो रिकॉर्डिंग्स और बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया जाता है।

भविष्य की संभावनाएं

आप बड़े गेमिंग ऑर्गनाइजेशंस में बतौर गेम डेवलपर, गेम डिजाइनर, गेम आर्टिस्ट, गेम एंड नेटवर्क प्रोग्रामर,स्क्रिप्ट राइटर व गेम टेस्टर काम कर सकते हैं। ट्रेनी के तौर पर आपकी सैलरी 10,000 रुपए के आसपास होगी, जो अनुभव के साथ 80,000 रुपए तक पहुंच सकती है।

ऑनलाइन भी हैं कोर्सेस

गेम डेवलपर के लिए कोर्सेस ऑनलाइन भी मौजूद हैं। इनके जरिए आप घर में ही गेम डेवलपिंग सीख सकते हैं।

कौन कर सकता है

बीए, बीकॉम, साइंस या अन्य किसी स्ट्रीम से ग्रैजुएट स्टूडेंट्स भी इस कोर्स को कर सकते हैं। 12वीं तक पढ़ाई कर चुके स्टूडेंट्स भी कोर्स के लिए पात्र होते हैं। ग्रैजुएशन में यदि किसी का टेक्निकल बैकग्राउंड है तो उसे और ज्यादा सपोर्ट मिल जाता है।

कहां मिलेगी जॉब

स्किल डेवलप होने के बाद आप घर से ही ऑनलाइन काम शुरू सकते हैं। गेम डेवलप करके गूगल प्लेस्टोर पर अपलोड कर सकते हैं। यहां से गेम डाउनलोड होने पर आपको ऑनलाइन भुगतान प्राप्त होगा। खुद की वेबसाइट शुरु करके फ्रीलांसिंग शुरु कर सकते हैं। आउटसोर्सिंग के जरिए काम कर सकते हैं।

दिल्ली, बैंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों में बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां हैं जहां गेम डेवलपर्स की जरुरत है। आप यहां भी जॉब के लिए ट्राय कर सकते हैं। अगर आप भी गेम डेवलपमेंट में करियर को लेकर कंफ्यूज है तो क्रिएटिविटी से भरा गेम डेवलपमेंट में करियर आपके लिए बेहतर हो सकता है।

नौकरी पाने के लिए

इन स्किल्स का होना भी है जरुरी..

बढ़ते इस कंपीटिशन के दौर में नौकरी पाना कठिन होता जा रहा है। किसी भी जगह नौकरी पाने के लिए ना जाने कितने हजारों लोग उस पद के लिए अप्लाई करते है, ताकि वह वहां नौकरी पा सकें। चाहे आप किसी भी क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हो, लेकिन किसी भी जगह नौकरी पाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव इंटरव्यू होता है।

इंटरव्यू के बाद ही यह निश्चय किया जाता है कि किस व्यक्ति को जॉब पर रखना है या नहीं, लेकिन कई बार लोग घबरा जाते है। लेकिन इसके अलावा बहुत सारी बातें ऐसी है जो आपको नौकरी दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जल्दी घुल-मिलना सीखें: नौकरी पर रखने वाले हमेशा ऐसे लोगों की चाहत रखते हैं जो समय और परिस्थिति के हिसाब से खुद को ढाल लें। हंसमुख हो और लोगों से जल्दी घुलमिल जाएं। ऐसे लोग माहौल को आसान बना कर रखते हैं। वे हमेशा ही डिमांड में रहते हैं।

क्रिएटिव: किसी भी सिचुएशन में फंसने पर अपने दिमाग को तेजी से चलाना। नए-नए आइडियाज को पिच करने में किसी भी तरह की कोताही न बरतना। ऐसी क्रिएटिविटी की सभी अपेक्षा रखते हैं।

प्रतियोगी होना

अगर आप अपनी कार्यक्षमता में लगातार बढ़ोतरी करते रहते हैं तो ऐसे लोग हमेशा ही डिमांड में रहते हैं। हर संस्थान ऐसे लोगों को वरीयता देता है। संस्थान ऐसा चाहते हैं कि वहां का माहौल हमेशा ही वैसा बना रहे।

लीडरशिप स्किल: दुनिया के सारे संगठन और संस्थान किसी न किसी टीम के सहारे चल रहे हैं। जाहिर है कि इन टीमों का कोई मुखिया भी होगा। ऐसे में सारे संस्थान बढ़िया लीडर्स को तरजीह देते हैं। वे उन्हें अच्छी सेलेरी देकर अपने साथ रखने की कोशिश करते हैं।

संचार और संवाद में आगे: वैसे लोग जो अपनी बातों को मजबूती और स्पष्टता से रखते हैं। हमेशा ही अच्छे माने जाते हैं। नौकरी पर रखने वाले हमेशा ऐसे लोगों की खोज में रहते हैं। इस पर काम करने की कोशिश करें।

जल्दी चाहिए नौकरी तो रखें

इन 5 बातों का खास खयाल

पिछले साल की नाकामियों को भूलते हुए अगर आप नए साल में जल्दी नौकरी पाना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों का खास तौर पर ध्यान रखना होगा. आज के दौर में नौकरी पाने के लिए डिग्री ही काफी नहीं है. डिग्री के साथ-साथ कई दूसरी चीजें भी हैं जो आपको नौकरी दिला सकती हैं. आज हम आपको ऐसी ही 5 बातों के बारे में बताने जा रहे हैं. जिसका ध्यान रखकर आप नए साल मे नौकरी पा सकते हैं. आइये जानते हैं कौन सी हैं वह बातें....

संबंधित कंपनी के बारे में पूरी जानकारी लें

नए साल में किसी भी कंपनी में नौकरी के लिए जाने से पहले आपको उसके बारे में पूरी जानकारी जुटा लेनी चाहिए. कंपनी से जुड़ी तमाम जानकारी के लिए आप उसकी वेबसाइट को सर्च कर सकते हैं. आपको वहां कंपनी की ग्रोथ से लेकर उसके काम करने के तरीके और वह किस चीज में बेस्ट है जैसी जानकारी मिलेगी. ऐसा करने से आप इंटरव्यू के लिए सही तरह से अपना होमवर्क पूरा कर पाएंगे. इंटरव्यू में यह आपके लिए मददगार साबित होगा. इससे इंटरव्यू लेने वाले को पता चलेगा कि आप कंपनी में नौकरी को लेकर आप कितने इच्छुक हैं.

हर तरह के सवालों के लिए रहें तैयार

इंटरव्यू के दौरान आपको कभी यह नहीं मालूम होता है कि सामने बैठा आदमी अगला सवाल क्या पूछने वाला है. ऐसे में आपको मानसिक तौर पर हर सवाल के लिए तैयार रहने की जरूरत है. संभव हो तो आप इंटरव्यू से कुछ दिन पहले ही अपने घर में भी आइने के सामने हर तरह के सवाल का जवाब खुद देने की कोशिश करें. तैयारी करते समय ध्यान रखें कि सवाल हर फिल्ड से होने चाहिए. सवालों का जवाब देते हुए कभी भी अपना कांफिडेंट लूज न करें.

कुछ प्रश्नों की पहले से तैयारी रखें

इंटरव्यू में आपसे साक्षात्कारकर्ता कौन-कौन से प्रश्न पूछ सकते हैं, ऐसे संभावित प्रश्नों की एक सूची बना लें. इन प्रश्नों का अपने दृष्टिकोण से बेहतर से बेहतर जवाब तैयार करने की कोशिश करें. साक्षात्कारकर्ता के सामने अपने जवाबों से अपना पॉजिटिव बिहेवियर प्रदर्शित करें. इससे साक्षात्कारकर्ताओं पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा.

रुख में हो लचीलापन

इस साल नौकरी के लिए आपके अपने व्यवहार में भी बदलाव लाने की जरूरत है. आप कोशिश करें कि अपने व्यवहार में लचीलापन लाएं. अगर आपको किसी दूसरे शहर में भी नौकरी करने का मौका मिला तो आप उस मौके को छोड़ें नहीं. यही वह मौका हो सकता है जो आपको करियर में कई नए विकल्प देगा.

इंटरनेट पर ही न रहें निर्भर

अच्छी नौकरी के लिए पूरी तरह से इंटरनेट पर निर्भर न रहें. बड़ी-बड़ी कंपनियों में लगने वाले नौकरी के मेलों के अलावा कंपनियों द्वारा समय-समय पर लगाए जाने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू में भी हिस्सा लें.

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में होगी नौकरियों की भरमार

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो प?ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जु?ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को प? कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

कम्युनिकेशन स्किल्स
रचनात्मकता
सेल्समेनशिप
डाटा एकत्रित करना
टीमवर्क
विश्लेषण क्षमता
लगन

कहां से करें पढ़ाई

भारत में कई मैनेजमेंट संस्थान हैं, जो मार्केटिंग रिसर्च में खास पढ़ाई कराते हैं–
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नोएडा
एपीजे स्कूल ऑफ मार्केटिंग, दिल्ली
सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ
बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, दिल्ली
सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता
आईआईएम (अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ व इंदौर)
जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

जापानी पीएम इशिबा ने की ट्रंप से मुलाकात स्टील, रक्षा समेत कई क्षेत्रों में साथ करेंगे काम

वॉशिंगटन, 08 फरवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका दौरे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने स्टील, रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर बातचीत की। जापानी प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, जापान एक शानदार देश है और दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का निवेश उत्साह बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि दोनों देशों और अन्य देशों के बीच पोषित गठबंधन भविष्य में भी फलते-फूलते रहेंगे। अमेरिका और जापान के बीच सैन्य सहयोग सबसे करीबी सुरक्षा साझेदारियों में से एक है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, दुनिया में कहीं भी सबसे करीबी साझेदारियों में से एक जापान और अमेरिका का द्विपक्षीय सहयोग है। दोनों देशों के सैन्य अधिकारी साझा हितों की रक्षा के लिए हर दिन एक साथ काम करते हैं। जापान 2027 तक अपने रक्षा खर्च को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध है...की हमारी बातचीत जापान-अमेरिका की साझा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, जापान अमेरिकी सैन्य निर्यात और उपकरणों के शीर्ष खरीदारों में से एक है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि निप्पॉन स्टील अब योजना के अनुसार यूएस स्टील को नहीं खरीदेगी, बल्कि जापानी कंपनी अमेरिकी व्यवसाय में निवेश करेगी। ट्रंप ने कहा कि निप्पॉन स्टील यूएस स्टील के लिए कुछ रोमांचक करने जा रही है, वे खरीद के बजाय निवेश पर विचार करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि इस निवेश का क्या विवरण होगा। ट्रंप ने बताया कि वह अगले सप्ताह निप्पॉन स्टील के प्रमुख से मिलेंगे और मध्यस्थता करने के लिए शामिल होंगे। हालांकि, निप्पॉन स्टील की बोली ने विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडन ने इस विलय को रोकने का वादा किया था। इशिबा ने निवेश को पारस्परिक रूप से लाभकारी बताया और कहा कि जापानी तकनीक यूएस स्टील मिलों को प्रदान की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

रूस के जासूसी जहाज में लगी आग नेपाल टेलीकॉम के पूर्व एमडी समेत 2 पर मामला दर्ज

मॉस्को। रूस के जासूसी जहाज किल्डिन में पिछले माह सीरिया के समुद्री तट के पास संदिग्ध परिस्थितयों में आग लग गई थी। इस मामले में नेपाल के कंचनपुर में नेपाल टेलीकॉम के पूर्व प्रबंध निदेशक और राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक सुनील पौडेल के खिलाफ केंद्रीय जांच आयोग(सीआईए) ने भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। आयोग ने ठेकेदार कंपनी से मिलीभगत कर सामान रिश्वत लेने के आरोप में स्पेशल कोर्ट में केस दर्ज कराया। सीआईए ने कहा, 12.428 करोड़ रुपये के सामान की खरीदारी में 3.085 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई। सीआईए ने रिश्वत देने वाली कंपनी के निर्देशक दीपक आनंद को भी प्रतिवादी बनाया है। बता दें कि ये जहाज रुस के लिए बेहद महत्वपूर्ण था, लेकिन आग में स्वाहा हो गया। आग कितनी खतरनाक थी इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहाज पर सवार अधिकारियों ने नियंत्रण खो दिया था। रूसी जहाज पर मौजूद एक शख्स ने रेडियो के जरिये दूसरे जहाजों को दूर रहने की चेतावनी भी दी। एक रेडियो संदेश में उसने कहा, हमारा जहाज संकट में है, कृपया दूरी बनाए रखें। एक अन्य जहाज को चेताते हुए उसने कहा, जहाज नियंत्रण से बाहर है।

लापता यात्री विमान हुआ हादसे का शिकार, समुद्री बर्फ पर मिला मलबा

अलास्का। पश्चिमी अलास्का में नोम समुदाय के लिए जाना वाला एक छोटा यात्री विमान शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गया है। जानकारी के मुताबिक, उसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। मामले में अमेरिकी तट रक्षक के प्रवक्ता माइक सालेर्नो ने बताया कि बचावकर्मी हेलीकॉप्टर से विमान के अंतिम ज्ञात स्थान की खोज कर रहे थे, तभी उन्हें मलबा दिखाई दिया। उन्होंने जांच के लिए दो बचाव तैराकों को उतारा। जानकारी के मुताबिक, उड़ान के करीब एक घंटे के अंदर विमान का संपर्क टूट गया था। अलास्का के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, बेरिंग एयर का एकल इंजन वाला टर्बोप्रॉप विमान गुरुवार दोपहर को नौ यात्रियों और एक पायलट के साथ उनालाकलीट से रवाना हुआ था। बेरिंग एयर के संचालन निदेशक डेविड ओल्सन ने बताया कि सेसना कारवां दोपहर 2:37 बजे उनालाकलीट से रवाना हुआ था। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, हल्की बर्फबारी और कोहरा था, तापमान 17 डिग्री (माइनस 8.3 सेल्सियस) था। विमान के बारे में एयरलाइन के विवरण के अनुसार, यह अपनी अधिकतम यात्री क्षमता पर काम कर रहा था। तटरक्षक लेफ्टिनेंट कमांडर बेंजामिन मैकइंटायर-कोबल ने कहा, यूएस सिविल एयर पैट्रोल की तरफ से साझा किए गए रडार फोरेंसिक डेटा ने संकेत दिया कि गुरुवार को लगभग 3:18 बजे, विमान में किसी तरह की घटना हुई, जिसके कारण उन्हें ऊंचाई में तेजी से कमी और गति में तेजी से कमी का अनुभव हुआ। इस दौरान क्या हुआ, मैं अनुमान नहीं लगा सकता।

सिडनी: घर के गार्डन में निकले 102 सांप देखने वालों के उड़ गए होश

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रहने वाले डेविड स्टाइन के घर के गार्डन में एक साथ 102 सांप निकल पड़े। स्टाइन ने अपने बैकयार्ड में मल्च (सड़े पत्ते आदि का कचरा) के ढेर में कुछ सांपों को देखा, जिसके बाद उन्होंने स्नेक कैचर को बुलाया। जब स्नेक कैचर डायलन कूपर वहां पहुंचे और खुदाई शुरू की, तो उन्हें कुल 102 सांप मिले- 5 वयस्क और 97 नवजात। उन्होंने बताया, 'यह बहुत ही अनोखा मामला है। इतने सारे नवजात सांपों को एक साथ देखना पहली बार हुआ है। ये सभी सांप रेड-बेलीड ब्लैक स्नेक्स थे। ये ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले जहरीले सांप हैं। ये आमतौर पर आक्रामक नहीं होते और इंसानों से दूर रहना पसंद करते हैं। इन सांपों की मादाएं अक्सर सामूहिक रूप से एक ही स्थान पर बच्चे जन्म देती हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में जन्म होते देखना दुर्लभ घटना है। स्टाइन ने सबसे पहले अपने गार्डन में सांपों के एक छोटे झुंड को देखा, लेकिन जैसे ही उन्होंने कैमरा निकाला, वे मल्च के अंदर छिप गए।

पाकिस्तान में मारे गए आतंकियों में एक अफगानी भी, 10 बंकर ध्वस्त

इस्लामाबाद, 08 फरवरी (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान ने कहा है कि हाल ही में सुरक्षाबलों के हाथों मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान अफगान नागरिक के रूप में हुई है। मुल्क की सरजमीं पर दहशत फैला रहा यह अफगान आतंकी उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल में मारा गया। इस बीच खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम के ऊपरी और निचले हिस्सों में 10 और बंकरों को ध्वस्त कर दिया गया।

सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि मारे गए अफगान नागरिक की पहचान कमाल खान के बेटे लुकमान खान उर्फ नुसरत के रूप में हुई है। उसे सुरक्षा बलों ने छह फरवरी को एक अभियान में मार गिराया। वह अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के स्पेरा जिले का निवासी था। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के अधिकारियों से उसके शव को लेने के लिए संपर्क किया गया है।

आईएसपीआर ने कहा कि इससे साबित होता है कि अफगान नागरिक पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों में शामिल हैं। उम्मीद है अंतरिम सरकार पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने वालों को सबक सिखाएगी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने पिछले महीने भी एक आतंकवादी का शव अफगानिस्तान को सौंपा था। आईएसपीआर के अनुसार, 48 वर्षीय अफगान नागरिक मोहम्मद खान 11 जनवरी को बलूचिस्तान के झोब के सांबाजा इलाके में मारा गया था।

इस बीच खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम के एक अधिकारी ने कहा है कि जिले के ऊपरी और निचले हिस्सों में 10 और बंकरों को ध्वस्त कर दिया गया है। पाराचिनार के तहसीलदार नसीर अब्बास ने पुष्टि की कि ध्वस्त किए गए बंकरों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। इस बीच कुर्रम जिले में आतंकवादी घटनाओं में अपने प्रियजनों को खोने वाले 37 परिवारों को मुआवजा राशि वितरित की गई है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वयक शिराज बाचा के अनुसार, प्रभावित परिवारों को चेक सौंपे गए।

हमास और इजरायल के बीच बंधकों की रिहाई का सिलसिला जारी

गाजा। इजरायल और हमास के बीच चली जंग के बाद हालात सामान्य होने लगे हैं। बंधकों की रिहाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में 183 फिलिस्तीनी को जल्द रिहा करने की संभावना बनी है। हमास 3 इजरायली बंधकों को फिलिस्तीनी कैदियों के बदले रिहा करेगा। ओहद बेन अमी और एली शराबी को 7 अक्टूबर 2023 को बंधक बनाया गया था वहीं ओर लेवी को संगीत समारोह से अगवा कर लिया गया था। तीनों बंधकों को जल्द सौंप दिया जाएगा। दूसरी ओर हमास ने उम्मीद जताई है कि इजरायल भी बदले में 183 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा। इसमें 18 उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। 54 लंबी सजा काट रहे हैं और 111 ऐसे हैं जिन्हें युद्ध क्षेत्र से हिरासत में लिया गया था। हमास की ओर से तीन तो इजरायल 183 फिलिस्तीनी करेगा रिहा रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने मांग की है कि सबसे गंभीर अपराधों के दोषी फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी या वेस्ट बैंक में नहीं छोड़ा जाए। मिस्र ने इन व्यक्तियों को अस्थायी रूप से रखने पर सहमति व्यक्त की। फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला जगारी ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली अधिकारियों ने रिहा किए गए कैदियों को रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को सौंप दिया है। रिहा किए गए कैदियों में से 150 गाजा पट्टी से थे। बता दें कि 4 फरवरी को फिलिस्तीनी के एक अधिकारी ने फिलिस्तीनी कैदियों के बारे में जानकारी दी थी। फिलिस्तीनी अधिकारी ने बताया कि युद्ध विराम समझौते के तहत इजरायल द्वारा रिहा किए गए और वर्तमान में मिस्र में मौजूद 60 फिलिस्तीनी कैदियों को तुर्किये, कतर, मलेशिया और पाकिस्तान भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला जगारी ने कहा था कि चारों देशों में से प्रत्येक देश 15 फिलिस्तीनी कैदियों को आश्रय देगा। उन्होंने यह भी बताया कि मिस्र की नई प्रशासनिक राजधानी के एक होटल में वर्तमान में 70 फिलिस्तीनी कैदी रुके हुए हैं।

कई देशों पर जवाबी टैरिफ लगाएंगे ट्रंप, दुनिया में शुरू होगा नया ट्रेड वॉर

वॉशिंगटन, 08 फरवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ के अपने प्लान पर आगे बढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने कई देशों पर जवाबी टैरिफ लगाने की योजना का खुलासा किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बजट पर चर्चा के दौरान रिपब्लिकन सांसदों को भी अपनी योजनाओं की जानकारी दे दी है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि विदेशी आयात पर ज्यादा टैरिफ लगाने से 2017 के टैक्स कटौती को आगे बढ़ाने के लिए रकम मिलेगी। अमेरिका को वर्तमान में टैरिफ से वार्षिक राजस्व का 2 फीसदी मिलता है। ट्रंप की टीम का मानना है कि टैरिफ बढ़ाने से कुछ लागतों की भरपाई हो सकती है।

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ बैठक में ट्रंप ने कहा कि वह कई देशों पर टैरिफ का ऐलान आने वाले हफ्ते में करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार मे इसका वादा किया था। पद संभालने के बद वह कनाडा, मेक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाने का ऐलान भी कर चुके हैं। हालांकि कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ के फैसले को फिलहाल टाल दिया गया है। ट्रंप के कुछ और देशों पर टैरिफ लगाने से नया ट्रेड वॉर भी देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप चाहते हैं कि दूसरे देशों के साथ अमेरिका का व्यापार बराबरी का हो। ट्रंप ने कहा, मैं अगले हफ्ते इसकी घोषणा करूंगा, ताकि दूसरे देश हमारे साथ बराबरी का व्यवहार करें। हम ज्यादा नहीं चाहते लेकिन कम भी नहीं चाहते। ट्रप ने जवाबी व्यापार की बात कही है। इसका मतलब है कि अगर कोई देश अमेरिकी सामानों पर ऊंचे टैरिफ लगाता है तो अमेरिका भी उस देश के सामानों पर उतने ही टैरिफ लगाएगा। ट्रंप प्रशासन ऑटो टैरिफ पर भी विचार कर रहा है।

स्वतंत्र विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इससे उल्टा असर भी हो सकता है और ये अमेरीका का कर्ज काफी बढ़ा सकता है। टैरिफ बढ़ने से दूसरे देश भी जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं, जिससे अमेरिकी निर्यात प्रभावित हो सकता है। ट्रंप के इस फैसले से दूसरे देशों के साथ व्यापारिक तनाव भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। टैरिफ बढ़ने से उपभोक्ताओं को भी नुकसान होगा क्योंकि आयातित सामान महंगे होंगे। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि ज्यादा टैरिफ से अमेरिकी कंपनियां प्रतिस्पर्धी बनेंगी और देश में रोजगार बढ़ेगा।

हिंसा में 3000 की मौत, मानवाधिकार परिषद ने बुलाया आपातकालीन सत्र

कांगो के पूर्वी हिस्से में बढ़ती हिंसा के चलते जनवरी के अंत से अब तक लगभग 3,000 लोग मारे जा चुके हैं और लगभग उतने ही लोग घायल हुए हैं। लगातार बढ़ती हिंसी को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार निकाय ने आपातकालीन सत्र बुलाया। आपातकालीन सत्र के दौरान कांगो की सरकार ने 47 देशों के समर्थन से मानवाधिकार परिषद से रवांडा और एस23 विद्रोहियों को मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराने और क्षेत्र में मानवाधिकार हनन की जांच करने के लिए एक तथ्य-खोज मिशन बनाने का आग्रह किया।

क्षमा सावंत पर देश विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप, वीजा किया खारिज

सिएटल, 08 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय मूल की अमेरिकी नेता क्षमा सावंत ने दावा किया है कि भारत के लिए उनका वीजा आवेदन तीन बार खारिज कर दिया गया, जबकि उनके पति को उनकी बीमार मां से मिलने के लिए आपातकालीन वीजा मिल गया। सिएटल सिटी काउंसिल की पूर्व सदस्य क्षमा सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, मेरे पति और मैं सिएटल के भारतीय वाणिज्य दूतावास में हैं। उन्हें मेरी मां की गंभीर हालत को देखते हुए आपातकालीन वीजा दे दिया गया, लेकिन मेरा आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि मेरा नाम 'रिजेक्ट लिस्ट में है। हमें कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है। इसे लेकर सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसके परिसर में कुछ लोगों ने कार्यालय समय के बाद बिना इजाजत अंदर घुसने की कोशिश की। इसके चलते उसे कुछ व्यक्तियों के अनधिकृत प्रवेश से उत्पन्न कानून और व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए मजबूर होना पड़ा। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर लिखे बायो के मुताबिक क्षमा सावंत 2014 से 2023 तक सिएटल सिटी काउंसिल की सदस्य रही हैं। वीडियो में सावंत और उनके साथ एक व्यक्ति दावा कर रहे हैं कि उन्हें भारत जाने के लिए वीजा देने से इनकार कर दिया गया क्योंकि वह अस्वीकार सूची में थीं। उन्हें अतिक्रमणकारी कहते हुए, भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कार्रवाई के लिए पुलिस को भी कॉल किया।

सऊदी अरब ने भारत पाकिस्तान समेत 14 देशों के मल्टीपल वीजा रोके

रियाद, 08 फरवरी (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब ने अपने वीजा नियमों में बदलाव कर कई देशों को बड़ा झटका दिया है। नियमों के बदलाव के चलते भारत पाकिस्तान सहित 14 देशों के मल्टीपल वीजा रोक दिए गए हैं। सऊदी सरकार ने ऐलान किया है कि भारत समेत 14 देशों के यात्रियों को अब केवल सिंगल एंट्री वीजा ही मिलेगा। यानी इन देशों के लिए मल्टीपल एंट्री वीजा पर रोक लगाई गई है। यह नियम 1 फरवरी, 2025 से लागू कर दिया गया है।

इसका मकसद लंबी अवधि के विजिट वीजा पर आकर अनधिकृत तरीके से हज यात्रा करने वाले लोगों को रोकना है। सऊदी के सामने हालिया वर्षों में अनाधिकृत हज यात्री एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

नए नियमों के तहत प्रभावित 14 देशों के लोग सिर्फ सिंगल-एंट्री वीज़ा के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह वीजा 30 दिनों के लिए वैध होगा। यानी यह अधिकतम 30 दिनों तक रहने की अनुमति देगा। हज, उमरा, राजनयिक और रेजीडेंसी वीजा पर नए नियमों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

सऊदी अधिकारियों ने बताया कि मल्टीपल-एंट्री वीजा का दुरुपयोग हो रहा था। कुछ यात्री लंबी अवधि के वीजा पर आने के बाद बिना उचित अनुमति के हज करते थे। सऊदी सरकार ने अल्जीरिया, बांग्लादेश, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, नाइजीरिया, पाकिस्तान, सूडान, ट्यूनीशिया और यमन के यात्रियों के लिए मल्टीपल वीजा पर रोक लगाई है। इन 14 देशों के लिए पर्यटन, व्यापार और पारिवारिक यात्राओं के लिए एक साल का मल्टीपल-एंट्री वीजा अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया है।

सऊदी अधिकारियों का कहना है कि इससे हज यात्रा को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

सऊदी अरब हज यात्रा पर कड़ा नियंत्रण रखता है और प्रत्येक देश के लिए हज यात्रियों की एक निश्चित संख्या तय करता है। इसके बावजूद कई पर्यटक लंबी अवधि के वीजा का उपयोग करके इस सीमा को तोड़ते थे, जिससे हज में भीड़भाड़ बढ़ती थी। यह समस्या 2024 में विशेष रूप से गंभीर हो गई थी, जब अत्यधिक गर्मी और भीड़ के कारण 1,200 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों का मानना है कि अनाधिकृत हज यात्रियों ने संकट को बढ़ाया, जिससे वीजा नियंत्रण को सख्त करने की आवश्यकता महसूस हुई। कई देशों के लिए सिंगल-एंट्री वीजा सीमित करके सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि केवल अधिकृत हज यात्री ही हज करें। इससे अनधिकृत हज यात्रा से जुड़े खतरों को कम किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय खेल :ताइक्वांडो के दूसरे दिन हरियाणा, यूपी महाराष्ट्र और सर्विसेज के खिलाड़ियों का जलवा

रुद्रपुर, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

38वें राष्ट्रीय खेलों के ताइक्वांडो मुकाबलों के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। क्योरुगी और पूमसे इवेंट्स में देशभर के एथलीट्स ने अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाया। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और सर्विसेज के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए।

क्योरुगी इवेंट में दमदार मुकाबले – महिला ओवर 73 किग्रा वर्ग में हरियाणा की हिमांशी अंतिल ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम की रोडाली बरुआ को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र की श्रेया नितिन जाधव और ओडिशा की रुचिका श्रीरंग भावे ने कांस्य पदक हासिल किए। महिला अंडर 49 किग्रा वर्ग का खिताबी मुकाबला उत्तर प्रदेश के दो खिलाड़ियों के बीच हुआ, जहां वैष्णवी ने नयन अविनाश बर्गजे को हराकर स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड की दिव्या भारद्वाज और हरियाणा की दीक्षा ने कांस्य पदक अपने नाम किए। महिला अंडर 62 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश की रिशिता राज ने अपनी फुर्ती और कौशल का जलवा दिखाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तराखंड की भूमिका जन्तवाल ने रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र की मनीषा सुद्धाराम गुट्टेदार और भारती रोहिदास मोरे ने कांस्य पदक जीते। पुरुष ओवर 87 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र के मह गौरव दत्तात्रेय भट ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि राजस्थान के राज ऋतुराज यादव को रजत पदक मिला। कर्नाटक के प्रीतम आर और उत्तराखंड के काव्य तलरेजा ने कांस्य पदक जीते। पुरुष अंडर 58 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अब्दुल वाहिद जे ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि हरियाणा के अमन कुमार को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मध्य प्रदेश के हनी यादव और महाराष्ट्र के आयुष संदीप ओहल ने कांस्य पदक हासिल किए। पुरुष अंडर 74 किग्रा वर्ग में जम्मू-कश्मीर के आशीष ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता। सर्विसेज के रामवीर गुर्जर को रजत पदक मिला, जबकि उत्तराखंड के राहुल सिंह और ऋषभ अधिकारी ने कांस्य पदक जीते।

पूमसे मिक्स्ड पेयर मुकाबलों में दिखा तकनीकी कौशल –पूमसे मिक्स्ड पेयर इवेंट में विभिन्न राज्यों की टीमों ने अपने कौशल और समन्वय का शानदार प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा में शीर्ष आठ जोड़ियों ने भाग लिया, जिसमें महाराष्ट्र ने दो टीमें (महाराष्ट्र ए और महाराष्ट्र बी) उतारी।

प्रतिभागी जोड़ियां इस प्रकार रहीं:

महाराष्ट्र - ए: हरनेकर मृनाल शशिकांत और सिंह ठाकुर वंश प्रेम

अरुणाचल प्रदेश: रयोडी पिकरी और तेजा मिचिंग

महाराष्ट्र - बी: चेड हुसुंधरा विनोदकुमार और भोले शिवानी ऋषिकेश

दिल्ली: शिल्पा थापा और कुनाल कुमार।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय खेलः खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनके लिए विशेष स्वास्थ्य सेवा टीम तैनात की गई है। उत्तराखंड सरकार ने खेलों के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष मेडिकल टीम गठित की है। सिर्फ देहरादून में 32 अनुभवी डॉक्टरों के साथ नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मियों की टीम तैनात है। खिलाड़ियों को किसी भी चोट या बीमारी की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, खिलाड़ियों की नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है ताकि उनकी फिटनेस सुनिश्चित की जा सके। खेलों के दौरान चिकित्सा सुविधाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार ने मोबाइल हेल्थ यूनिट की भी व्यवस्था की है, जो पूरे आयोजन के दौरान सक्रिय रहेगी। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की इस पहल से खिलाड़ियों को सुरक्षित माहौल मिला है, जिससे वे अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

लीजेंड 90 लीगः लेंडल सिमन्स की विस्फोटक पारी से दिल्ली रॉयल्स की बड़ी जीत

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड 90 लीग के तीसरे दिन दिल्ली रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान किंग्स को 41 रनों से हराया। दिल्ली ने टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करते हुए 15 ओवरों में 195 रन बनाए। जवाब में राजस्थान किंग्स की टीम 154 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर राजस्थान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह उनके लिए सही साबित नहीं हुआ। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमन्स ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों पर 87 रन ठोके, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कप्तान शिखर धवन ने 26 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि एंजेलो परेरा ने 24 गेंदों में 54 रन की विस्फोटक पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में परविंदर अवाना ने फिल मस्टर्ड को पवेलियन भेज दिया।

बीपीएल विवादों में घिरा, मॉडल येशा ने पहनी साड़ी, प्रबंधन ने किया बाहर

नई दिल्ली। बांग्लादेश प्रीमियर लीग विवाद से घिर गया है क्योंकि चटगांव किंग्स के प्रतिनिधि यशा सागर ने टूर्नामेंट के बीच में ही बांग्लादेश को छोड़ दिया है। किंग्स ने कनाडाई मॉडल और मॉडल येशा को पूरे बीपीएल के लिए नियुक्त किया था। येशा को इस दौरान फ्रेंचाइजी की प्री-मैच, पोस्ट-मैच और प्रायोजन भूमिकाओं में शामिल होना था। यह बिल्कुल वैसे ही जैसे आरसीबी के लिए मिस्टर नेग्स वैसे ही चटगांव किंग्स के लिए येशा। येशा बीते दिनों ही साड़ी में एंकरिंग करते नजर आई थी। येशा का यह स्टाइल फैंस ने खूब पसंद किया। इंस्टाग्राम पर ही उनकी इस वीडियो को 2 लाख से ज्यादा लाइक मिले थे। इसी महीने चीजों में भारी बदलाव आया क्योंकि किंग्स ने उन्हें एक नोटिस भेजा जिसमें उन पर आधिकारिक प्रायोजन रात्रिभोज में भाग न लेने और अपनी प्रायोजन शूटिंग पूरी नहीं करने का आरोप लगाया है। चटगांव किंग्स के मालिक समीर कादर चौधरी ने टिप्पणी की कि अनुबंध के मुताबिक येशा अपने कर्तव्यों को निभाने में विफल रहे हैं, और आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किए जाने के बावजूद, रात्रिभोज में शामिल नहीं हुई जिससे चटगांव किंग्स को वित्तीय और प्रतिष्ठित की क्षति हुई है। नोटिस से आहत येशा ने इसका जवाब नहीं दिया, बल्कि बांग्लादेश से बाहर जाने का विकल्प चुना। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि वह भारत के लिए उड़ान भर चुकी हैं और लीजेंड्स 90 लीग को होस्ट कर रही हैं। बांग्लादेश प्रीमियर लीग लगातार विवादों में है।

राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड की अंकिता और सोनिया ने 10,000 मीटर दौड़ में जीते रजत और कांस्य पदक

देहरादुन, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड की धाविकाओं ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10,000 मीटर फाइनल में दो पदक अपने नाम किए। इस रोमांचक दौड़ में महाराष्ट्र की संजीवनी जाधव ने 33:33.47 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की अंकिता ने 34:31.03 के समय के साथ रजत पदक और सोनिया ने 35:45.19 के समय के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

उत्तराखंड की इस सफलता ने राज्य की लॉन्ग डिस्टेंस दौड़ में बढ़ती ताकत को दर्शाया। अंकिता और सोनिया ने अपनी सहनशक्ति और दृढ़ता का परिचय देते हुए प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई पहचान दिलाई।

अंकिता और सोनिया ने व्यक्त की खुशी

अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए अंकिता ने कहा, मैंने हाल ही में ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और अब राष्ट्रीय खेलों में 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता है। इस उपलब्धि पर मुझे गर्व है और यह भी खुशी है कि इस साल के राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में हो रहे हैं।

वहीं, सोनिया ने भी अपनी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं पदक जीतूंगी, लेकिन कड़ी मेहनत और समर्पण से यह संभव हो पाया। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

उत्तराखंड के एथलेटिक्स में उवल भविष्य की उम्मीद

अंकिता और सोनिया के इस शानदार प्रदर्शन ने उत्तराखंड को गर्व महसूस कराया और राज्य की खेल नीति को मजबूती दी है। उनकी इस सफलता ने आने वाले एथलीटों के लिए एक ऊंचा मानदंड स्थापित किया है, जिससे राज्य के एथलेटिक्स में उवल भविष्य की उम्मीदें और प्रबल हो गई हैं।

राष्ट्रीय खेलः उत्तराखंड में खेलों को मिली नई पहचान, युवाओं का संवरता भविष्य

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल ने न सिर्फ प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने की नई प्रेरणा भी दी। इस ऐतिहासिक आयोजन ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और सही दिशा में प्रयास करने से बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। खेलों से युवाओं को मिली नई दिशा राष्ट्रीय खेलों के दौरान प्रदेश के युवाओं में खेलों को लेकर जागरूकता बढ़ी और उन्होंने इसे करियर के रूप में अपनाने की दिशा में सोचना शुरू कर दिया। खेलों को देखने पहुंचे दर्शकों ने कहा कि इस आयोजन से उत्तराखंड के युवाओं को खेल की दुनिया में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिला है। एक दर्शक ने कहा, राष्ट्रीय खेल के आयोजन से प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। बच्चों ने इन खेलों से सीखा कि मेहनत और टीम वर्क से सफलता के शिखर तक पहुंचा जा सकता है। स्टेडियमों का हुआ कायाकल्प खेलों के आयोजन से उत्तराखंड के स्टेडियमों में भी बड़े बदलाव देखने को मिले। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किए गए इन स्टेडियमों ने खिलाड़ियों को बेहतरीन मंच दिया, जिससे भविष्य में यहां से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलने की उम्मीद है। स्टेडियमों में उमड़ी भीड़ और खिलाड़ियों का उत्साह यह दर्शाता है कि उत्तराखंड में खेलों को लेकर गहरी रुचि है। खेल प्रेमियों का मानना है कि यह आयोजन प्रदेश को खेलों की दुनिया में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा। खेलों ने बढ़ाया आत्मविश्वास इन खेलों के जरिए बच्चों ने न सिर्फ खेलों में रुचि बढ़ाई, बल्कि यह भी सीखा कि अनुशासन, परिश्रम और समर्पण से ही सफलता संभव है। विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर युवाओं को अपने कौशल को निखारने का अवसर मिला। राष्ट्रीय खेलों की सफलता ने यह संदेश दिया कि अगर मेहनत और लगन हो, तो कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है। उत्तराखंड में खेलों का यह सुनहरा अध्याय न केवल खिलाड़ियों, बल्कि पूरे प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा।

राष्ट्रीय खेल फुटबॉल : स्वर्ण पदक जीतकर केरल बना चैंपियन
उत्तराखंड को मिला रजत पदक

हल्द्वानी, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के तहत शुक्रवार को पुरुष वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। फाइनल में केरल की टीम ने उत्तराखंड की टीम को 1-0 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तराखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हल्द्वानी में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। दूसरे हाफ में 53वें मिनट में केरल के गोकुल एस ने शानदार गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, केरल के लिए स्थिति तब मुश्किल हो गई जब उनके खिलाड़ी सफवान एम को 75वें मिनट में रेड कार्ड मिला, जिससे केरल को बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद, केरल की डिफेंस ने उत्तराखंड को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया और 1-0 की जीत के साथ केरल ने 38वें राष्ट्रीय खेल में फुटबॉल का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। उत्तराखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

कांस्य पदक मुकाबलाः दिल्ली ने असम को हराया

कांस्य पदक के लिए दिल्ली और असम के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। दिल्ली के महीप अधिकारी ने 20वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद 44वें मिनट में जासनबोक बुफ़हांग ने दूसरा गोल कर दिल्ली को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। हालांकि, असम ने भी हार नहीं मानी और पहले हाफ के इंजरी टाइम (45+2) में अक्रंग नाज़ारी ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ में दिल्ली के आदित्य अधिकारी ने 72वें मिनट में शानदार गोल कर अपनी टीम को फिर से 3-1 की बढ़त दिलाई। असम के ज्वंगबला ब्रह्मा ने 82वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मैच के अंतिम लम्हों में (90+6) आदित्य अधिकारी ने अपना दूसरा और दिल्ली के लिए चौथा गोल कर 4-2 से जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ दिल्ली ने कांस्य पदक अपने नाम किया, जबकि असम को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

पाक के बल्लेबाज सईम चोट के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज सईम अयूब को चोट से उबरने के लिए कम से कम 10 हफ्ते के रिहैबिलिटेशन करना होगा जिससे वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि सईम अब फ्रेक्चर की चोट से अब उबर रहे हैं और वह इंग्लैंड में रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे। उन्हें यह चोट जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में लगी थी। पीसीबी ने कहा कि न्यूजीलैंड दौरे के लिए उनकी सभी फिटनेस और चिकित्सा संबंधित जांच को पूरा करने के बाद ही तय होगी। 2024 में अपने वनडे डेब्यू के बाद से इस युवा खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। सईम ने 9 मैचों में 64.37 की औसत से 515 रन बनाए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो शतक और जिम्बाब्वे के खिलाफ एक शतक लगाया और उम्मीद थी कि वह इस बड़े टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से पाकिस्तान में होने वाला है जबकि हाईब्रिड मॉडल के तहत भारत के मैच दुबई में होंगे। पाकिस्तान टीम इस प्रकार है– मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

दिल्ली कैपिटल्स ने लॉन्च किया डीसी फैन सभा ऐप, फैंस को मिलेगा खास अनुभव

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीज़न से पहले, जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने अपने प्रशंसकों के लिए एक नया आधिकारिक मोबाइल ऐप डीसी फैन सभा लॉन्च किया है।

फैंस के लिए खास इनाम और अनुभव

दिल्ली कैपिटल्स हमेशा अपने फैन फर्स्ट दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता रहा है, और इसी सोच के तहत यह नया ऐप डिजाइन किया गया है। यह ऐप प्रशंसकों को दूसरी स्क्रीन का शानदार अनुभव देने के साथ-साथ उन्हें अनोखे इनाम और अवसर भी प्रदान करेगा। फैंस ऐप पर रजिस्टर कर विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिनमें मैच टिकट, एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज जैसे अनुभव शामिल हैं।

डीसी रिवाईसः पांच-स्तरीय लॉयल्टी प्रोग्राम

दिल्ली कैपिटल्स ने ऐप के जरिए एक पांच-स्तरीय वफादारी कार्यक्रम डीसी रिवाईस पेश किया है, जिसमें प्रशंसक ऐप के भीतर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अंक अर्जित कर सकते हैं। ये अंक उन्हें स्पेशल एक्सपीरियंस और इनाम अनलॉक करने का मौका देंगे।

ऐप लॉन्च पर दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स में, हमारे फैंस हमारी प्राथमिकता हैं। डीसी फैन सभा ऐप के माध्यम से हम उन्हें अनोखे अनुभव, रोमांचक गेम, पर्दे के पीछे की झलकियां और एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज का आनंद लेने का अवसर दे रहे हैं। यह ऐप सभी डीसी प्रशंसकों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनेगा। फैंस अब डीसी फैन सभा ऐप को एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड कर सकते हैं और दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने का एक नया और रोमांचक तरीका अपना सकते हैं।

दुबई में हुआ इंटरकांटिनेंटल लेजेंड्स चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण

दुबई, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

दुबई में आयोजित एक भव्य समारोह में इंटरकांटिनेंटल लेजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) की ट्रॉफी का अनावरण किया गया। यह लीग दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों को एक मंच पर लाने का काम करेगी।

आईएलसी का उद्घाटन सत्र 3 से 12 मार्च 2025 तक देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें अफ्रीका लायंस, अमेरिकन स्ट्राइकर्स, एशियन एवेंजर्स, यूरो ग्लैडीएटर्स, कैरेबियन हरिकेन्स और ट्रांस टाइटन्स नाम की छह टीमें हिस्सा लेंगी।

लीग प्रबंधन और विशेष अतिथियों की मौजूदगी – इस ट्रॉफी के अनावरण समारोह का आयोजन लीग के आधिकारिक प्रबंधक 100 स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।

आईएलसी के विजन पर चर्चा – लीग के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए आईएलसी के सीईओ प्रदीप सांगवान ने कहा, यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों को जोड़ने का माध्यम है। भारत से शुरू होकर यह लीग विभिन्न महाद्वीपों की यात्रा करेगी और प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट को एक नई दिशा देगी।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज हर्शेल गिब्स ने कहा, आईएलसी बाकी लीगों से इसलिए अलग है क्योंकि इसमें विभिन्न महाद्वीपों की टीमें शामिल हैं। यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव कराएगा और दर्शकों को बेहतरीन क्रिकेट का रोमांच देगा।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा, आईएलसी जैसी लीग उन खिलाड़ियों के लिए खास मायने रखती है, जो रिटायरमेंट के बाद भी प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। इस लीग में दोबारा मैदान पर लौटना मेरे लिए गर्व की बात है। आईएलसी लीग के सीईओ उमेश कुमार ने इस ऐतिहासिक पहल को लेकर कहा, यह लीग हमारे सपने के साकार होने जैसा है। जब हमने इसकी योजना बनाई थी, तब ही हमें विश्वास था कि हम क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक शानदार मंच तैयार कर रहे हैं। इस अवसर पर विधायक उमेश कुमार (खानपुर, उत्तराखंड), आईएलसी के सीईओ प्रदीप सांगवान, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज व आईएलसी के प्रमोटर हर्शेल गिब्स, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, आईएलसी लीग के निदेशक राहुल हुड्डा, गौरव कमल, मनीष भट्ट, दुबई के कारोबारी जितेंद्र कुमार सिंला, गायक व अभिनेता अली क़ुली मिर्जा और 100 स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के संस्थापक रविंद्र भाटी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आयकर विधेयक में बड़ा बदलाव, सरकार का सार्थक कदम

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा न केवल एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि इससे करदाताओं को बहुत सारे मुकदमेबाजी मामलों से बचने में मदद मिलेगी।

संसद की मंजूरी के बाद रिटर्न दाखिल करना आसान हो जाएगा

साकारी सूत्रों के अनुसार यह नया आयकर विधेयक करदाताओं के लिए कई सुविधाओं के साथ आया है। इसका उद्देश्य इसे पढ़ने और समझने में आसान बनाना है, जिससे करदाताओं को अधिक संभावनाएं और विवादों से बचाने में मदद मिल सके। सरकार द्वारा इस आयकर विधेयक को लोकसभा में पेश किया जाएगा, और उसकी मंजूरी की उम्मीद है। इसके साथ ही आगे कानून पास होने पर, विधेयक को वित्त पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष भेजा जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस विधेयक का जश्न तीव्र भावना के साथ किया और कहा कि यह नया कानून भारतीय न्याय संहिता के मूल दर्शन को मूर्त रूप देगा। इससे कर निश्चितता और मुकदमेबाजी में काफी सुधार आ सकता है। इस नए आयकर विधेयक के प्रमुख फीचर्स में शामिल है वर्तमान कानून के संदर्भ में बहुत सुधारने की स्पष्ट प्रमाणित तकनीक, जिससे करदाताओं और कर प्रशासन के लिए समझना आसान होगा। इस खास आयकर विधेयक के जरिए सरकार ने करदाताओं के साथ यथासंभाव सहयोग करने का संकल्प जाहिर किया है, जिससे आम जनता को एक नया और सरल करदाता-मित्र सुनिश्चिता दिया जा सके। इस आयकर विधेयक को गड़ने के पीछे सरकार का एक हेतु भी है, जो मुख्य रूप से इसे करदाताओं के लिए और संपूर्ण देश के वित्तीय स्थिति के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। विधेयक को नया आयकर विधेयक लागू किया जाने की उम्मीद है, और यह साकारी मंत्री और उनकी सरकार के द्वारा लिया गया यह अभूतपूर्व कदम, जिसके माध्यम से आयकर संबंधित विवादों और मुकदमों का संक्षेप में समाधान हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

एनएचपीसी का लाभ दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पनबिजली कंपनी एनएचपीसी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटकर 330.13 करोड़ रुपये हो गया। खर्च बढ़ने से कंपनी के लाभ में कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 623.28 करोड़ रुपये रहा था। एनएचपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 2,217.51 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,733.01 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय मामूली रूप से बढ़कर 2,616.89 करोड़ रुपये हो गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 2,549.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य पर 14 प्रतिशत की दर से अंतरिम लाभांश के भुगतान को भी मंजूरी दी।

सतत विकास को आगे बढ़ाने यूएनडीपी पश्चिम बंगाल में समझौता

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और पश्चिम बंगाल ने प्रमुख विकास प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में कहा गया कि साझेदारी मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिए जलवायु वित्त सहित विकास वित्त पर केंद्रित रहेगी। बयान के मुताबिक यह साझेदारी डेटा-संचालित नीति-निर्माण के लिए जवाबदेही हेतु निगरानी ढांचा स्थापित करेगी, डिजिटल समाधानों और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करेगा। जलवायु-अनुकूल कृषि और टिकाऊ आजीविका के माध्यम से हाशिए पर पड़े समुदायों को भी इससे समर्थन मिलेगा। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में जलवायु घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए सहयोग से तैयारियों और अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए नवीन आपदा मजबूती रणनीति भी विकसित की जाएगी।इस समझौता ज्ञापन पर पश्चिम बंगाल सरकार के वित्त एवं योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) प्रभात कुमार मिश्रा और यूएनडीपी की स्थानीय प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी ने हस्ताक्षर किए ।

ब्रिटानिया अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएगी, कंपनी का 6-6.5 फीसदी कीमत वृद्धि का लक्ष्य

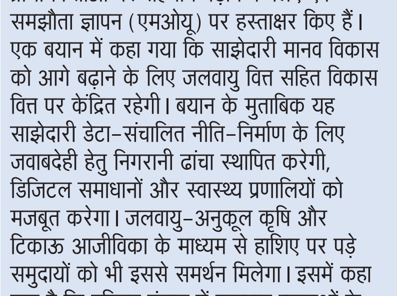

नई दिल्ली । एफएमसीजी की प्रमुख खिलाड़ी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस वित्त वर्ष के अंत तक अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 2 फीसदी तक की कीमत बढ़ोतरी कर दी थी। ब्रिटानिया जो ब्रांड्स जैसे कि ब्रिटानिया गुड डे और मारी गोल्ड का नाम रखती है, ने अपने निवेशकों को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 तक 4-4.5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है। महंगाई और कमजोर मांग के हालात पर ध्यान देते हुए, कंपनी ने 6-6.5 फीसदी कीमत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इस नए नीति के साथ ब्रिटानिया की समेकित शुद्ध लाभ में 31 दिसंबर को 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। इसके बावजूद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में एक चीयरपंटी देखी गई। ब्रिटानिया ने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की. कंपनी का मुनाफा 582 करोड़ रुपये रहा जो विश्लेषकों के 521 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक था। ब्रिटानिया का तिमाही राजस्व 8 फीसदी बढ़कर 4,593 करोड़ हो गया, जबकि कुल खर्च 9 फीसदी बढ़कर 3,875 करोड़ तक पहुंच गया. हालांकि, शेयर बाजार में ब्रिटानिया के शेयरों में शुक्रवार को 1.70 फीसदी की गिरावट देखी गई और यह 4,872 पर बंद हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी की युक्ति...

बल्लीमारान सीट से दिल्ली सरकार में मौजूदा कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन जीते। उन्होंने 29823 वोटों के अंतर से भाजपा के प्रत्याशी कमल बागड़ी को हराया। बाबरपुर विधानसभा सीट से आपा प्रत्याशी गोपाल राय जीते। उन्होंने 18994 वोटों के अंतर से भाजपा के प्रत्याशी अनिल वशिष्ठ को हराया। गोपाल राय पिछले 10 साल से केजरीवाल की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। सुल्तानपुर माजरा सीट से दिल्ली सरकार के मंत्री और आपा प्रत्याशी मुकेश कुमार अहलावत ने जीत दर्ज की है। मुकेश के सामने भाजपा से करम सिंह थे और कांग्रेस ने जय किशन को चुनाव मैदान में उतारा था। मुकेश कुमार ने 17126 वोटों के अंतर से भाजपा के करम सिंह को हराया।

शकूर बस्ती विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी करनैल सिंह जीते। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पूर्व मंत्री और पूर्व जेल यात्री सत्येंद्र जैन को 20998 वोटों से हराया। ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अमानतुल्लाह खान चुनाव जीत गए। उन्होंने भाजपा के मनीष चौधरी को हरा दिया। बिजवासन विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी कैलाश गहलोत चुनाव जीते। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुरेंद्र भारद्वाज को 11276 वोटों से हराया। रोहिणी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता चुनाव जीते। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी प्रदीप मित्तल को 37816 वोटों से हराया। वजीरपुर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी पूनम शर्मा चुनाव जीत गईं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राजेश गुप्ता को 11425 वोटों से हराया।

दिल्ली की मुस्लिम बहुल मुस्तफाबाद सीट पर मोहन सिंह बिष्ट ने आपा के अदील अहमद को हराया है। मोहन सिंह बिष्ट को 85 हजार से ज्यादा वोट मिले। उन्होंने अदील अहमद को 17 हजार वोटों से हराया। इसी सीट पर एआईएमआईएम ने भी दिल्ली दंगों के मास्टरमाइंड ताहिर हुसैन को टिकट दिया था। ताहिर हुसैन को इस सीट पर 33 हजार वोट मिले। वहीं कांग्रेस को इस सीट पर 11 हजार 763 मिले हैं। मुस्तफाबाद विधानसभा चुनाव की मतगणना में मोहन सिंह बिष्ट किसी भी राउंड में पीछे नहीं हुए। मुस्तफाबाद वही विधानसभा है, जो दिल्ली में 2020 के हिंदू विरोधी दंगों के समय काफी प्रभावित रही थी।

मोहन सिंह बिष्ट भाजपा के पुराने और बड़े नेता हैं। वह 1990 के दशक से दिल्ली की राजनीति में सक्रिय हैं। बिष्ट 1998 में पहली बार करावल नगर से भाजपा के ही टिकट पर विधायक बने थे। वह लगातार 2015 तक इस सीट से विधायक रहे। वह 2015 में आपा उम्मीदवार से हार गए थे। 2020 में वापस वह करावल नगर से विधायक चुने गए थे। उन्होंने यहां दुर्गेश पाठक को हराया था। मोहन सिंह बिष्ट कि 2025 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सीट बदल दी थी। करावल नगर सीट भाजपा ने हिंदू छवि वाले नेता कपिल मिश्रा को उतारा था।

उधर, दिल्ली में सत्ता परिवर्तन की स्थिति देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने दिल्ली सचिवालय को सील रखने का आदेश जारी किया है। सचिवालय के दस्तावेजों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए आदेश दिया गया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जाएगा। सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को भी निर्देश दिया गया है कि वे विभाग की अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल न हटाएं।

जनता ने शॉर्ट-कट ...

इस चुनाव में मैं जहां भी गया वहां मैं गर्व से कहता था कि मैं तो पूर्वांचल से सांसद हूं। पूर्वांचल से मेरा अपनेपन का रिश्ता है। पूर्वांचल के लोगों ने रिश्ते को प्यार, विश्वास की नई ऊर्जा दी है। उन्होंने कहा कि जब हर एक का साथ मिलता तो हर दिल्लीवासी को मेरी गारंटी है कि सबका साथ सबका विकास पूरी दिल्ली का विकास होगा। दिल्ली के विजय उत्सव के साथ अयोध्या के मिल्कीपुर में भी भाजपा को शानदार जीत मिली है। हर वर्ग ने भाजपा को अभूतपूर्व मत दिया है। आज देश तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण को चुन रहा है। दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की राजनीति, टकराव और प्रशासनिक अनिश्चितता ने लोगों का बहुत नुकसान किया। दिल्ली के विकास के सामने से बड़ी रुकावट लोगों ने दूर कर दी है। इन लोगों ने मेट्रो का काम रोका। आप-दा वालों ने झुग्गीवालों को घर देने से रोका। आयुष्मान भारत का लाभ मिलने नहीं दिया। अब जनता ने साफ संदेश दिया है। दिल्ली का शासन प्रचार, नौटंकी का मंच नहीं है। जनता ने डबल इंजन सरकार को चुना। हम पूरी तरह से धरातल पर रहकर काम करेंगे। हम दिल्ली की सेवा में दिन रात देंगे।

पीएम ने कहा, देश जानता है कि जहां एनडीए है वहां विकास और विश्वास है। एनडीए का हर जनप्रतिनिधि लोगों की जीत के लिए काम करता है। जहां एनडीए को जनादेश मिला है, हमने उस राज्य को विकास की ऊंचाई पर पहुंचाया है। लोग हमारी सरकारों को दूसरी-तीसरी बार चुन रहे हैं। हर राज्य में हमें दोबारा सत्ता मिली है। दिल्ली के पास यूपी है। एक जमाने में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था बड़ी चुनौती थी। यूपी में दिमागी बुखार का कहर बरसता था। हमने इसका अंत करने के लिए संकल्पबद्ध होकर काम किया। महाराष्ट्र में सूखा खत्म करने के लिए काम किया। हरियाणा में बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरी देने का काम किया। पूर्वोत्तर में लोगों को विकास की नई धारा से जोड़ा। गुजरात आज कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ा है। बिहार में नीतीश को अवसर मिला तो एनडीए की सरकार आने पर बदलाव आया। आंध्र में चंद्रबाबू नायडू ने अपना ट्रैक रिकॉर्ड साबित किया। एनडीए यानि विकास, सुशासन की गारंटी।

पीएम मोदी ने कहा, इस बार दिल्ली में झुग्गी में रहने वालों और मध्यम वर्ग ने भाजपा को जबरदस्त समर्थन दिया। हर वर्ग के प्रोफेशनल हमारी पार्टी में काम कर रहे हैं। हमारी पार्टी ने हमेशा मध्यम वर्ग को प्राथमिकता पर रखा। हमने दिल्ली में सबसे पहले मेट्रो का काम शुरू किया। अन्य शहरों में भी काम हुआ। अब लोग अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। अब लोगों को अच्छी स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधा मिल रही है। नारीशक्ति का आशीर्वाद हमारा रक्षा कवच है। नारीशक्ति ने एक बार फिर हमें आशीर्वाद दिया है। हमने हर राज्य में नारी शक्ति से किए हर वादे को पूरा किया है। आज करोड़ों माताओं बहनों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। दिल्ली की महिलाओं से किया वादा भी पूरा किया जाएगा। ये मोदी की गारंटी यानि गारंटी पूरा होने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि टूटी सड़कें, सीवरेज, प्रदूषित हवा से जनता परेशान रही है। भाजपा सरकार इसे दूर करेगी। आजादी के बाद पहली बार दिल्ली एन-सीआर में भाजपा का शासन आया है। यह सुखद संयोग है। इससे दिल्ली और एनसीआर में तरक्की के अनगिनत रास्ते खुलने जा रहे हैं। आने वाले समय में पूरे क्षेत्र में मोबिलिटी और बुनियादी ढांचे पर काम हो। युवाओं को तरक्की के अवसर मिलें। देश शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। पहले की सरकारों ने इसे चुनौती समझा। मेरा मानना है कि शहरीकरण लोगों को सशक्त करने का माध्यम है। दिल्ली भारत का गेटवे है। इसे देश का सर्वश्रेष्ठ शहरी बुनियादी ढांचा मिलना चाहिए। लोगों ने हमारा काम देखा है। अब हम पूरी शक्ति से काम में जुटेंगे। यह जनादेश विकास और विरासत की समृद्धि के लिए भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का केंद्र हैं। हम लोग हमारा सदा मंगल करने वाली यमुना देवी को नमस्कार करते हैं, लेकिन उसी यमुना की इन लोगों ने दुर्दशा कर दी है। दिल्ली तो यमुना की गोद में पनपी है। दिल्ली की आप-दा ने आस्था का अपमान किया। दिल्ली की आप-दा ने लोगों की भावनाओं, आस्था को पैरों तले कुचला है। अपनी नाकामी के लिए हरियाणा के लोगों पर आरोप लगाया है। मैंने संकल्प लिया है कि यमुना को दिल्ली की पहचान बनाएंगे। मैं जानता हूं कि ये काम कठिन है। यह लंबे समय का काम है। समय कितना ही न लगे, संकल्प मजबूत है तो यमुना जी का आशीर्वाद रहेगा। हम यमुना जी की सेवा के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि आप-दा वाले कहकर राजनीति में आए थे कि राजनीति बदल डालेंगे, लेकिन ये कट्टर बेईमान निकले। मैं आज अन्ना हजारे जी का बयान सुन रहा हूं। वे काफी समय से आप-दा वालों के कुकर्मों की पीड़ा झेल रहे हैं। आज उनको भी पीड़ा से मुक्ति मिली होगी। जिस पार्टी का जन्म ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन से हुआ, वे भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। उनके मुख्यमंत्री, मंत्री जेल गए। वे खुद को ईमानदार कहते थे और दूसरों को बेईमान कहते थे। शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। आप-दा वाले शीशमहल बना रहे थे। उन्होंने घोटाले छिपाने के लिए साजिश रचीं। अब पहले विधानसभा सत्र में सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखेंगे। भ्रष्टाचार की जांच होगी। लूटने वालों को लौटाना होगा। ये भी मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने कहा कि जनता ने एक बार फिर कांग्रेस को कड़ा संदेश दिया है। कांग्रेस ने जीरो की डबल हैट्रिक लगाई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का लगातार छह बार से दिल्ली में खाता नहीं खुल सका है। ये खुद को पराजय का गोल्ड मेडल दे रहे हैं। कांग्रेस पर देश भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस परजीवी पार्टी बन चुकी है। कांग्रेस एक के बाद एक अपने सहयोगियों को खत्म कर रही है। कांग्रेस अपने सहयोगियों की भाषा और एजेंडे को चुरा रही है। उनके मुद्दे चुराती है और फिर उनके वोट बैंक में सेंध लगाती है। यूपी में सपा और बसपा के वोट बैंक को चुराया। तमिलनाडु में डीएमके, बिहार में आरजेडी की जमीन को खाने में जुट गई है। कश्मीर और बंगाल में भी ऐसा किया गया। आज दिल्ली में भी साफ हुआ कि कांग्रेस का हाथ थामने वालों का बंटाधार हो जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2014 के बाद पांच साल तक हिंदू बनने की कोशिश की। उनको लगा कि ऐसा करके भाजपा के वोट बैंक सेंध लगा देंगे। मगर सफलता नहीं मिली। अब उनकी नजर राज्यों की पार्टियों पर है। इंडी गठबंधन के दल कांग्रेस का कैरेक्टर समझने लगे हैं। दिल्ली में हमने देखा कि इंडी के दलों ने एकजुट होकर कांग्रेस को हैसियत बताने की कोशिश की।

दिल्ली के दिल...

परिवर्तन किया। विकासवाद, गरीब, दलित की चिंता और काम किया, उस पर नतीजों ने मुहर लगाई है। एक समय में राजनीति में लोकलुभावने भाषण दिए जाते थे। पीएम मोदी ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति को जन्म दिया। उन्होंने जो कहा वो किया और जो नहीं कहा वह भी किया। यह बात जन-तन के जुबान पर चढ़ गई कि मोदी की गारंटी पूरी होती है।

नड्डा ने कहा कि चुनाव का संदेश कट्टर बेईमान नेता और कट्टर बेईमान पार्टी को मुंहतोड़ जवाब है। उन्होंने दिल्ली को कूड़ादान बना दिया था। उन्होंने घर-घर के आगे कूड़ों का ढेर लगा दिया। शुद्ध पानी की जगह जनता को गंदा पानी पीने को मजबूर किया। दिल्ली के बच्चों को विज्ञान की पढ़ाई से दूर रखा। लोगों को गड्ढों वाली सड़कों से दूर रखा। दिल्ली की जनता ने उनको घर बिठाया। आप-दा आम आदमी पार्टी झूठ बोलने की फैक्टरी है। झूठ की संपदा है। भ्रष्टाचार के नए-नए तरीके निकालने वाली फैक्टरी है। कट्टर ईमानदार कट्टर भ्रष्टाचारी निकले। वे जेल की हवा खाकर आए। उनकी हार से स्पष्ट है कि दिल्ली की जनता ने उनके जेल जाने पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को एक बार फिर बधाई देता हूं। एक और पार्टी है, जो अपने स्कोर पर बनी हुई है। हर चुनाव में नतीजे उनके जीरो रहेंगे।

शीशमहल...

ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली चुनाव में केंद्रीय भूमिका में थे। अमित शाह हर दिन हर विधानसभा की रिपोर्ट लेते थे और दिल्ली में हो रही चुनावी जनसभाओं की रणनीतियां तय करते थे। अमित शाह के प्रबंधन ने राजधानी दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता में वापसी में प्रमुख भूमिका निभाई। अमित शाह जमीनी स्तर पर प्रबंधन की रणनीति पर काम कर रहे थे। उन्होंने राज्यों के चुनावों का प्रभार संभालने वाले केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं को दो-दो विधानसभा सीटों पर जीत का जिम्मा सौंपा था और प्रतिदिन वह हर विधानसभा क्षेत्र की रिपोर्ट लेते रहे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मालवीय नगर और पीयुष गोयल को दिल्ली कैंट सहित दो-दो विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों की जीत का जिम्मा सौंपा था। वहीं, भूपेंद्र यादव को दक्षिणी दिल्ली की दो सीटों का प्रभार दिया गया था।

अमित शाह ने चुनिंदा बड़ी जनसभाओं के साथ-साथ छोटी-छोटी सभाओं और बैठकों पर ध्यान केंद्रित किया था और नेताओं को घर-घर जाकर मतदाताओं से सम्पर्क करने और उन्हें केंद्र की योजनाओं के फायदे बताने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इन कार्यक्रमों में राजधानी की अनुसूचित जाति बहुल सीटों और इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अमित शाह ने रणनीति पर काम किया और इसके तहत भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में मुफ्त बिजली, पानी सहित आप सरकार की अन्य कल्याणकारी योजन-ाओं को जारी रखने के अलावा महिलाओं को 2500 रुपये का मासिक भत्ता और 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सहित कई अन्य वादे किए थे। साथ ही पार्टी ने किसी स्थानीय चेहरे को आगे बढ़ाने के बजाय केवल मोदी के चेहरे को प्रमुखता दी। भाजपा को पता था कि पहले के चुनावों में पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी और पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की रणनीति फलीभूत नहीं हो सकी थी।

आम आदमी...

बिजली, पानी, यमुना के पानी, वायु प्रदूषण, टूटी सड़कों, गंदी नालियों, सीवर और सुशासन को मुद्दा बनाया और उस पर ही आप को घेरा। केजरीवाल की मुफ्त घोषणाओं के जवाब में भाजपा ने बाजी मारी। आपा और कांग्रेस के मजबूत नेताओं को तोड़कर उनके जरिए वो सीटें भी जीतीं, जो वह पहले नही जीत सकी थीं। जबकि केजरीवाल अपने नाराज नेताओं को भी नहीं संभाल सके। केजरीवाल ने पूर्वांचल के लोगों के बारे में बेजा बयान देकर भी अपनी शाख पर कुल्हाड़ी चला ली थी।

इस विधानसभा चुनाव में राजधानी में पंजीकृत महिला मतदाताओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया। महिलाएं समाज का वो वर्ग हैं जो बुनियादी सुविधाएं न मिलने पर सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। इन्हें पता होता है कि घर के नल से आता गंदा पानी, गली की टूटी सड़क, नाले में भरा पानी कैसे उनके परिवार के लिए घातक है। दिल्ली की महिलाओं को इन्हीं सबसे छुटकारा चाहिए था। उन्हें फ्री बिजली से ज्यादा साफ पानी की जरूरत थी। उन्हें मोहल्ला क्लिनिक से ज्यादा आयुष्माम योजना की जरूरत थी। इसीलिए उन्होंने 10 साल पहले केजरीवाल सरकार में संभावना देखकर उन्हें

मौका दिया था, मगर जब उनकी जरूरतें पूरी नहीं हुईं तो उन्होंने आपा को देखा-परखा और फिर बदलाव के नाम पर अपना वोट दिया।

आम आदमी पार्टी ने इन्हीं महिलाओं को टारगेट करते हुए 2100 रुपए देने का ऐलान किया था। लेकिन, दिल्ली की महिलाएं आपा की फ्री वाले हथकंडे को भांप चुकी थीं। उन्होंने उन 2100 रुपए से ज्यादा दिल्ली के विकास को तवज्जो दी। उधर भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र में महिलाओं से साफ कह दिया था कि वह न केवल दिल्ली को हर स्तर पर बेहतर बनाएगी बल्कि जो दिल्ली सरकार इस समय जनकल्याण की योजना चला रहे हैं उन्हें भी बंद नहीं करेगी। महिलाओं को इस बात पर डर नहीं था कि अगर वो आपा को वोट नहीं देंगी तो उनके घरेलू बजट पर कोई असर पड़ेगा। उलटा वह संतुष्ट थीं कि भाजपा से उन्हें सम्मान के तौर पर 2500 रुपए की राशि तो मिलेगी ही। साथ ही गर्भवतियों को 25000 रुपए की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा घर के गैस सिलेंडर, बिजली की भी उन्हें चिंता नहीं करनी होगी और दिल्ली में भाजपा के आने पर आयुष्मान योजना जैसी स्कीम भी लागू हो पाएंगी जिससे उनके परिवार को ही फायदा होगा।आम आदमी पार्टी और कांग्रेस जिस समय जातियों पर लोगों को बांटकर भाजपा के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रही थीं उस समय भाजपा लगातार मिडिल क्लास वर्ग पर फोकस बनाए हुई थी। बजट वाले दिन विपक्षी दलों की बाजी तब पलटी जब ऐलान हुआ कि अब 12 लाख रुपए तक कमाने वालों को कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। विपक्ष ने इस बजट को बकवास तक बताया, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि इस एक घोषणा ने दिल्ली के मिडिल क्लास को सीधे भाजपा के पाले में खड़ा कर दिया है। अभी तक आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भाजपा के खिलाफ जिस मिडिल क्लास को भड़का रही थी, उसी मिडिल क्लास को चुनावों से ठीक पहले केंद्र सरकार ने टैक्स में छूट देकर बड़ा तोहफा दे दिया था। इसके अलावा पिछले दिनों केंद्र सरकार ने जो 8वें वेतन आयोग को बनाने की घोषणा की थी उससे भी मिडिल क्लास काफी प्रभावित हुआ था। इस फैसले से करीबन 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को बढ़ी हुई सैलरी मिलती। वहीं 65 लाख रिटायर्ड केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की पेंशन और भत्ते में बढोतरी होती। पूर्वांचलियों ने भी दिल्ली में अपनी पूर्वांचल सम्मान मार्च जैसे इवेंट करके अपनी ताकत लगाई और नतीजे सामने हैं।इन सब वजहों के अलावा एक सबसे बड़ा कारण दिल्ली में भाजपा की जीत का यह भी था कि दिल्ली की जनता आए दिन आपा के काल में हो रहे भ्रष्टाचार की खबरों से त्रस्त हो गई थी। कभी शीश महल पर खर्च हुए 30-40 करोड़ रुपए की बात मीडिया में आ रही थी तो कभी दिल्ली शराब घोटाला के जरिए फजीहत हो रही थी। इन सारे मुद्दों ने पार्टी की छवि और नेताओं की ईमानदारी पर तमाम सवाल खड़े कर दिए थे। वहीं दिल्ली की सड़कों में हर साल भरने वाला पानी और 10 साल से यमुना के साफ करने के झूठे वादे ने भी लोगों का विश्वास आपा से उठा दिया था। इन्हीं सब बिंदुओं का फायदा भाजपा को दिल्ली के विधानसभा चुनावों में जमकर हुआ और उनके दिए नारे आपा-दा मुक्त का असर दिखा। जनता ने मोदी की गारंटियों पर भरोसा दिखाते हुए 5 फरवरी को कमल दबाया। जिसके परिणाम आज देखने को मिले। भाजपा की इस जीत में महिला और मिडिल क्लास एवं पूर्वांचली और पानी फैक्टर का बड़ा रोल दिख रहा है।

माघ पूर्णिमा 12 को मनाई जाएगी

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। हर महीने पूर्णिमा आती है। फरवरी में माघ पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। हिंदू धर्म में माघ पूर्णिमा का दिन अत्यंत शुभ व फलदायी माना गया है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, माघ माह का हर दिन दान-पुण्य के लिए विशेष माना गया है। लेकिन माघ पूर्णिमा यानी माघ माह का आखिरी दिन स्नान-दान के लिए अत्यंत शुभ व महत्वपूर्ण होता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान व दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी व भगवान विष्णु की पूजा का विधान है।

माघ पूर्णिमा कब है, स्नान-दान का मुहूर्त व महत्व:

माघ पूर्णिमा 2025 कब है: द्रिक पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि 11 फरवरी 2025 को शाम 06 बजकर 55 मिनट पर प्रारंभ होगी और 12 फरवरी 2025 को शाम 07 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथिके अनुसार माघ पूर्णिमा 12 फरवरी 2025 को मनाई जाएगी।

माघ पूर्णिमा के दिन बन रह ये शुभ मुहूर्त:

ब्रह्म मुहूर्त- 05:19 ए एम से 06:10 ए एम

प्रातः सन्ध्या - 05:45 ए एम से 07:02 ए एम

विजय मुहूर्त - 02:27 पी एम से 03:11 पी एम

गोधूलि मुहूर्त - 06:07 पी एम से 06:32 पी एम

अमृत काल- 05:55 पी एम से 07:35 पी एम

माघ पूर्णिमा स्नान-दान के शुभ चौघड़िया मुहूर्तः

लाभ - उन्नतिः 07:02 ए एम से 08:25 ए एम

अमृत - सर्वोत्तमः 08:25 ए एम से 09:49 ए एम

शुभ - उत्तमः 11:12 ए एम से 12:35 पी एम

लाभ - उन्नतिः 04:46 पी एम से 06:09 पी एम

माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रोदयः माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय शाम 05 बजकर 59 मिनट पर होगा।

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, पूर्णिमा तिथि पर चंद्रदेव की पूजा करने व अर्घ्य देने से जन्मकुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और जीवन में धन-धान्य बढ़ता है।

पूर्णिमा के दिन स्नान-दान का महत्वः हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन

दान-पुण्य आदि कर्म का अतिशीघ्र फल प्राप्त होता है। माघ पूर्णिमा के दिन कल्पवास का भी समापन होता है। माघ माह में कई भक्त एक माह तक प्रयाग स्थित गंगा किनारे निवास करते हैं, जिसे कल्पवास कहा जाता है।

गंगा स्नान और दान का क्या है महत्व

वैदिक पंचांग के अनुसार हर माह में आने वाली पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में माघ महीने की पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व होता है। इस माह की पूर्णिमा तिथि को माघी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। माघी पूर्णिमा पर गंगा स्नान विशेषकर तीर्थराज प्रयाग के संगम में करने का विशेष महत्व होता है। इस तिथि पर गंगा स्नान के साथ दान-पुण्य और भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। पूर्णिमा तिथि पर गंगा स्नान करने के साथ-साथ इस दिन पूजा-अर्चना करने से जीवन में संपन्नता, सुख, समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। इस वर्ष प्रयागराज में 144 वर्षों बाद महाकुंभ का आयोजन हो रहा है, इससे पूर्णिमा तिथि का महत्व काफी बढ़ गया है।

माघ पूर्णिमा का महत्व

हिंदू धर्म में माघ महीने की पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। यह तिथि माघ महीने की अंतिम तिथि होती है,फिर इसके बाद फाल्गुन माह की शुरुआत हो जाती है। माघ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान, दान और भगवान सत्यनारायण की कथ सुनने का विशेष महत्व होता है। माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी और चंद्रदेव की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन गंगा स्नान और दान करने से सभी तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है। स्कंद पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर स्नान से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस मास में प्रयागराज में 'माघ मेला' का आयोजन होता है, जिसे कुंभ के समान पवित्र माना गया है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, गाय, तिल, गुड़, और कंबल का दान इस मास में विशेष पुण्य फल देता है।

माघी पूर्णिमा और ज्योतिषीय महत्व

माघ महीने और इस माह में आने वाली पूर्णिमा तिथि का काफी ज्योतीषीय महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, माघ पूर्णिमा के दिन मन के कारक चंद्रमा कर्क राशि में और आत्मा के कारक सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस संयोग में ही माघी पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है। इस संयोग में गंगा स्नान और दान करने का विशेष महत्व और फलदायी होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु मत्स्य अवतार लिया था इसलिए गंगा में स्नान और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

माघ पूर्णिमा कथा

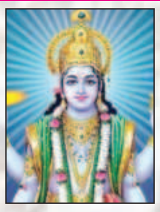

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार जब जगत के पालनहार विष्णु क्षीर सागर में विश्राम कर रहे थे, तो उस समय नारद जी का आगमन हुआ। नारद जी को देख भगवान विष्णु ने कहा कि हे महर्षि आपके आने की क्या वजह है? तब नारद जी ने बताया कि मुझे ऐसा कोई उपाय बताएं, जिसे करने से लोगों का कल्याण हो सके। विष्णु जी ने कहा कि जो जातक संसार के सुखों को भोगना चाहता है और मृत्यु के बाद परलोक जाना चाहता है। तो उसे पूर्णिमा तिथि पर सच्चे मन से सत्यनारायण पूजा-अर्चना करनी चाहिए। इसके बाद नारद जी ने भगवान श्रीहरि विष्णु ने व्रत विधि के बारे में विस्तार से बताया।

विष्णु जी ने कहा कि इस व्रत में दिन भर उपवास रखना चाहिए और शाम को भगवान सत्य नारायण की कथा का पाठ करना चाहिए और प्रभु को भोग अर्पित करें। ऐसा करने से सत्यनारायण देव प्रसन्न होते हैं।

पूर्णिमा पर भगवान विष्णु को राशि अनुसार लगाएं भोग, सभी संकट होंगे दूर

पूर्णिमा तिथि पर चंद्रमा अपनी सभी कलाओं से परिपूर्ण रहता है। इसी वजह से चंद्र देव के संग भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माघ पूर्णिमा के दिन पूजा और व्रत करने से भक्त को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं।

अगर आप जीवन में दुख और संकटों का सामना कर रहे हैं, तो माघ पूर्णिमा पर राशि अनुसार भगवान विष्णु को भोग लगाएं। इससे सभी समस्या दूर होगी और जीवन खुशहाल होगा।

राशि अनुसार भगवान विष्णु को अर्पित करें ये चीजें

मेष राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन श्रीहरि को लाल रंग के फल का भोग लगाएं। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है।

वृषभ राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन श्रीहरि को माखन-मिश्री का भोग लगाएं। इससे चंद्र दोष दूर होता है।

मिथुन राशि के जातक को माघ पूर्णिमा पर भगवान विष्णु के भोग में पीली चीजों को अर्पित करना चाहिए। इससे विष्णु जी प्रसन्न होते हैं।

कर्क राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन विष्णु जी को खंडित चावल से बनी खीर अर्पित करनी चाहिए। जिससे पूजा सफल होती है।

सिंह राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के भोग में गुड़ शामिल करें। इससे मनचाहा करियर मिलता है।

कन्या राशि के लोग माघ पूर्णिमा के दिन दूध में केसर मिलाकर भगवान विष्णु जी को भोग लगाएं।

तुला राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन केसर की खीर का विष्णु जी को भोग लगाएं।

वृश्चिक राशि के जातक माघ पूर्णिमा पर पंचामृत का भोग लगाएं। इससे विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है।

धनु राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु को केले का भोग लगाएं। इससे रुके हुए काम पूरे होंगे।

मकर राशि के जातक माघ पूर्णिमा पर श्रीहरि को नारियल अर्पित करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि के जातक माघ पूर्णिमा पर भगवान विष्णु को सफेद रंग की मिठाई का भोग लगाएं। इससे सफलता के मार्ग खुलेंगे।

मीन राशि के जातक माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु को बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। इससे सभी मुरादें पूरी होती हैं।

माघ पूर्णिमा पर करें ये उपाय, कर्ज के साथ समाप्त होगी घर की दरिद्रता

माघ पूर्णिमा का दिन बहुत ही शुभ माना गया है। इस दिन का बड़ा धार्मिक महत्व है। इस शुभ दिन पर भक्त स्नान, दान और जप जैसे पुण्य कार्यों में शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस अवधि के दौरान धार्मिक कार्यों में शामिल होने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही सुख, समृद्धि, संतान और मोक्ष की प्राप्ति होती है।इसके साथ ही यह महाकुंभ समारोह का एक प्रमुख आकर्षण है।

माघ पूर्णिमा के उपाय : मिलेगा अपार धन

माघ पूर्णिमा के दिन सुबह उठकर पवित्र स्नान करें। इसके बाद एक पीले रंग के कपड़े में काली हल्दी की 7 गाठें बांध लें। फिर उसे पूजा घर में रख दें और उसकी विधिवत पूजा-अर्चना करें।

इसके साथ ही मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु के वैदिक मंत्रों का जाप करें। अगले दिन उस हल्दी की गांठ को धन के स्थान पर रख दें। ऐसा करने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होगी।

दरिद्रता समाप्त करने के लिए

इस दिन एक चांदी का छोटा सा डिब्बा लें, उसमें काली हल्दी, सिंदूर और नागकेसर आदि चीजें रखें दें। फिर उसे धन की देवी और श्री हरि को अर्पित कर दें। अगले दिन उसे अपने घर की तिजोरी में जाकर रख दें। इस उपाय को करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। इसके साथ ही घर की दरिद्रता का नाश होगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल माघ पूर्णिमा 11 फरवरी को शाम 06 बजकर 55 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन 12 फरवरी को शाम 07 बजकर 22 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का बहुत ज्यादा महत्व है। ऐसे में 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा) का पर्व मनाया जाएगा।

माघ पूर्णिमा पर घर में जलाएं दीया, हमेशा बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

सनातन शास्त्रों में माघ पूर्णिमा का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना की जाती है, साथ ही पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद दीपक जलाने की परंपरा भी है। धार्मिक मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। इस लेख में हम जानेंगे कि माघ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर किन स्थानों पर दीपक जलाने से व्यक्ति को पूजा का पूरा फल मिलता है।

पितृ दोष से मिलेगा छुटकारा

माघ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा बहुत पुरानी है। इस दिन विशेष मुहूर्त में पवित्र नदी में स्नान करने के बाद दीपदान करें और जीवन में सुख-शांति की कामना करें। मान्यता है कि इस दिन यह उपाय करने से मन की नकारात्मकता दूर होती है और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

माघ पूर्णिमा के दिन देसी घी का दीपक जलाकर प्रभु की आरती करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। साथ ही विष्णु जी के मंत्रों का जाप करने से पूजा सफल होती है और विष्णु जी की कृपा से व्यापार में वृद्धि होती है। इस प्रकार पूजा का पूरा फल प्राप्त होता है।

कभी नहीं होगी धन की कमी

पूर्णिमा तिथि पर तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन मां तुलसी की पूजा करते समय देसी घी का दीपक जलाएं और उनकी आरती करें। मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की कामना करें। ऐसा करने से मां तुलसी प्रसन्न होती हैं और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

माघ पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी बहुत लाभकारी होता है। इस उपाय से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इसके अलावा, आर्थिक तंगी की समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

माघ पूर्णिमा के दिन देसी घी का दीपक जलाकर प्रभु की आरती करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। साथ ही विष्णु जी के मंत्रों का जाप करने से पूजा सफल होती है और विष्णु जी की कृपा से व्यापार में वृद्धि होती है। इस प्रकार पूजा का पूरा फल प्राप्त होता है।

कभी नहीं होगी धन की कमी

पूर्णिमा तिथि पर तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन मां तुलसी की पूजा करते समय देसी घी का दीपक जलाएं और उनकी आरती करें। मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की कामना करें। ऐसा करने से मां तुलसी प्रसन्न होती हैं और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

माघ पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी बहुत लाभकारी होता है। इस उपाय से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इसके अलावा, आर्थिक तंगी की समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

माघ पूर्णिमा के दिन देसी घी का दीपक जलाकर प्रभु की आरती करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। साथ ही विष्णु जी के मंत्रों का जाप करने से पूजा सफल होती है और विष्णु जी की कृपा से व्यापार में वृद्धि होती है। इस प्रकार पूजा का पूरा फल प्राप्त होता है।

कभी नहीं होगी धन की कमी

पूर्णिमा तिथि पर तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन मां तुलसी की पूजा करते समय देसी घी का दीपक जलाएं और उनकी आरती करें। मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की कामना करें। ऐसा करने से मां तुलसी प्रसन्न होती हैं और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

माघ पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी बहुत लाभकारी होता है। इस उपाय से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इसके अलावा, आर्थिक तंगी की समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

पूर्णिमा पर करें मां लक्ष्मी के इन मंत्रों का जाप, कभी खाली नहीं होगी आपकी तिजोरी

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को प्रिय है। पंचांग के अनुसार, माघ माह में पूर्णिमा 12 फरवरी को है। धार्मिक मान्यता है कि माघ पूर्णिमा व्रत को करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही पवित्र नदी में स्नान करने से पापों से छुटकारा मिलता है। ऐसे में इस दिन पूजा के दौरान मां लक्ष्मी के 108 नामों का जप करना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन में वृद्धि होती है। साथ ही कभी भी तिजारो खाली नहीं होती है।

मां लक्ष्मी के 108 नाम

ऊँ प्रकृत्यै नमः 2. ऊँ विकृत्यै नमः 3. ऊँ विद्यायै नमः 4. ऊँ सर्वभूत-हितप्रदायै नमः 5. ऊँ श्रद्धायै नमः 6. ऊँ विभूत्यै नमः 7. ऊँ वसुन्धरायै नमः 8. ऊँ उदारांगायै नमः 9. ऊँ हरिण्यै नमः 10. ऊँ हेममालिन्यै नमः 11. ऊँ धनधान्य-कर्ये नमः 12. ऊँ सिद्धयै नमः 13. ऊँ स्त्रैणसौम्यायै नमः 14. ऊँ शुभप्रदायै नमः

अगर आप मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं, तो माघ पूर्णिमा पर कच्चे दूध से महादेव का अभिषेक करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से मानसिक तनाव से छुटकारा मिलता है। साथ ही शिव जी प्रसन्न होते हैं।

15. ऊँ नृपवेश्मगतानन्दायै नमः 16. ऊँ सुरभ्यै नमः 17. ऊँ परमात्मिकायै नमः 18. ऊँ वाचे नमः 19. ऊँ पद्मालयायै नमः 20. ऊँ पद्मायै नमः 21. ऊँ शुचय़ै नमः 22. ऊँ स्वाहायै नमः23. ऊँ स्वधायै नमः 24. ऊँ सुधायै नमः 25. ऊँ धन्यायै नमः 26. ऊँ हिरण्मयै नमः 27. ऊँ लक्ष्म्यै नमः 28. ऊँ नित्यपुष्टायै नमः 29. ऊँ विभावर्यै नमः 30. ऊँ अदित्यै नमः 31. ऊँ दित्यै नमः 32. ऊँ दीप्तायै नमः 33. ऊँ वसुधायै नमः 34. ऊँ वसुधारिण्यै नमः 35. ऊँ कमलायै नमः 36. ऊँ कान्तायै नमः 37. ऊँ कामाक्ष्यै नमः 38. ऊँ क्रोधसंभवायै नमः 39. ऊँ अनुग्रहप्रदायै नमः 40. ऊँ बुद्धये नमः41. ऊँ अनघायै नमः 42. ऊँ हरिवल्लभायै नमः 43. ऊँ अशोकायै नमः 44. ऊँ अमृतायै नमः 45. ऊँ दीप्तायै नमः 46. ऊँ लोकशोकविनाशिन्यै नमः 47. ऊँ धर्म-निलयायै नमः 48. ऊँ करुणायै नमः 49. ऊँ लोकमात्रे नमः 50. ऊँ पद्मप्रियायै नमः 51. ऊँ पद्महस्तायै नमः 52. ऊँ पद्माक्ष्यै नमः 53. ऊँ पद्मसुन्दर्यै नमः 54. ऊँ पद्मोद्भवायै नमः 55. ऊँ भास्कर्यै नमः 56. ऊँ बिल्वनिलयायै नमः 57. ऊँ वरारोहायै नमः 58. ऊँ यशस्विन्यै नमः 59. ऊँ वरलक्ष्म्यै नमः 60. ऊँ वसुप्रदायै नमः61. ऊँ शुभायै नमः

माघ पूर्णिमा कि दिन विष्णु जी और मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं। साथ ही जीवन में सुख-शांति के आगमन के लिए कामना करें। मान्यता है कि इस टोटके को करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं। साथ ही पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

62. ऊँ हिरण्यप्राकारायै नमः 63. ऊँ समुद्रतनयायै नमः 64. ऊँ पद्ममुख्यै नमः 65. ऊँ पद्मनाभप्रियायै नमः 66. ऊँ रमायै नमः 67. ऊँ पद्ममालाधरायै नमः 68. ऊँ देव्यै नमः 69. ऊँ पद्मिन्यै नमः 70. ऊँ पद्मगन्धिन्यै नमः 71. ऊँ पुण्यगन्धायै नमः 72. ऊँ सुप्रसन्नायै नमः 73. ऊँ प्रसादाभिमुख्यै नमः 74. ऊँ प्रभायै नमः 75. ऊँ चन्द्रवदनायै नमः 76. ऊँ चन्द्रायै नमः 77. ऊँ चन्द्रसहोदर्यै नमः 78. ऊँ चतुर्भुजायै नमः 79. ऊँ विष्णुपत्न्यै नमः 80. ऊँ प्रसन्नाक्ष्यै नमः 81. ऊँ नारायणसमाश्रितायै नमः 82. ऊँ दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः 83. ऊँ देव्यै नमः 84. ऊँ सर्वोपद्रव-वारिण्यै नमः 85. ऊँ नवदुर्गायै नमः 86. ऊँ महाकाल्यै नमः 87. ऊँ ब्रह्माविष्णु-शिवात्मिकायै नमः 88. ऊँ त्रिकालज्ञान-संपन्नायै नमः 89. ऊँ भुवनेश्वर्यै नमः 90. ऊँ चन्द्ररूपायै नमः 91. ऊँ इन्दिरायै नमः 92. ऊँ इन्दुशीतलायै नमः 93. ऊँ अह्लादजनन्यै नमः 94. ऊँ पुष्टयै नमः 95. ऊँ शिवायै नमः 96. ऊँ शिवकर्यै नमः 97. ऊँ सत्यै नमः 98. ऊँ विमलायै नमः 99. ऊँ विश्वजनन्यै नमः 100. ऊँ तुष्टयै नमः 101. ऊँ दारिद्र्यनाशिन्यै नमः 102. ऊँ प्रीतिपुष्करिण्यै नमः 103. ऊँ शान्तायै नमः 104. ऊँ शुक्लमाल्यांबरायै नमः 105. ऊँ श्रियै नमः 106. ऊँ जयायै नमः 107. ऊँ मंगलादेव्यै नमः 108. ऊँ विष्णुवक्षस्थलस्थितायै नमः

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

मीना कुमारी और उनकी बहन की ये तस्वीर है प्योर गोल्ड

फिल्म प्रीमियर का मतलब इन दिनों ये हो चुका है कि उससे पहले सितारों का रेड कार्पेट पर वॉक जरूर होगा और उसके बाद ये चर्चे भी होते रहेंगे कि कौन सा सितारा किस लुक में नजर आया। फिल्म देखने लायक हो या न हो पर कार्पेट पर सितारों के लुक्स जरूर यादगार हो जाते हैं। लेकिन एक जमाना ऐसा भी था जब फिल्म के प्रीमियर शोज सिर्फ फिल्म की तारीफ या आलोचना और जानकारों के रिएक्शन जानने के लिए हुआ करते थे। सितारे तब भी इन प्रीमियर शोज का हिस्सा होते थे। लेकिन उनकी ही शो का आकर्षण हुआ करती थी। ऐसे ही एक प्रीमियर में मीना कुमारी की सादगी देख आप उन पर फिदा हो जाएंगे। 1952 की इस ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में वो अपनी बहन और कोस्टार्स के साथ नजर आ रही हैं। इस विंटेज फोटो को बॉलीवुड ट्रिविया पिक के इंस्टाग्राम हैंडल ने शेयर किया है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं बायें से पहले जो शख्स हैं वो है उस दौर के नामी सितारे भारत भूषण हैं। उनके बगल में खड़ी हैं मीना कुमारी। उनके बगल में हैं उनकी बहन मधु अली और बाएं से आखिरी उनके एक और कोस्टार सुरेंद्र। इस तस्वीर को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस दौर के सबसे हिट सितारे भी किस सादगी के साथ फिल्म के प्रीमियर में शामिल हुए थे। खुद मीना कुमारी एक सिंपल का कुर्ता पहने दिख रही हैं। उनके एक कंधे पर डला है जिसके साथ उन्होंने बहुत छोटे झुमके पेयर किए हैं।

इस फिल्म का था प्रीमियर

इंस्टाग्राम हैंडल के मुताबिक ये फोटो 5 अक्टूबर 1952 में रिलीज हुई फिल्म बैजू बावरा के प्रीमियर की है। भारत भूषण फिल्म के टाइटल रोल में थे और मीना कुमारी उनकी लव इंटरेस्ट बनी थीं। फिल्म बादशाह अकबर के जमाने की थी जिसमें बैजू बावरा नाम का गायक तानसेन को चुनौती देता है। इसके साथ ही फिल्म में रोमांस का एक अलग एंगल भी नजर आता है। फिल्म के आखिर में बैजू और उनकी प्रेमिका दोनों नदी की गहराइयों में समा जाते

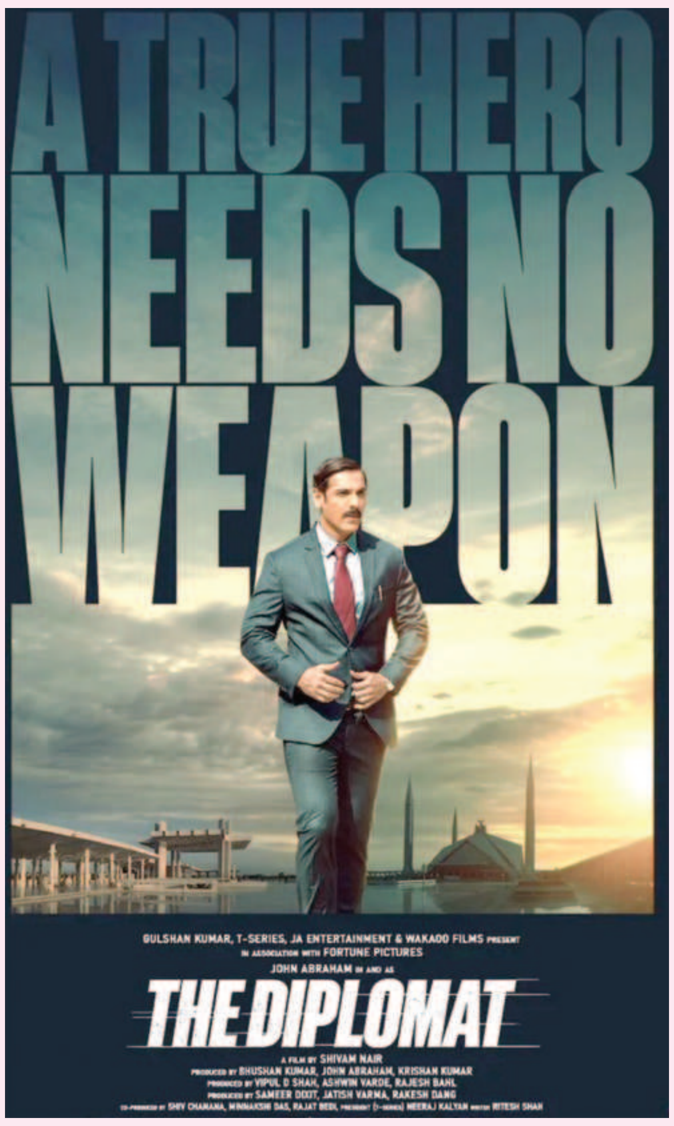

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट को मिली नई रिलीज तारीख, नया पोस्टर आया सामने

जॉन अब्राहम ने प्रशंसकों के साथ एक दिलचस्प सरप्राइज शेयर किया है। अभिनेता-निर्माता ने वेदा के बाद अपनी अगली फिल्म की घोषणा की है , जिसमें वह एक बार फिर पावर-पैक एक्शन स्टार के रूप में नजर आएंगे। द डिप्लोमैट नामक इस फिल्म की घोषणा कुछ साल पहले प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के सहयोग से की गई है।इस फर्स्ट लुक पोस्टर में अभिनेता काफी फॉर्मल अवतार में नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि फिल्म मद्रास कैफे , परमाणु और बाटला हाउस जैसे उनके यह फिल्म भी किसी राजनीतिक ड्रामा की तर्ज पर होगी । इंस्टाग्राम पर इसके बारे में साझा करते हुए, अभिनेता ने फोटो को कैप्शन दिया, साहस और कूटनीति की इस कहानी को जीवंत करने के लिए सम्मानित। देश को हिला देने वाली एक सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में शक्ति, देशभक्ति की एक मनोरंजक कहानी दिखाने की उम्मीद है।पोस्ट में, अभिनेता ने रिलीज की तारीख यानी 7 मार्च, 2025 भी साझा की। द डिप्लोमैट के बारे में अधिक बात करते हुए, जॉन एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म शिवम नायर द्वारा निर्देशित और रितेश शाह द्वारा लिखित है। यह फिल्म टी-सीरीज, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है।पहले यह फिल्म 11 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में इसे बदल दिया गया। प्रशंसक लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में यह घोषणा उनके फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है।बता दें कि फिल्म का निर्माण जॉन अब्राहम, भूषण कुमार, समीर दीक्षित, अश्विन, राजेश बहल, विपुल शाह और कृष्णन कुमार मिलकर कर रहे हैं। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जो नाम शबाना और मुखबिर जैसी फिल्म और वेब सीरीज बना चुके हैं।

ओपनिंग डे पर छाई विदामुयार्ची, नॉर्थ अमेरिका में अजित कुमार की फिल्म ने तोड़ा कमाई का ये रिकॉर्ड

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की एक्शन थ्रिलर फिल्म विदामुयार्ची ने ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। दो साल बाद पर्दे पर लौटे अजित कुमार ने फैंस को फिल्म विदामुयार्ची से मनोंरजन का बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म विदामुयार्ची को भारत में बड़ी ओपनिंग मिली है। वहीं, अजित ने विदामुयार्ची से नॉर्थ अमेरिका में अपने लिए कमाई से इतिहास रच दिया है। बार-बार पोस्टपोन होने के बाद फिल्म विदामुयार्ची को आखिरकार थिएटर नसीब हुए और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस ही हिला डाला है। इससे पहले अजिन ने साल 2023 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म थुनिवू से धमाका किया था। थुनिवू अजित की नॉर्थ अमेरिका में सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म थी, जिसका रिकॉर्ड विदामुयार्ची ने तोड़ दिया है। बता दें, विदामुयार्ची साल 1997 में रिलीज हुई अमेरिकन फिल्म ब्रेकडाउन से अडेप्ट की गई है।विदामुयार्ची की रिलीज से पहले अटकलें थी फिल्म 16 करोड़ रुपये से ओपनिंग करेगी, लेकिन पॉपुलर इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की मानें तो फिल्म विदामुयार्ची ने पहले दिन 22 करोड़ रुपये से खाता खोला है, हालांक फिल्म का ऑफिशियल आंकड़ा आना बाकी है। विदामुयार्ची ने तमिल में 21.5 करोड़ रुपये और तेलुगू में 0.5 करोड़ रुपये कमाए हैं। विदामुयार्ची का निर्देशन मगीज तिरुमेनी ने किया है। वहीं, ओपनिंग डे पर फिल्म का ऑक्यपेंसी रेट 61.23 दर्ज किया गया है।अजित ने विदामुयार्ची से नॉर्थ अमेरिका में कमाई के झंडे गाड़ दिए हैं। ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला की मानें तो विदामुयार्ची ने प्रीमियर शो और ओपनिंग डे को मिलाकर कुल 440 हजार डॉलर की कमाई है। वहां, फिल्म 5 फरवरी को पर्दे पर लगी थी। वहीं, मलेशिया में विदामुयार्ची ने भी तगड़ी पकड़ बनाई है।

परेश रावल की तेरा यार हूं मैं से जुड़ीं नेहा खान

पिछले काफी समय से दिग्गज अभिनेता परेश रावल अपनी आगामी फिल्म तेरा यार हूं मैं को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है।

यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए जाने-माने निर्देशक और निर्माता इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।अब तेरा यार हूं मैं की स्टार कास्ट में नेहा खान भी शामिल हो गई हैं।रिपोर्ट के अनुसार, तेरा यार हूं मैं में अमन की जोड़ी नेहा के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।निर्माताओं ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए नेहा से संपर्क किया है और अभिनेत्री ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि नेहा फिल्म में तनिषा नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी।तेरा यार हूं मैं जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।इस फिल्म निर्माता इंद्र कुमार हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी।उदित नारायण और आदित्य नारायण मिलकर इस फिल्म के गानों में अपनी आवाज देने वाले हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लकी हूं कि सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला : कृष्णा पाटिल

फिल्म फतेह से करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री कृष्णा प्रकाश पाटिल ने अभिनेता सोनू सूद के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। उनका मानना है कि कहानी कहने के प्रति सोनू सूद का समर्पण प्रेरणादायक है।कृष्णा पाटिल खुद को लकी मानती हैं क्योंकि उन्हें न केवल अपनी पहली फिल्म में सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला, बल्कि सूद ने उन्हें गाइड भी किया।उन्होंने कहा, सोनू सर के साथ काम करने का मेरा अनुभव बढ़िया रहा। वह एक प्रतिभाशाली अभिनेता और निर्देशक हैं, जिनके काम में जुनून के साथ ऊर्जा भी है।उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सह-कलाकारों से सर्वश्रेष्ठ अभिनय करवा सकने की उनकी क्षमता की प्रशंसा करती हूं। इसके अलावा, उन्होंने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की और कहानी कहने के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। मैं उनके साथ काम करके खुद को लकी मानती हूं।कृष्णा पाटिल विज्ञान में स्नातक करने के बाद एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के लिए मुंबई आई थीं। उन्हें अपनी पहली फिल्म के लिए प्रोडक्शन कंपनी से सीधा फोन कॉल आया था।उन्होंने बताया, मैंने पहले सोनू सूद के साथ कुछ विज्ञापनों में काम किया था और उनकी प्रोडक्शन टीम ने मुझे फतेह के ऑडिशन के लिए संपर्क किया। मैं चुनी गई और इस तरह मुझे पहला रोल मिला।अपने बड़े ब्रेक से पहले कृष्णा पाटिल एक मॉडल के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने टीवी, विज्ञापनों, प्रिंट कैंपेन और म्यूजिक वीडियो में काम किया। उनका पहला टेलीविजन विज्ञापन अभिनेता बोमन ईरानी के साथ था।कृष्णा पंजाबी सिंगर और अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके म्यूजिक वीडियो नखरे में भी काम कर चुकी हैं।फतेह की बात करें तो इस फिल्म को शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज ने तैयार किया है। सह-निर्माता अजय धामा हैं। फिल्म का निर्देशन करने के साथ ही मुख्य भूमिका भी सोनू सूद ने निभाई है।सोनू सूद के साथ फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

धूम धाम का नया पोस्टर रिलीज

यामी गौतम को पिछली बार फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। इस फिल्म में उनकी काम की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। पिछले कुछ दिनों से यामी अपनी आगामी फिल्म धूम धाम को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ बनी है और यह दोनों के बीच पहला सहयोग है।अब धूम धाम का पहला पोस्टर सामने आ गया है।धूम धाम के नए पोस्टर में यामी और प्रतीक की झलक दिख रहा है। जहां यामी हाथ में बंदूक थामे नजर आ रही हैं, वहीं प्रतीक काफी डरे हुए दिख रहे हैं।फिल्म के लेखक यामी के पति आदित्य धर हैं, वहीं ऋषभ सेठ इसके निर्देशक हैं।धूम धाम रोमांस और कॉमेडी से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें शादी के इर्द-गिर्द मस्ती भरी कहानी पेश की जाएगी।इस फिल्म को यामी गौतम के पति आदित्य धर प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। बेशक फिल्म का पोस्टर मजेदार अंदाज में साझा किया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने को जा सकते हैं। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मानसिक तौर पर आप स्थिर महसूस नहीं करेंगे– इसलिए इस बात का ख़याल रखें कि दूसरों के सामने आप कैसे बर्ताव करते और बोलते हैं। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करें–गे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जीवनस–ाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे । आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज आपको अपने कामों को समय पर निप–टाने की कोशिश करनी चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सिर्फ़ सकारात्मक विचारों के ज़रिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में दिल लगाने से बचें नहीं तो आपकी बदनामी हो सकती है। यदि आप किसी से जुड़ना भी चाहते हैं तो ऑफिस से दूरी बनाकर ही उनसे बात करें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान–पुण्य के काम में सहभागिता करें। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। गर्लफ्रेण्ड/बॉयफ्रेण्ड से धोखा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आपका जीवनसाथी रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा करने से अपने हाथ पीछे खींच सकता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 09 फरवरी 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 07:28 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 05:53 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 12:06 तक
करण : बव प्रात: 07:50 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:07 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भीष्म द्वादशी , श्याम बाबा की बारस

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में अंशकालीन पुजारियों का मानदेय बढ़ा, 7500 प्रतिमाह

प्रयागराज/जयपुर,08 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुम्भ में संगम स्थल पर स्नान के बाद प्रयागराज स्थित राजस्थान मंडपम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली प्रचण्ड एवं ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए बैठक में उनका आभार प्रकट किया गया। 144 वर्ष के अंतराल पर हो रहे महाकुंभ के दौरान आयोजित इस बैठक में देवस्थान विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए।

मंत्रिपरिषद की बैठक में देवस्थान विभाग के प्रत्यक्ष प्रभार श्रेणी के 390 मंदिरों एवं आत्म निर्भर श्रेणी के 203 मंदिरों में सेवा पूजा, भोग, प्रसाद, उत्सव, पोशाक, जल एवं प्रकाश, सुरक्षा संचालन व्यवस्था आदि के लिए भोगराग को दोगुना करते हुए 3 हजार रुपए प्रति मंदिर प्रति माह किए जाने का निर्णय लिया गया। एक और महत्वपूर्ण फैसला करते हुए देवस्थान विभाग में प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर मंदिरों में कार्यरत अंशकालीन पुजारियों को दिए जा रहे मानदेय को 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 7500 रुपए प्रतिमाह करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

देवस्थान विभाग के प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार के 6 मंदिरों तथा आत्म निर्भर श्रेणी के 26 मंदिरों के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं विकास कार्यों के लिये 101 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। राज्य के बाहर स्थित देवस्थान विभाग के मंदिरों का सर्वे करवाते हुए इनकी वास्तविक संख्या पता कर इन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा। जीर्ण-शीर्ण हो चुके ऐसे मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 25 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इन निर्णय की स्वीकृति भी मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदान की गई।

गर्मियों में हो लोड का बेहतर प्रबंधन: डिस्कॉम चेयरमैन

जयपुर,08 फरवरी (एजेंसियां)। डिस्कॉम्स चेयरमैन रती डोगरा ने प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों के अभियंताओं को गर्मी में लोड का बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर डिस्कॉम के सभी अधिशाषी अभियंता (ओ एंड एम) फरवरी माह में अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले 33 केवी ग्रिड सब स्टेशनों तथा अधिक ट्रिपिंग वाले फीडरों का निरीक्षण करें। जिससे कि गर्मियों में होने वाली बिजली की मांग में बढ़ोतरी के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अभी से सुनिश्चित की जा सकें।

डोगरा शनिवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से तीनों विद्युत वितरण निगमों के अधिकारियों के साथ लोड प्रबंधन, शत-प्रतिशत बिलिंग, बकाया राजस्व वसूली, डिफेक्टिव मीटर बदलने तथा उपभोक्ता सेवाओं से संबंधित विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान भार के अनुरूप अधिक क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने, केबल, रोस्टर स्विच, आइसोलेटर, वीसी ब्रेकर जैसे लाइन मैटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर से ऑयल लीकेज सहित अन्य तकनीकी कमियों को अभी से सुधारा जा सकेगा।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिए कि वे अभियंताओं को डिमांड साइड और लोड मैनेजमेन्ट का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम निर्धारित करें। उल्लेखनीय है कि जयपुर डिस्कॉम के अधिशासी अभियंताओं को इस संबंध में शुक्रवार को ही ऊर्जा विकास निगम के विशेषज्ञों द्वारा ही प्रशिक्षण दिया गया है। डोगरा ने शत-प्रतिशत बिलिंग तथा बकाया राजस्व अर्जन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मीटर खराब होने के कारण औसत उपभोग के आधार बिलिंग करनी पड़ती है। ऐसे में डिफेक्टिव मीटरों को तत्काल बदला जाए।

डोगरा ने गर्मियों में बिजली की मांग में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए आरडीएसएस योजना के तहत चल रहे जीएसएस निर्माण तथा फीडर पृथक्कीकरण के कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने कहा कि शत- प्रतिशत बिलिंग के लिए डिस्कॉम के सभी सर्किलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही, उन्हें फील्ड का दौरा कर रेवेन्यू रियलाइजेशन बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक श्री के पी वर्मा ने बताया कि शहरी क्षेत्र में संभावित भार वृद्धि को देखते हुए ट्रांसफार्मर के लोड मेनेजमेंट पर विशेष फोकस किया जा रहा है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों के तकनीकी निदेशकों ने गर्मी के सीजन की तैयारियों के बारे में अवगत कराया। बैठक में डिस्कॉम्स चेयरमैन ने वृत्तवार अधीक्षण अभियंताओं तथा जोनल मुख्य अभियंताओं से बकाया राजस्व के अर्जन तथा शत-प्रतिशत बिलिंग पर चर्चा कर निर्देश दिए।

दिल्ली की जीत पर जयपुर में जश्न

वसुंधरा और मदन राठौड़ ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया

जयपुर,08 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद जयपुर में जश्न का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचीं, जहां प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनका स्वागत किया और मिठाई खिलाई। श्रीमती राजे ने भी राठौड़ को लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की।

इस मौके पर वसुंधरा राजे ने कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक जनादेश स्पष्ट करता है कि दिल्लीवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी जी के नेतृत्व में समृद्ध और प्रगतिशील राजधानी के निर्माण का संकल्प लिया है। उन्होंने इस जीत का श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि यह उनकी अथक मेहनत और परिश्रम का परिणाम है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी कार्यकर्ताओं का आभार जताया और कहा कि यह जीत भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता के विश्वास का प्रमाण है।

प्रदेशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया और ढोल-नगाड़ों के साथ पटाखे जलाए। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और मोदी-मोदी के नारे लगाए।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई, डोडाचूरा जब्त किया

चित्तौड़गढ़,08 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम तुम्बडिया में एक कार्रवाई के दौरान 502.900 किग्रा डोडाचूरा जब्त किया गया। यह कार्रवाई नरेश बुंदेल, उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा (राजस्थान) के मार्गदर्शन में की गई।

चित्तौड़गढ़ यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम तुम्बडिया के एक निजी स्थान पर बड़ी मात्रा में डोडाचूरा रखा गया है। सूचना के आधार पर अधीक्षक (निवारक) के नेतृत्व में टीम को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। पुलिस ने मिठ्ठूलाल पिता रतनलाल गाडरी के बाड़े में छापा मारा, जहां स्कॉर्पियो और इसुजु गाड़ी में 24 कट्टों में भरा हुआ 502.900 किग्रा डोडाचूरा बरामद किया गया। यह बरामदगी 07 फरवरी 2025 को हुई। जब्त मादक पदार्थ को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8/15 के तहत सीज कर लिया गया। इस संबंध में प्रकरण संख्या 04/2025 दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की पहचान और इस तस्करी नेटवर्क की विस्तृत जांच जारी है। सी.बी.एन. ने बयान जारी कर कहा है कि नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ इसी तरह के कठोर अभियान लगातार जारी रहेंगे। यह कार्रवाई राज्य में अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली चुनाव में प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर जनता की मुहर : सैनी

चंडीगढ़,08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली की जनता का अभिनंदन व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा को स्पष्ट जनादेश देकर दिल्ली में कमल खिला कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, सामाजिक कल्याण की गारंटियों पर मुहर लगाई है। भाजपा दिल्ली को उसका गौरव और सम्मान वापस दिलाएगी। यह चुनाव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व पर जनता की मुहर साबित है। नायब सिंह सैनी ने आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने आप-दा की गलत नीतियों का जवाब देकर भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहाकि अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा की मिट्टी को अपमानित करने का काम किया, वो जब हरियाणा के नहीं हुए तो दिल्ली के कैसे होते। उन्होंने कहाकि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम बढ़ाए हैं। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि और गरीब अन्न कल्याण योजनाओं जैसी ऐतिहासिक पहलों ने देश के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री की नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली की जनता अब विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे रही है। वर्षों से जनता को गुमराह करने वाली तुष्टिकरण और झूठे वादों की राजनीति को दिल्ली की जनता ने पहचान लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग अब प्रधानमंत्री की नीतियों और भारतीय जनता पार्टी की पारदर्शी व मजबूत प्रशासनिक सोच के साथ खड़े हैं। दिल्ली की इस जीत के लिए पार्टी के कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ताओं ने जिस निष्ठा और समर्पण भाव से काम किया है, उसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर अब यह सुनिश्चित होगा कि केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता से जनता तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब भाजपा के सत्ता में आने पर दिल्ली को विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, बेहतर परिवहन, स्वच्छ जल आपूर्ति और मजबूत स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

मेवात में रेल मार्ग बनने से आवाजाही होगी सुगम,रोजगार के खुलेंगे रास्ते

चंडीगढ़,08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहाकि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करते हुए केंद्र व हरियाणा राज्य की डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के विकास के कार्य कर रही है। इसी कड़ी में शहीद हसन खान मेवाती से प्रेरणा लेते हुए मेवात में विकास के कार्य कर रही है। मेवात को रेलमार्ग से दिल्ली व अलवर से सीधा जोड़ने के लिए यहां पर रेल परियोजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा। इसके लिए सरकार ने बजट का भी प्रावधान किया है। मेवात में रेलमार्ग का निर्माण होने से न सिर्फ मेवात के लोगों की आवाजाही सुगम होगी, बल्कि यहां के युवाओं के लिए रोजगार के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत देश के 115 पिछड़े जिलों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से नूंह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले आकांक्षी जिला अंकित किया है। प्रधानमंत्री स्वयं इस जिले के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि व कौशल विकास से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग भी करेंगे। मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास संत कबीर कुटीर में आल इंडिया मेवाती पंचायत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

आल इंडिया मेवाती पंचायत के प्रतिनिधियों ने मेवात में रेलवे लाइन बिछाए जाने की परियोजना को मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेवात क्षेत्र में 178 एकड़ जमीन पर एलटीएल बैटरी उद्योग लगेगा, जिसमें 7197 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इस परियोजना से मेवात क्षेत्र के करीब 7 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा।इसी तरह से सरकार ने मेवात क्षेत्र में आईएमटी स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिससे इस क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगी। हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का ही नतीजा है कि मेवात क्षेत्र में भी निवेशकों का निवेश करने के प्रति रुझान बढ़ रहा है। यहां पर नए-नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

केजरीवाल को जनता ने सबक सिखाया : बड़ौली

चंडीगढ़,08 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 27 साल बाद हुई भाजपा की प्रचंड जीत पर ख़ुशी जाहिर करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने अपने कार्यकर्ताओं संग जलेबी खाकर इस जीत का जश्न मनाया है। दिल्ली में भाजपा की इस भव्य जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए पंडित मोहन लाल बडौली ने कहा कि दिल्ली में आपदा का अंत हुआ है और 27 साल भाजपा की दिल्ली में सरकार बनी है, इसके लिए उन्होंने दिल्ली और हरियाणा की जनता का आभार जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की भ्रष्ट और झूठ की राजनीति को करारा जवाब दिया है और भाजपा पर विश्वास जताया है। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दिल्ली की जनता ने स्वीकार किया और केजरीवाल की झूठ और भ्रष्टाचार की राजनीति की दुकान पर ताला लगाने का काम किया है।

दिल्ली में झूठ और फरेब की राजनीति का अंत हुआ : विज

अंबाला,08 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा सत्ता में वापसी करने जा रही है। भाजपा 45 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रही है या जीत चुकी है। वहीं, 10 साल से सत्ता में काबिज आम आदमी पार्टी का तीसरी बार सरकार बनाने का सपना बुरी तरह से टूटा है।

नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भाजपा के प्रवेश वर्मा से चुनाव हारे हैं। केजरीवाल इस सीट पर चौथी बार चुनाव लड़ रहे थे। तीन बार चुनाव जीत चुके केजरीवाल चौथी बार अपनी सीट नहीं बचा पाए हैं। केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज अपनी सीट नहीं बचा पाए हैं। जंगपुरा से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी चुनाव हारे हैं।नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हार पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने जोरदार निशाना साधा है। अनिल विज ने कहा, दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मोदी जी का जलवा सर चढ़कर बोल रहा है और आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं की हार के बाद मुफ्त की राजनीति का अंत हो रहा है। देश की राजनीति साफ-सुथरी होनी चाहिए। यह जीत मोदी जी की जीत है।

ट्रंप ने भारतीयों को बेड़ियां लगाकर किया अपमान : बुवानीवाला

गुरुग्राम,08 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस उद्योग सैल के प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में जाकर अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे लगवाते थे। उसी ट्रंप ने भारत के लोगों को बेड़ियां, हथकड़ियां लगाकर भारत का अपमान करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए। अमेरिका के समक्ष इस बात की आपत्ति जतानी चाहिए। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि यह अफसोस और शर्म की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मूक रहकर यह अपमान देखते रहे। उन्होंने पूरे देश को शर्मिंदा करते रहे। भाजपा राज में भारत सरकार की विदेश नीति ने देश को बस शर्मशार करने का काम किया है। भारत वसुधैव कुटुंबकम् को मानता है तो अपना स्वाभिमान उससे भी यादा महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री और भाजपा सरकार इसे और ठेस न पहुंचाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जाकर भारतीयों के बीच बड़ी बातें करने वाले प्रधानमंत्री अपने देश के नागरिकों को अमेरिका से सुरक्षित तरीके से नहीं ला सके। सरकार देश में रोजगार देने के दावे करती है और लोग बेरोजगारी से तंग आकर दूसरे देशों में रोजगार के लिए जाते हैं।

वाराणसी-रांची-कोलकाता एक्सप्रेसवे से जोड़ने की मांग

सोन एक्सप्रेसवे से चार जिले हो जाएंगे जाम मुक्त

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में यातायात की बढ़ती चुनौतियों और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या को देखते हुए तरारी विधानसभा के भाजपा विधायक विशाल प्रशांत ने गंगा पथ के तर्ज पर सोन एक्सप्रेसवे के निर्माण की पहल की है। इस परियोजना को लेकर विधायक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उसमें भोजपुर जिले के कोईलवर से डेहरी-ऑन-सोन होते हुए इस एक्सप्रेसवे को वाराणसी-रांची-कोलकाता एक्सप्रेसवे से जोड़ने की मांग की गई।

विधायक विशाल प्रशांत ने बताया कि भोजपुर, रोहतास, औरंगाबाद और कैमूर जिलों में खनन सामग्री ले जाने वाले भारी वाहनों के कारण आए दिन सड़क जाम और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अगर सोन एक्सप्रेसवे का निर्माण हो जाता है, तो खनन और व्यावसायिक वाहनों का परिचालन इस एक्सप्रेसवे पर शिफ्ट हो जाएगा। इससे राज्य में सड़क सुरक्षा मजबूत होगी और ट्रैफिक की समस्या से भी निजात मिलेगी।

इसके अलावा, रोहतास और कैमूर की पहाड़ियों को 'स्विट्जरलैंड ऑफ बिहार' कहा जाता है। इस एक्सप्रेसवे से टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही खनन के कारण उत्पन्न प्रदूषण की समस्या भी काफी हद तक कम हो जाएगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

विधायक विशाल प्रशांत ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया है और इस पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के मुख्य सचिव और डेवलपमेंट कमिश्नर जल्द ही इस परियोजना की औपचारिकताएं पूरी कर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को अनुशंसा भेजेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर सोन एक्सप्रेसवे निर्माण की मंजूरी ली जाएगी। विशाल प्रशांत ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि बहुत जल्द बिहार को खुशखबरी मिलेगी और इस सड़क को सोन एक्सप्रेसवे के नाम से जाना जाएगा।

विधायक विशाल प्रशांत ने तरारी विधानसभा क्षेत्र में जन निवारण केंद्र की स्थापना की है। इस पहल का उद्देश्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना और जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिलवाना है। उन्होंने कहा कि बिहार और केंद्र सरकार कई योजनाएं चला रही हैं, लेकिन गरीब, किसान और मजदूर वर्ग को इन योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती, जिससे वे लाभ से वंचित रह जाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए जन निवारण केंद्र खोला गया है।

यहां सरकार की सभी योजनाओं की सूची उपलब्ध होगी और कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को उनका लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। विशाल प्रशांत ने कहा कि अगर लोग सरकारी योजनाओं का सही लाभ उठाने लगेंगे, तो बिहार की राजनीति जाति-पाति से हटकर विकास के मुद्दों पर केंद्रित होगी।

बिहार में विपक्ष लगातार अफसरशाही सरकार चलाने का आरोप लगाता रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक विशाल प्रशांत ने कहा कि विपक्ष का काम ही जनता को गुमराह करना है। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार बजट में राज्य के विकास से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार के केंद्रीय बजट में बिहार के विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

विशाल प्रशांत ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि अगर बिहार में सरकार सिर्फ अधिकारी चला रहे होते, तो क्या केंद्रीय बजट में बिहार को इतनी बड़ी हिस्सेदारी मिल पाती? इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जाता है, जो लगातार बिहार के विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं।

सासाराम में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

29.82 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक बजट होटल

सासाराम (एजेंसियां)।

सासाराम में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार सरकार 29.82 करोड़ रुपये की लागत से एक नया छह-मंजिला बजट होटल बनाने जा रही है।

शेरशाह सूरी होटल को हटाकर इस अत्याधुनिक होटल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 27 सामान्य कमरे, 9 डीलक्स कमरे, 3 सुइट, बैंक्वेट हॉल, रेस्तरां, कॉफी शॉप, पार्किंग, सीसीटीवी, फायर फाइटिंग सिस्टम, एयर कंडीशनिंग जैसी कई सुविधाएं होंगी।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि सासाराम का ऐतिहासिक महत्व है और यहां रोहतासगढ़ किला, मां ताराचंडी मंदिर, मंझार कुंड, कशिश झरना, तुतला भवानी मंदिर जैसे कई दर्शनीय स्थल हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। नया होटल पर्यटकों के लिए एक किफायती लेकिन उच्च स्तरीय सुविधा प्रदान करेगा।

होटल निर्माण की जिम्मेदारी बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम को दी गई है। सरकार की योजना है कि यह होटल निजी होटलों की तुलना में किफायती हो लेकिन उसमें आधुनिक सुविधाओं की कोई कमी न हो। इससे पर्यटन और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पास तार कांटे में फंसा तेंदुआ, जख्मी हालत में दहाड़ से मचा हड़कंप

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पास स्थित गांवों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए गए तार कांटे में फंसकर बुरी तरह जख्मी हो गया। दर्द से कराहते हुए तेंदुआ लगातार दहाड़ मार रहा है, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने जब तेंदुए को तड़पते हुए देखा, तो तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना बगहा पुलिस जिले के नरवल बरवल स्थित पिपरा गांव की है। यहां खेतों में लगी फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए किसानों ने तार वाले बाड़ (कांटेदार तार) लगाए थे, जिसमें यह तेंदुआ फंस गया। जख्मी तेंदुआ जब दर्द से कराहने लगा और जोर-जोर से दहाड़ने लगा, तो गांववालों में दहशत फैल गई। गांव के लोग तेंदुए को देखने के लिए बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुटने लगे। हालांकि वन विभाग की टीम ने लोगों से अपील की कि वे तेंदुए के ज्यादा करीब न जाएं और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सतर्क रहें।

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के बगहा रेंजर सुनील कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को बचाने के लिए अभियान शुरू किया। रेंजर सुनील कुमार ने बताया कि तेंदुए को रेस्क्यू कर उसका प्राथमिक इलाज किया जाएगा। अगर उसकी हालत गंभीर पाई जाती है, तो उसे बेहतर इलाज के लिए वन्यजीव चिकित्सकों के पास भेजा जाएगा। तेंदुए को ठीक होने के बाद वापस जंगल में छोड़ने की योजना है।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व और उसके आसपास के इलाकों में पहले भी जंगली जानवरों के खेतों में घुसने और घायल होने के कई मामले सामने आ चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से बढ़ते मानव हस्तक्षेप और जंगलों के सिकुड़ने के कारण जंगली जानवर अब भोजन और आश्रय की तलाश में गांवों की ओर रुख करने लगे हैं।

वन विभाग ने गांववालों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और खेतों में तार लगाने से पहले वन विभाग से सलाह लें, ताकि जंगली जानवरों को किसी तरह की चोट न पहुंचे। साथ ही अगर कोई जंगली जानवर गांव में दिखाई देता है, तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें और खुद से उसे पकड़ने या भगाने की कोशिश न करें।

12 दिन से लापता ट्रैक्टर चालक की हत्या, खेत में दफन मिला शव

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज जिले के टेढ़ागाछ प्रखंड के बीबीगंज थाना क्षेत्र के पिपला गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक खेत में मिट्टी के नीचे दबा एक शव बरामद हुआ। शव का एक हाथ मिट्टी से बाहर निकला देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला, जिसके बाद परिजनों ने शव की पहचान 12 दिन से लापता ट्रैक्टर चालक टिंकू कुमार के रूप में की। मृतक किशनगंज जिले के बहादुरगंज थाना क्षेत्र के चारघरिया गांव निवासी टिंकू कुमार थे, जो 25 जनवरी 2025 की शाम से लापता थे।

जानकारी के मुताबिक, घटना का खुलासा तब हुआ जब गांव के कुछ लोग खेत में घास काट रहे थे। तभी एक हाथ मिट्टी से बाहर दिखा। पहले तो लोगों को शक हुआ, लेकिन जब उन्होंने ध्यान से देखा, तो समझ गए कि मिट्टी के नीचे कोई शव दफन है। ग्रामीणों ने तुरंत बीबीगंज थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रंजीत कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को मिट्टी से बाहर निकलवाया। शव के बाहर आते ही वहां सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

शव की खबर मिलते ही लापता ट्रैक्टर चालक टिंकू कुमार के परिजन मौके पर पहुंचे। टिंकू कुमार के बेटे मनोहर (13) और पत्नी ने शव की पहचान कर पुष्टि की कि यह उनके पिता और पति का ही शव है। परिजनों ने बताया कि 25 जनवरी की शाम उनके पिता टिंकू ट्रैक्टर लेकर मिट्टी ढुलाई के काम के लिए निकले थे। वह चरघड़िया गांव से मिर्धनडांगी गांव गए थे, लेकिन फिर घर वापस नहीं लौटे। वहीं, मामले को लेकर ट्रैक्टर मालिक अजेंद्र कुमार ने बहादुरगंज थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में बहादुरगंज थाना में कांड संख्या 42/25 दर्ज है और पुलिस लापता चालक की तलाश कर रही थी।

बीबीगंज थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहा कि शव की पहचान टिंकू कुमार के रूप में हो चुकी है। यह एक रहस्यमयी मामला है और हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी संभावित कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ट्रैक्टर चालक की हत्या किन परिस्थितियों में हुई और उसके पीछे कौन लोग जिम्मेदार हैं।

अब तक की जांच में यह साफ हो गया है कि टिंकू कुमार की हत्या कर शव को खेत में दफना दिया गया था। लेकिन कई सवाल अब भी अनसुलझे हैं कि किस वजह से टिंकू कुमार की हत्या की गई? क्या यह किसी आपसी रंजिश का मामला है या फिर लूटपाट की वारदात? ट्रैक्टर का अब तक कोई सुराग क्यों नहीं मिला? और क्या हत्या में किसी जान-पहचान वाले का हाथ है? इन सवालों के जवाब पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही मिल पाएंगे।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग पुलिस से जल्द मामले की जांच पूरी कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस पहले ही तेजी दिखाती, तो शायद टिंकू कुमार की जान बच सकती थी।

बच्चों के जरिए अश्लील रील बनाने वाले यूट्यूबर पर होगी कार्रवाई, साइबर पुलिस कस रही शिकंजा

मुंगेर (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर अश्लील और अनुचित सामग्री (कंटेंट) को बढ़ावा देने वाले लोकल यूट्यूबर रंगा भाई यादव पर शेखपुरा का साइबर थाना सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। यूट्यूबर पर आरोप है कि वह बच्चों से अभद्र भाषा बुलवाकर रील्स बनाते हैं और उन्हें यूट्यूब पर अपलोड कर रहे हैं। यह सामग्री न केवल बच्चों के मासूम दिमाग पर बुरा प्रभाव डाल रही है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी फैला रही है।

जिला बाल संरक्षण इकाई के सामाजिक कार्यकर्ता शीनिवास ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की रील्स बच्चों को बिगाड़ रही हैं। यूट्यूबर रंगा भाई यादव अपने चैनल की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए मासूम बच्चों को गलत भाषा बोलने के लिए उकसा रहे हैं। इन वीडियोज में अश्लील और गंदी बातें कही जाती हैं, जो परिवार के साथ देखने लायक नहीं होतीं। उन्होंने आगे कहा कि इन वीडियोज को देखने वाले बच्चे भी वैसा ही बोलने और करने लगते हैं, जिससे उनका मानसिक और नैतिक पतन हो रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता शीनिवास ने इस मामले की शिकायत साइबर थाना में दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि आईटी एक्ट और साइबर कानून के तहत ऐसी सामग्री (कंटेंट) को बैन किया गया है, लेकिन फिर भी रंगा भाई यादव जैसे यूट्यूबर इस तरह के वीडियो बनाकर न केवल बच्चों का शोषण कर रहे हैं, बल्कि समाज में गंदगी फैला रहे हैं। शेखपुरा साइबर थाना ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और जल्द ही संबंधित यूट्यूब चैनल पर कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत दर्ज होने के बाद साइबर थाना ने बच्चों को इस मामले में समझाने और उनके परिजनों को जागरूक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा रंगा भाई यादव को चेतावनी दी गई है कि वह अपना यूट्यूब चैनल डिलीट करें और भविष्य में इस तरह की हरकतों से बचें। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन और बाल संरक्षण इकाई ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और उन्हें ऐसे यूट्यूब चैनलों से दूर रखें जो अनुचित भाषा और अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं। अगर किसी को भी इस तरह के अन्य मामले की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत साइबर थाना को सूचित करें ताकि इस पर रोक लगाई जा सके।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट में 10 लोग झुलसे

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

पश्चिम चंपारण के बेतिया में रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट में दस किशोर बुरी तरह झुलस गए। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना बगहा पुलिस जिला के देवरिया तरुवनवा पंचायत के भेलाही गांव की है।

शुक्रवार को घर में गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण आग लग गई। घर के सभी सदस्य बाहर थे। अचानक रसोई गैस का रिसाव होने लगा। इसके बाद आग ने धीरे विकराल रूप धारण कर लिया।

भीषण आग को देखते हुए आसपास के लोग इसे बुझाने पहुंचे। इसी बीच अचानक गैस सिलेंडर विस्फोट कर दिया। हादसे में 10 लोग झुलस गए।

घटनास्थल पर तुरंत अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। आननफानन में सभी घायलों को इलाज के लिए हरनाटांड़ पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल सामान्य है। झुलसे लोगों की पहचान नंदलाल शाह (56), माधव मिश्रा (13), सूरत पंडित (14), सुजीत कुमार (13), सुजीत कुमार (12), अन्नू कुमार (19), वशिष्ठ कुमार (24) नंदकिशोर महतो (55), आदित्य कुमार (12), सुरेंद्र कुमार (22) शामिल हैं।

लोगों का कहना है कि भेलाही गांव निवासी रमाकांत कुशवाहा के झोपड़ी में गैस सिलेंडर से रिसाव हो रहा था, इससे अचानक आग लग गई। इस दौरान रमाकांत कुशवाहा और उनके परिवार मौजूद नहीं थे। आग की लपटें उठती देख स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। इसी बीच घर के अंदर रखा गैस सिलेंडर अचानक तेज धमाके के साथ ब्लास्ट कर गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। डॉक्टरों ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति अभी सामान्य है और उन्हें आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। प्रशासन ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और गैस सिलेंडर के उपयोग में सावधानी बरतने की अपील की है।

ठेकेदार की संदिग्ध स्थिति में मौत मौके से बाइक और मोबाइल बरामद

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के माड़ीपुर इलाके में एक ठेकेदार का अर्धनग्न हालत में शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई, जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम ने पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान वैशाली जिले के जंदाहा थाना क्षेत्र के कोहियार गांव निवासी दिलीप कुमार सिंह (42) के रूप में हुई है। वह करजा थाना क्षेत्र के पकड़ी इलाके में किराए के फ्लैट में रहते थे और ठेकेदारी का काम करते थे।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने शव से कुछ दूरी पर मृतक की बाइक भी बरामद की। वहीं, शव को देखने से यह प्रतीत हो रहा था कि उनकी बेरहमी से पिटाई की गई थी। शरीर पर गहरे जख्मों के कई निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। मौके पर पहुंची टीम ने सबूत इकट्ठे किए, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

घटना को लेकर मृतक के भाई दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस से सूचना मिलने के बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो देखा कि यह उनके छोटे भाई दिलीप कुमार का शव है। उन्होंने कहा कि शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिससे साफ लग रहा है कि मारपीट कर उनकी हत्या की गई है। दीपक कुमार सिंह ने बताया कि उनका भाई ठेकेदारी करता था और अविवाहित था। वह मुजफ्फरपुर में वास्तु विहार के एक फ्लैट में रहते थे। उनकी बाइक भी शव से थोड़ी दूरी पर बरामद हुई है। परिजनों ने कहा कि हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी और न ही दिलीप किसी विवाद में थे। ऐसे में यह घटना साजिशन हत्या का मामला प्रतीत हो रही है।

डीएसपी टाउन-1 सीमा देवी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का लग रहा है। उन्होंने कहा कि शरीर पर गहरे जख्मों के निशान हैं, जिससे प्रतीत होता है कि मारपीट कर हत्या की गई है। मौके से पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसकी जांच की जा रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह का खुलासा हो सके। पुलिस ने कहा कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और परिवार, दोस्तों और ठेकेदारी के संपर्कों से पूछताछ की जाएगी।

फिलहाल पुलिस हत्या के एंगल से जांच कर रही है। लेकिन क्या यह किसी आपसी रंजिश का नतीजा था। कोई लूटपाट की घटना थी या किसी व्यावसायिक विवाद से जुड़ा मामला था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com